फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 74 संख्याः 194 प्रभात जयपुर, बुधवार 14 फरवरी, 2024 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

ARBIT

Timeless Charms of Orchha

Rama is the only king in Orchha. Even in the present times, *Rama* is regarded as the only king and the guard of honour is given to him, everyday, at the *Ram Raja Temple*.

Bollywood Soft Boys

From airport chases to alter egos, these soft boys are proof that if he wanted to, he would

राहुल गांधी, खड़गे, पायलट व गहलोत के साथ सोनिया गांधी आज सुबह अपना पर्चा दाखिल करने जायेंगी

सोनिया गांधी के पास अन्य कई राज्यों के अलावा हिमाचल से भी राज्यसभा का सदस्य बनने का विकल्प था, पर, उन्होंने राजस्थान का ही चयन क्यों किया?

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- शायद एक मकसद था, राजस्थान से राज्यसभा जाने के लिये प्रयासरत बड़े-बड़े वरिष्ठ नेताओं की लम्बी सूची, जैसे भंवर जितेन्द्र सिंह व दिनेश कोडनिया। इस नामों को ब्लॉक करने की दृष्टि से सोनिया गांधी ने राजस्थान का चयन किया।
- यह भी कहा जा रहा है कि, सोनिया गांधी रायबरेली से लोकसभा चुनाव लड़ने से कतरा रही थीं, क्योंकि वहाँ से वे हार भी सकती थीं और उन्हें अपना पुराना बंगला दस, जनपथ छोड़ना पड़ सकता था।
- पर उनके द्वारा राज्यसभा की सदस्यता का रास्ता चुनने से कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेताओं की गले की घंटी भी कुछ ढीली हुई। अगर सोनिया गांधी भी सांसद बनने के लिये राज्यसभा का रास्ता चुन सकती हैं तो, ''हम'' (पार्टी के वरिष्ठ नेता गण) भी क्यों न यह रास्ता चुनें। वैसे भी अधिकांश पार्टी के बड़े-बड़े नेता, इस बार लोकसभा चुनाव नहीं लड़ना चाहते हैं।

नई दिल्ली, 13 फरवरी। सोनिया गांधी ने अन्ततः संसद में प्रवेश का सुरक्षित रास्ता चुन लिया है।

वे बुधवार को राजस्थान से राज्यसभा सीट का नामांकन भरेंगीं और इसके लिए जयपुर आ रही हैं।

वे अपने पुत्र राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के साथ आ रही हैं तथा सचिन पायलट, अशोक गहलोत और सभी कांग्रेस विधायकों से उनके नामांकन हेतु जयपुर आने के लिए कहा गया है।

राहुल गांधी ने अपनी भारत जोड़ो न्याय यात्रा को ब्रेक दिया है और वे मंगलवार शाम दिल्ली लौट आए। राहुल सुबह अपनी मां के साथ जयपुर पहुंचेंगे।

वे डॉ. मनमोहन सिंह का स्थान ले रही हैं जो कि राज्यसभा से रिटायर हो रहे हैं। वर्तमान में उनका स्वास्थ्य खराब है। सोनिया गांधी रायबरेली से जीत के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

तेजस्वी के खिलाफ मानहानि केस खारिज

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 13 फरवरी। सुप्रीम कोर्ट ने गुरूवार को बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव के खिलाफ लम्बित चल रहे आपराधिक मानहानि के मुकदमे को खारिज कर दिया। यादव के खिलाफ यह केस उनके द्वारा गुजरातियों

- तेजस्वी पर गुजरातियों के खिलाफ की गई एक टिप्पणी के कारण मानहानि मुकदमा दर्ज किया गया था। कोर्ट ने इस पर फैसला रिज़र्व रखा था।

के विरूद्ध की गई टिप्पणी कि, ''केवल गुजराती ही ठग हो सकता है'' के विरूद्ध दाखिल किया गया था।

पिछले सप्ताह, अभय एस. ओका की अध्यक्षता वाली बैंच ने इस केस में इस तथ्य को संज्ञान लेते हुए अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था कि यादव

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

यू.ए.ई. के राष्ट्रपति ने एयरपोर्ट पर प्र.मंत्री मोदी को गले लगाया

''अहलान मोदी'' कार्यक्रम में 65 हजार भारतीय शामिल हुये, लोगों ने ''अहलान मोदी'' (यानी आपका स्वागत है मोदी) के नारे लगाकर उनका भव्य स्वागत किया

- मोदी बुधवार को अबू धाबी में पहले हिंदू मंदिर बोचासनवासी अक्षर पुरुषोत्तम स्वामीनारायण संस्था मंदिर का उद्घाटन करेंगे।
- प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति नाहयान ने यू.पी.आई.-आनी-रुपे कार्ड सर्विस का शुभारंभ किया। नाहयान ने इसकी शुरुआत करने के लिए अपने नाम के कार्ड को स्वाइप किया।
- गौरतलब है कि, वर्ष 2015 के बाद से प्रधानमंत्री मोदी की यू.ए.ई. की यह 7वीं यात्रा है।

रियाद, 13 फरवरी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार को दो दिवसीय यात्रा पर यूनाइटेड अरब अमीरात (यू.ए.ई.) पहुंचे। प्रधानमंत्री ने यू.ए.ई. के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान से मुलाकात की। इस दौरान द्विपक्षीय रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ाने पर भी बातचीत हुई। दोनों देशों के बीच इस मौके पर कई अहम समझौते भी हुये हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने यू.ए.ई. में भारतीय समुदाय के लोगों को भी संबोधित किया। ''प्रधानमंत्री मोदी के सम्मान में भारतीय समुदाय के लोगों ने एक कार्यक्रम आयोजित किया था। प्र.मंत्री मोदी जैसे ही कार्यक्रम में शामिल होने पहुँचे, भारतीय समुदाय के लोगों ने ''अहलान मोदी'' यानी ''आपका स्वागत है मोदी'' के नारे लगाकर स्वागत किया।

मोदी बुधवार को दुबई में एक बेहद आलीशान हिन्दू मंदिर का उद्घाटन करेंगे। राष्ट्रपति मोहम्मद बिन जायद ने हवाई अड्डे पर मोदी की अगवानी की, जहां दोनों ने एक-दूसरे को गले लगाकर अभिनंदन किया। बाद में मोदी को सलामी गारद भी पेश की गई। राष्ट्रपति जायद ने जिस तरह प्रधानमंत्री मोदी को अपने गले लगाया वह दृश्य हर तरफ चर्चा का विषय बन गया। राष्ट्रपति जायद

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

असंतुष्ट कांग्रेस नेताओं का पार्टी छोड़ने का क्रम जारी

पहले मिलिन्द देवड़ा गये, फिर महाराष्ट्र के पूर्व मु.मंत्री अशोक चव्हाण और अब यू.पी. में प्रियंका गांधी के प्रबल समर्थक प्रमोद कृष्णम के जाने की बात चर्चाओं में है

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- यह चर्चा है कि, मध्य प्रदेश में भाजपा के वरिष्ठतम स्तर पर बातचीत चल रही है, पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के पुत्र नकुलनाथ को भाजपा जॉइन करा ली जाये।
- दूसरी ओर भाजपा भी पूरा जोर लगा रही हैं, पुराने सहयोगी दलों, जैसे अकाली दल, तेलुगु देसम पार्टी व अन्नाद्रमुक आदि से बातचीत करके उनको एन.डी.ए. में सक्रिय किया जाये। इसी दिशा में नीतीश कुमार व जयंत चौधरी को भाजपा गठबंधन से जोड़ा गया है।

नई दिल्ली, 13 फरवरी। एन.डी.ए. को पुर्नजीवित करने के अभियान के साथ-साथ भाजपा ने लोकसभा चुनाव के लिए अपना कुनबा बढ़ाना शुरु कर दिया है। असंतुष्ट कांग्रेसियों के भाजपा में आने की तादाद बढ़ रही है, इसमें नवीनतम नाम महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक चव्हाण का है।

अशोक चव्हाण, वरिष्ठ भाजपा नेता देवेन्द्र फड़नवीस की उपस्थिति में आज भाजपा में शामिल हो गए, रिपोर्टों से संकेत मिलता है कि महाराष्ट्र में लगभग एक दर्जन कांग्रेस विधायकों के भाजपा में शामिल होने संभावना है। मिलिंद देवड़ा पहले ही पार्टी छोड़ चुके हैं और उत्तर प्रदेश में प्रमोद कृष्णम को भी पार्टी विरोधी गतिविधियों के कारण पार्टी से निकाल दिया गया है, अफवाह है कि वे भी भाजपा में शामिल होंगे। ऐसे समाचार भी आए हैं कि मध्य प्रदेश के भाजपा नेता वरिष्ठ कांग्रेसी और पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के साथ ''बैक चैनल'' बातचीत कर रहे हैं। वहीं, मध्य प्रदेश

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पवार चुनाव आयोग के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंचे

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 13 फरवरी। शरद पवार ने मंगलवार को चुनाव आयोग के, अजित पवार गुट को आधिकारिक तौर पर ''असली'' कांग्रेस पार्टी (एन.सी.पी.) के रूप में मान्यता देने के विरूद्ध सुप्रीम कोर्ट में याचिका पेश की।

- चुनाव आयोग द्वारा अजीत पवार के गुट को असली एन.सी.पी. करार दिए जाने के खिलाफ शरद पवार ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है।

छह फरवरी को, चुनाव आयोग ने विधानमंडल में बहुमत का परीक्षण करते हुए निर्णय दिया था कि, अजीत पवार गुट ही असली एन.सी.पी. है और उसे पार्टी के चुनाव चिन्ह ''घड़ी'' का

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'इण्डिया गठबंधन सत्ता में आते ही किसानों की एम.एस.पी. की मांग पूरी करेगा'

राहुल गांधी ने हिन्दी में ट्वीट करके समर्थन दिया

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- खड़गे ने भी राहुल गांधी की ''भारत जोड़ो न्याय यात्रा'' के दौरान अम्बिकापुर में पड़ाव के समय जनता को संबोधित करते हुए कहा, ''एम.एस.पी. की मांग की पूर्ती हमारी पहली गारंटी है।''

नई दिल्ली, 13 फरवरी। दिल्ली कूच कर रहे आंदोलनरत किसानों को रोकने को लेकर कांग्रेस ने केन्द्र व राज्यों में सत्तारूढ़ भाजपा सरकारों की आज भर्त्सना की और वादा किया कि इण्डिया गठबंधन के एक बार सत्ता में आने पर न्यूनतम समर्थन मूल्य (एम.एस.पी.) की गारंटी देने वाले कानून के निर्माण की किसानों की प्रमुख मांग को पूरा किया जाएगा।

आंदोलनरत किसानों का समर्थन करते हुए विपक्षी पार्टी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से कहा कि वह किसानों से सीधे बात कर उन्हें न्याय प्रदान करें।

राहुल गांधी ने हिंदी में लिखी एक पोस्ट में कहा कि ''किसान भाईयों, आज एक ऐतिहासिक दिन है! कांग्रेस ने स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशों के अनुरूप फ़सलों पर प्रत्येक किसान को एम.एस.पी. की कानूनी गारंटी देने का निर्णय लिया है। इस कदम के जरिए 15 करोड़ किसान परिवारों के जीवन में बदलाव सुनिश्चित किया जाएगा। न्याय की राह में कांग्रेस की यह प्रथम गारंटी है।''

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने मोदी सरकार पर आरोप लगाया कि वह किसानों से दस साल पहले किए गए वादे को निभाने में विफल रहने के बाद किसानों की आवाज कुचल रही है।

पार्टी महासचिव रणदीप सुरजेवाला ने कहा कि कांग्रेस किसान आंदोलन का समर्थन करती है। उन्होंने प्रश्न किया कि सरकार का प्रशासन बैरिकेड्स लगाकर और दिल्ली को एक ''पुलिस छावनी'' में तब्दील कर क्यों तानाशाहीपूर्ण रवैया अपना रहा है। दिल्ली में बैरिकेड्स लगाए जाने और वहां की सीमाओं की किलेबंदी का जिक्र करते हुए उन्होंने प्रश्न किया कि क्या केन्द्र सरकार इसे किसी दुश्मन देश का हमला मानती है।

उन्होंने कहा कि किसानों की यही मांग है कि दो वर्ष पहले हुए उनके पिछले आंदोलन के दौरान एम.एस.पी. की कानूनी गारंटी और कर्जे माफ करने के जो वादे किए गए थे, उन्हें पूरा किया जाए।

सुरजेवाला ने चेतावनी दी कि यह हलचल की शुरुआत भर है, क्योंकि अभी तो सिर्फ हरियाणा और पंजाब के किसान ही आंदोलन में भाग ले रहे हैं और जल्दी ही देश भर के किसान इस आंदोलन में शामिल हो जाएंगे।

उन्होंने कहा कि ''हमारी एकमात्र मांग यह है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी किसानों से सीधे बात कर उनके साथ न्याय करें।'' उन्होंने आगे कहा कि कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी इसके लिए संघर्ष कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि क्या किसानों को अपनी मांगों को लेकर देश की राजधानी में आने का अधिकार व स्वतंत्रता नहीं है। उन्होंने कहा कि ''यदि प्रधानमंत्री एवं उनकी सरकार किसानों की उचित मांगों को नहीं मानेंगे तो वे आखिर कहां जाएंगे? सरकार को किस बात का डर है?''

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

आई.ए.एस. अफसरों के तबादले

जयपुर, 13 फरवरी (कासं.)। राज्य सरकार ने आज एक आदेश जारी कर भारतीय प्रशासनिक सेवा (आई.ए.एस.) अफसर आलोक को ऊर्जा विभाग में अतिरिक्त मुख्य सचिव पद पर लगाया है। इसके अलावा अन्य 32 आई.ए.एस.

- आई.ए.एस. अफसर आलोक को ऊर्जा विभाग दिया। सरकार ने 11 अधिकारियों को अतिरिक्त कार्यभार भी सौंपा।

के भी तबादले किये है।

कार्मिक विभाग के अनुसार अपर्णा अरोड़ा को अतिरिक्त मुख्य सचिव, वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, राजस्थान, जयपुर, दिनेश कुमार को प्रमुख शासन सचिव, राजस्व एवं उपनिदेशक विभाग, राजस्थान, जयपुर, नवीन महाजन को अध्यक्ष एवं प्रबध निदेशक, राजस्थान राज्य भंडारण निगम, जयपुर, भानू प्रकाश एटूरू को अध्यक्ष,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'सुई से हथौड़ा तक हमारे पास पत्थर तोड़ने का भी सामान है'

'हम हमारे गांव से छः महीने का राशन लेकर निकले हैं। हमारे पास पर्याप्त डीज़ल भी है, जो हरियाणा के हमारे भाईयों के लिए काफी है'

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- लगभग 200 किसान यूनियन तथा हरियाणा, पंजाब व उत्तर प्रदेश में एक लाख किसान दिल्ली मार्च के लिये निकले।
- दिल्ली से लगभग 200 किलोमीटर दूर किसानों की संख्या 10,000 हो गयी थी दोपहर में ही। जब यह संख्या शंभू बॉर्डर पर सुरक्षा कर्मियों से कहीं ज्यादा हो गयी तो, घिरे हुए पुलिस कर्मी ड्रोन से आँसू गैस व ''स्मोक बम'' गिराते नजर आये, किसानों को तितर-बितर करने की दृष्टि से।
- दूसरी ओर कंकरीट स्लैब, लोहे की कीलें, बैरीकेड्स, कांटेदार तारों के साथ पुलिस ने भी पूरी तैयारी की है कि, किसान किसी तरह दिल्ली में प्रवेश न कर पायें, अपने ट्रैक्टर व ट्रॉलियों के साथ।
- दिल्ली में एक विडियो के अनुसार, पुलिस कर्मी तीन-चार दिन से आँसू गैस के गोले फैंकने का अभ्यास करते देखे गये।

नई दिल्ली, 13 फरवरी। किसानों पर आंसू गैस के गोले छोड़े जा रहे हैं और वॉटर कैनन्स से फायर किया जा रहा है, उसे देखते हुए लगता है कि मोदी सरकार किसानों के ''दिल्ली चलो'' आव्हान को निष्फल करने के लिए दृढ़प्रतिज्ञ है। किसानों ने भी इसकी प्रतिक्रिया पत्थरबाजी कर की है। किसान पंजाब और हरियाणा के किसान शंभू बॉर्डर पर एकत्रित हैं और दिल्ली जाने की कोशिश कर रहे हैं।

आंदोलन में करीब दो सौ किसान यूनियनें हिस्सा ले रही हैं। पड़ोसी राज्य हरियाणा, पंजाब और उत्तर प्रदेश के अनुमानतः लाखों किसानों ने मंगलवार सुबह देश की राजधानी की ओर मार्च करना शुरु किया। यह वर्ष 2020-21 में हुए विरोध प्रदर्शनों की एक चिन्ताजनक पुनरावृत्ति है, जिसमें दर्जनों किसान मारे गए थे और दिल्ली के मार्ग महीनों तक अवरूद्ध रहे थे।

विजुअल्स में धुएं के गुबार दिखाए गए हैं जिनकी वजह से कुछ भी दिखाई नहीं दे रहा है और मीडिया कर्मियों के साथ ही हजारों किसान और उनके समर्थक आंसू गैस के गोलों की आवाज़ के बीच इधर-उधर भाग रहे हैं।

दोपहर होते ही जब किसानों ने दिल्ली में घुसना शुरु किया तब हरियाणा की भाजपा सरकार के इरादे स्पष्ट हो गए। किसान आक्रामक मुद्रा में बिल्कुल नहीं थे, लेकिन, फिर भी उन पर आंसू गैस के करीब दो दर्जन गोले बरसाए गए। दिल्ली की सीमा से करीब दो सौ किमी. दूर शंभू बॉर्डर के विजुअल्स में पुलिस एवं सुरक्षा कर्मियों की संख्या तो कम दिख रही है, लेकिन किसानों को तितर-बितर करने के लिए ड्रोन्स से स्मोक बम गिराए जा रहे हैं।

प्राप्त वीडियोज़ में चेहरे पर स्कार्फ बांधे किसान मैटल बैरिकेड्स को हटाने के लिए ठोस अवरोधों को कूद कर पार कर रहे है। पृष्ठभूमि में खेत आंसू गैस के गोलों की धुंआ से आच्छादित है। एक वीडियो में किसानों को पुलिस पर पत्थरबाजी करते दिखाया गया है।

आंदोलन की समर्थक द पंजाब किसान मज़दूर संघर्ष कमेटी ने बताया है कि शंभू बॉर्डर पर तकरीबन 10 हजार लोग पहले से ही एकत्रित हैं। कमेटी के महासचिव सरवन सिंह पांधेर ने कहा कि ''किसान शांत हैं किन्तु हम पर ड्रोन्स के जरिए आंसू गैस छोड़ी जा रही है।

हरियाणा और पंजाब पुलिस इस आंदोलन से निबटने की पिछले कुछ दिनों से तैयारी कर रही है। उसने हाईवेज़ को ब्लॉक करने के लिए मैटल के भारी बैरिकेड्स व ठोस स्लैब्स लगा दिए हैं। पुलिस किसानों के साथ ही उन ट्रैक्टर्स को भी रोक रही है जिनकी ट्रालियां भोजन और आवश्यक वस्तुओं से भरी हुई हैं। यह एक संकेत है किसान अपने दूसरे आंदोलन को भी लम्बा खींचना चाहते हैं।

सीमेन्ट के बैरियर्स को हटाने का प्रयास करने वाले कई किसानों को गिरफ्तार कर लिया गया।

पुलिस ने दिल्ली के भीतर ही पड़ोसी राज्यों में जाने वाले प्रमुख बॉर्डर क्रॉसिंग्स को बंद कर दिया है, इसकी वजह से दिल्ली को गाज़ियाबाद और नोएडा को यू.पी. से जोड़ने वाले गाज़ीपुर व चिल्ला पॉइन्स पर ट्रैफिक जाम हो गया है।

सिंधू और टिकरी सहित राजधानी की अन्य सीमाएं, जहां चार वर्ष पूर्व बड़े विरोध प्रदर्शन हुए थे, पर किलेबंदी कर दी गई है। किलेबंदी में किसानों के वाहनों को रोकने के लिए सड़कों पर नुकीली कीलें बिछाना, मैटल के बैरिकेड्स लगाना और नुकिले तारों वाली बाड़

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कोचिंग छात्र ने आत्महत्या की

कोटा, 13 फरवरी (निसं)। महावीर नगर प्रथम इलाके में सोमवार रात को एक छात्र ने खुदकुशी कर ली। छात्र कृष्ण रैज़िडैंसी में रहकर आईआईटी (इंजीनियरिंग) एंट्रेस जे.ई.ई. मेन और एडवांस्ड की तैयारी करने के लिए छत्तीसगढ़ से कोटा आया था। मंगलवार सुबह जे.ई.ई. (मेन्स) परीक्षा का परिणाम आया है जिसमें

- छत्तीसगढ़ से आए शुभ कुमार चौधरी ने जे.ई.ई. मेन्स के नतीजे आने से पहले ही आत्महत्या कर ली, तीनों में उसे कम अंक मिले हैं।

उसके परसेंटाइल कम बने थे। लेकिन उसने इसके पहले ही अपने हॉस्टल रूम में आत्महत्या कर ली थी, क्योंकि नेशनल टैस्टिंग एजेंसी ने फाइनल आंसर की जारी कर दी थी, जिसमें उसे कम अंक आने की जानकारी मिल गई थी। मंगलवार को उसके दरवाजा नहीं खोलने पर हॉस्टल ने पुलिस को सूचित

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

गरीबों की सेवा ही ईश्वर की सेवा है। –सरदार वल्लभभाई पटेल

छात्रों पर भारी दबाव वाली कोचिंग संस्कृति पर नियंत्रण के प्रयास

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 स्पष्ट रूप से मानती है कि देश की शिक्षा में कोचिंग संस्कृति बहुत नुकसान पहुंचा रही है। प्रतिस्पर्धी परीक्षाएं देने के लिए तैयारी की कोचिंग माध्यमिक विद्यालय स्तर का वह मूल्यवान समय ले रही है जो असली शिक्षा के लिए सुरक्षित होना चाहिए। सभी मानते हैं कि प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं की कोचिंग छात्रों को एक ही स्ट्रीम की सामग्री के बहुत ही संकीर्ण दायरे में सीखने के लिए मजबूर करती हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए शिक्षा मंत्रालय ने पिछले महीने देश में कोचिंग संस्थानों के संचालन के लिए दिशानिर्देश जारी किये हैं। इन निर्देशों के अनुसार कोचिंग सेंटरों को पंजीकरण कराना आवश्यक होगा। पहले कोचिंग संस्थानों का वाणिज्यिक कर विभाग में पंजीकरण होता था, लेकिन अब उन्हें संभवत: शिक्षा विभाग द्वारा मान्यता दी जाएगी। दिशानिर्देश यही एकमात्र संकेत देते हैं। यह दिशानिर्देश कहते हैं कि कोचिंग सेंटरों में स्नातक से कम योग्यता वाले ट्यूटर्स की नियुक्ति नहीं होगी, कोचिंग सेंटर भ्रामक वादे या रैंक या अच्छे अंक दिलाने की गारंटी नहीं देंगे, भ्रामक विज्ञापन नहीं करेंगे, 16 वर्ष से कम उम्र के छात्रों को भर्ती नहीं किया करेंगे और केवल हाई स्कूल परीक्षा के बाद ही दाखिला देंगे, प्रति छात्र न्यूनतम स्थान उपलब्ध कराएंगे तथा नैतिक दुराचरण से जुड़े किसी अपराध के दोषी ट्यूटर या व्यक्ति की सेवाएं नहीं लेंगे। यह भी दिशानिर्देश हैं कि प्रत्येक कोचिंग सेंटर की ऐसी वेबसाइट होगी जिसमे ट्यूटर्स की योग्यता, पाठ्यक्रम/पाठ्यचर्या, पूरा होने की अवधि, छात्रावास सुविधाएं (यदि कोई हो) और ली जाने वाली फीस, आसान निकास निति, शुल्क वापसी नीति तथा भर्ती किये गए छात्रों की संख्या के अद्यतन विवरण होंगे। दिशानिर्देशों के उल्लंघन पर कोचिंग सेंटर को दण्डित किये जाने का प्रावधान भी किया गया है। इसके लिए एक सक्षम प्राधिकारी होगा जिसके पास सिविल न्यायालयों की शक्ति होगी। सक्षम प्राधिकारी के पास वे शक्तियां होगी जो किसी भी मुक़दमे पर विचार करने के लिए सिविल प्रक्रिया संहिता के तहत न्यायालों में निहित है। पंजीकरण या सामान्य शर्तों के कसी भी नियम और शर्त के उल्लंघन पर कोचिंग सेंटर पर पहले अपराध के लिए 25 हजार रूपया जुर्माना और दूसरी बार अपराध के लिए एक लाख रुपया जुर्माना तथा बाद के अपराध के लिए पंजीकरण रद्द करने की व्यवस्था की गई है। इन दिशानिर्देशों की अनुपालना राज्य सरकारों पर निर्भर करेगी और यह देखना दिलचस्प होगा कि वे किस प्रकार ताकतवर और धन–बल का प्रभाव रखने वाले कोचिंग केंद्र चलाने वालों से निबटती हैं। कोचिंग सेंटरों के संचालक इन दिशानिर्देशों से चिंतित नज़र नहीं आ रहे हैं। उनका कहना है कि अभी यह सिर्फ प्रस्ताव है। इसे लागू करने से पहले कई चरणों पर बातचीत की जाएगी। इसमें कई बदलाव होंगे जिसके बाद इसे लागू किया जाएगा। अंतत: यह राज्य सरकारों पर निर्भर करेगा है कि वह इन दिशानिर्देशों को इसे किस तरह से लागू करवाती हैं।

कोचिंग सेंटरों के जाल में नई पीढ़ी पूरी तरह जकड़ी हुई है। खुद सरकार का शिक्षा नीति 2020 का दस्तावेज़ इस तथ्य को स्वीकार करता है कि स्पष्ट शिक्षा नीति के अभाव में अनियमित कोचिंग संस्थानों की संख्या में वृद्धि हुई है। राजस्थान के कोटा शहर को ही ले लें जहां के कोचिंग केंद्रों में, औपचारिक स्कूली शिक्षा को छोड़कर, इंजीनियरिंग या चिकित्सा के एक विशिष्ट संस्थान में प्रवेश पाने के अपने सपने साकार करने के लिए हर साल लगभग ढाई लाख छात्र आते हैं। यह सिर्फ एक शहर की बात है। राजस्थान तथा देश के अन्य शहरों में भी यह संस्कृति बलवती हो रही है जिनमें कितने लाख छात्र अध्ययनरत है उसका अंदाजा लगाया जा सकता है। यह समझने की जरूरत है कि स्कूली शिक्षा के औपचारिक ढांचे को कमजोर करने की कीमत पर ये कोचिंग संस्थान क्यों फल–फूल रहे हैं? यह तथ्य है कि प्रवेश परीक्षाएं अत्यधिक प्रतिस्पर्धी हैं। उदाहरण के लिए, 2023 में, सरकार द्वारा संचालित भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों और राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थानों में 41,339 सीटों के लिए 11 लाख से अधिक छात्रों ने जेईई परीक्षा में भाग लिया और सरकारी मेडिकल कॉलेजों में उपलब्ध 56,283 सीटों के लिए 22 लाख से अधिक ने एनईईटी में भाग लिया। देश के हैदराबाद, विजयवाड़ा, विशाखापत्तनम, चेन्नई और दिल्ली में ऐसे कोचिंग दिग्गजों का उदय हुआ है, जो प्रवेश परीक्षा परिणामों और बाजार को नियंत्रित करते हैं। दिलचस्प तथ्य यह भी है कि इन कोचिंग संस्थानों में न केवल भारत से बल्कि विदेशों से भी पूंजी निवेश होता है। शिक्षा कारोबार का यह बड़ा बाज़ार खड़ा हो गया है। यह सभी मानते हैं कि इस कोचिंग संस्कृति से बच्चों पर अनुचित दबाव बढ़ गया है जिसके परिणामस्वरूप विद्यार्थियों द्वारा आत्महत्या किये जाने की घटनाओं में चिंताजनक वृद्धि हुई है।

छात्रों को जीवन में असफल होने के बारे में हमेशा तैयार रहना चाहिए। असफलता जीवन का एक स्वाभाविक हिस्सा है। हर कोई कभी-न-कभी असफल होता है। यह महत्वपूर्ण है कि छात्र असफलता को एक अवसर के रूप में देखें, सीखने और बढ़ने का एक अवसर।

नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो के 2020 के आंकड़ों से पता चलता है कि देश में लगभग 8.2 फीसदी छात्र आत्महत्या कर लेते हैं। विद्यार्थी का अधिकांश बचपन प्रवेश परीक्षाओं की तैयारी में लग जाता है, जो कभी–कभी कक्षा छह से शुरू हो जाती है। बच्चों को घर की सुख–सुविधाओं से दूर धकेल दिया जाता है। इन संस्थानों में विद्यार्थियों को सवालों के जवाब रटाने और उनकी नियमित कड़े टेस्ट लेने की एक पद्धति विकसित हो गई है जिसके दबाव में ही बच्चों की आत्महत्याओं की खबरें हमें पढ़ने को मिलती हैं। आमतौर पर, इन स्कूलों को 'डमी' स्कूल कहा जाता है, यह शब्द कागज पर स्कूलों को दर्शाने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। एक बार जब कोई बच्चा ऐसे डमी स्कूल में भर्ती हो जाता है, तो उनका अधिकांश समय प्रवेश परीक्षाओं के लिए कोचिंग में व्यतीत होता है, जो अगले पांच से सात वर्षों के लिए निर्धारित होती हैं। कोचिंग करने वाले छात्रों की आत्महत्या की समस्या के मूल में समाजशास्त्री उनके सामाजिक जीवन की कमी मानते हैं, क्योंकि उनके लिए दिन बहुत जल्दी शुरू होता है और देर रात तक खत्म होता है, जिसमें उन्हें सांस लेने की भी फुरसत नहीं मिलती। छात्रों को कक्षाओं में लगभग 13 घंटे तक बांधे रखा जाता है, जिससे स्व–अध्ययन, खेल गतिविधियों या अन्य लोगों से मेलजोल के लिए कोई समय नहीं बचता है जिसे चिकित्सा विज्ञान एक स्वस्थ व्यक्ति बनाने के लिए जरूरी मानता है। तीन महीने पहले कोचिंग सेंटरों को नियंत्रित किये जाने की मांग वाली एक याचिका पर सुप्रीम कोर्ट की एक बेंच ने कोचिंग सेंटरों को निर्देश जारी करने से इनकार कर दियाथा। अदालत के जजों का कहना था कि इन मामलों के पीछे माता–पिता का दबाव होता है। इंजीनियरिंग, मेडिकल और अन्य संयुक्त प्रवेश परीक्षा जेईई, राष्ट्रीय पात्रता प्रवेश परीक्षा एनईईटी, सामान्य प्रवेश परीक्षा कैट, आदि जैसी व्यावसायिक परीक्षाओं में सफलता के लिए माता–पिता को बच्चों की कोचिंग ही राह दिखती है।यह आग्रह विद्यार्थी को उच्च माध्यमिक विद्यालय की शिक्षा के अनुभव से तो वंचित करता ही है उसे अपने कीमती बचपन से भी वंचित करता है। माता–पिता अपने बच्चों को उनके समृद्ध बचपन और युवावस्था के अनुभव से दूर करके कोचिंग संस्थानों के नियंत्रित वातावरण में रखते हैं, और उन्हें अपने साथियों, परिवार तथा अन्य सामाजिक वातावरण से अलग–थलग करते हैं। वे भूल जाते हैं कि एक खुश और संतुष्ट बच्चा ही वास्तव में एक खुशहाल समाज और राष्ट्र की पहचान होता है।

शिक्षाविदों को नहीं लगता कि कोचिंग सेंटरों के लिए जारी केंद्र के ये दिशानिर्देश कोई संरचनात्मक बदलाव ला पाएंगे। उनका तो यह आरोप भी है कि इन दिशानिर्देशों से सरकार कोचिंग संस्कृति को मान्यता देते हुए उसे वैधता प्रदान कर रही है। उनकी खिन्नता इस बात पर है कि एक तरफ राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 कोचिंग संस्कृति को हानिकारक बताती है और उसके पनपने के लिए "माध्यमिक विद्यालय परीक्षाओं की प्रणाली" सहित बोर्ड परीक्षाओं और प्रवेश परीक्षाओं को मानते हुए वर्तमान परीक्षा प्रणाली के पैटर्न में सुधारों की सिफारिश करती है जिससे कि कोचिंग लेने की जरूरत ही न रहे, वहीं दूसरी तरफ उसके तहत जारी दिशानिर्देश कोचिंग संस्कृति को वैध बनाने के लिए कदम उठाये जा रहे हैं। कोचिंग सेंटर चलाने के लिए न्यूनतम मानकों का सुझाव देकर यह नीति उसी कोचिंग संस्कृति को मान्यता प्रदान करने का उद्यम कर रही है जिसे वह हानिकारक मानती है। नई शिक्षा नीति से माध्यमिक शिक्षा के साथ साथ उच्च शिक्षण संस्थाओं में प्रवेश की परीक्षाओं में सक्रिय सुधारों की उम्मीद की जाती थी। मगर उसकी जगह यह यह दिशानिर्देश उसी से मुंह चुराते हैं। अनियंत्रित और गैर मान्यताप्राप्त कोचिंग संस्थानों का करोड़ों रुपयों का बाज़ार अब औपचारिक मान्यता के साथ वैध बन जायेगा। सरकार सिर्फ कोचिंग सेंटरों को विनियमित करने की बात करती है मगर उन्हें समाप्त करने के बारे में चुप हैं। दिशानिर्देश केवल यह कहते हैं कि कोचिंग संस्थानों में कक्षाएं स्कूल के घंटों के दौरान नहीं लगाई जाएंगी और इन संस्थानों को स्कूल के घंटों के बाद 5 घंटे तक कक्षाएं चलाने की अनुमति दी जाएगी। ज्यादातर लोग कोचिंग सेटरों के खिलाफ हैं, लेकिन प्रतिस्पर्धा के इस दौर में छात्रों के पास इन कोचिंग सेंटरों में जाने के अलावा और कोई विकल्प नहीं है। इस मुद्दे पर सभी हितधारकों, समाजशास्त्रियों और शिक्षाविदों के बीच गंभीर बहस और चर्चा की आवश्यकता है। इसके लिए ऐसे दिशानिर्देशों जैसे दिखावटी प्रयासों की जगह मजबूत और ईमानदार कदम उठाये जाने की आवश्यकता है। यह काम राज्यों के स्तर पर होना है क्योंकि भले ही शिक्षा संविधान की समवर्ती सूची में है मगर शिक्षा का असल काम राज्यों को ही करना होता है।

–अतिथि संपादक,
राजेन्द्र बोड़ा
(वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक)

मोदी सरकार विश्वगुरू भारत की संकल्पना साकार करेगी

डॉ. सतीश पूनिया

'तीसरी बार मोदी सरकार' और 'अबकी बार चार सौ पार' यह महज नारे नहीं है। पिछले दस वर्षों में मोदी सरकार के स्वर्णिम कार्यकाल के बाद आम जनता का मूड समझा जा सकता है। भारतीय जनता पार्टी का शीर्ष नेतृत्व जब अपने कार्यकर्ताओं के लिए टारगेट तय करता है, तो निश्चित ही उसके पीछे एक मजबूत आधार होता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पार्टी कार्यकर्ताओं को आगामी लोकसभा चुनावों में पार्टी के लिए 370 सीटें जीतने का लक्ष्य दिया है और एनडीए को चार सौ पार का टारगेट निश्चित किया है। पार्टी के लिए आगामी लोकसभा चुनाव में इस रोमांचकारी लक्ष्य ने पार्टी के कार्यकर्ताओं में ऊर्जा का संचार कर दिया है।

बिलकुल ग्राउंड जीरो की बात करूं तो पिछले दिनों राजस्थान के बीकानेर संभाग के लोकसभा क्षेत्रों का कार्ययोजना दायित्व संभालने के बाद आम लोगों और पार्टी के कार्यकर्ताओं से मिलने का अवसर मिला।

आम जनता और पार्टी कार्यकर्ताओं में मोदी सरकार के प्रति जिस तरह का आत्मीय भाव है, उससे हम कार्यकर्ताओं को यह लक्ष्य बहुत बौना लगता है और जनता एवं कार्यकर्ताओं का यही जोश मुझे तब दिखा जब पार्टी ने मुझे कुछ महीने पहले ही यूपी के चार लोकसभा क्षेत्रों की संगठनात्मक बैठकों के लिये भेजा था।

हाल ही में राजस्थान, मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ में बनी भाजपा की सरकारों से यह और मजबूती से साबित हो गया कि जनता का भरोसा मोदी के नेतृत्व के प्रति दिनों–दिनों बढ़ता ही जा रहा है।

मोदी सरकार का तीसरा कार्यकाल समृद्ध और विकसित भारत की आगामी एक हजार साल की नींव रखेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल में लोकसभा में अपने ऐतिहासिक भाषण में भी कहा था कि–"मैं देश को अगले हजार वर्षों तक समृद्ध और सिद्धि के शिखर पर देखना चाहता हूँ। और तीसरा कार्यकाल अगले एक हजार वर्षों के लिए एक मजबूत नींव रखने का कार्यकाल बनेगा।" प्रधानमंत्री के संकल्प के बारे में देश की जनता जानती है कि वह जब संकल्प लेते हैं तो उसे पूरा करके ही दम लेते हैं।

मोदी सरकार के पहले कार्यकाल स्वच्छ भारत, उज्व्ेमला, आयुष्मालन भारत, बेटी बचाओ–बेटी पढ़ाओ, जीएसटी और डिजिटल इंडिया जैसे ऐतिहासिक अभियान हाथ में लिए गए। इन संकल्पों में मिली सफलता ने दूसरे कार्यकाल में जनता ने तीन सौ पार का आशीर्वाद दिया। दूसरे कार्यकाल में संकल्पों और वचनों की पूर्ति का कार्यकाल रहा है। ऐसे संकल्प जो भारतीय जनता पार्टी की स्थापना से लेकर अभी तक हमारे एजेंडे में थे।

वर्ष 2019 से पहले कौन सोच सकता था कि जम्मू–कश्मीर से धारा 370 इस तरह धराशायी हो जाएगी। कौन सोच सकता था कि अयोध्या में भगवान रामलला का ऐसा भव्य मंदिर स्थापित होगा कि पूरी दुनिया के हिंदुओं की आकांक्षाओं की पूर्ति करेगा।

हमारे जिन संकल्पों पर पूरी जनता की दृष्टि थी, उन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दूसरे कार्यकाल में पूर्ण किया। जिन उपलब्धियों का देश लम्बे समय से इंतजार कर रहा था वो सारे काम हमने दूसरे कार्यकाल में पूरे होते देखे हैं।

अबसे एक दो महीनों बाद, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का तीसरा कार्यकाल शुरू होगा तो विश्वास कीजिए विश्वगुरू भारत की जो हमारी संकल्पना है, वह निश्चित ही पूर्ण होगी और इसके लिए राजस्थान सहित पूरे देश की जनता ने भी अपना संकल्प कर लिया है।

मोदी के संकल्प को पिछले दस वर्ष में हुए अभूतपूर्व कार्यों और उपलब्धियों की कसौटी पर तौला जा सकता है। सामाजिक, आर्थिक, सामरिक, अंतरिक्ष, राजनैतिक, अंतरराष्ट्रीय संबंधों से लेकर कानून व्यवस्था, आतंक, आंतरिक सुरक्षा, केंद्र और राज्य संबंध, हर क्षेत्र में मोदी सरकार की उपलब्धियां खुद गवाही देती हैं, कि देश ने पिछले एक दशक में कितनी ऊंचाइयां प्राप्त कर ली है और कितनी तेजी से आगे बढ़ रहा है।

दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होना, कोई सामान्य संकल्प की परिणति नहीं हो सकती है। 25 करोड़ लोगों को गरीबी के दुष्चक्र से बाहर लाया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी अपने संबोधन में कहा कि गरीब को अगर साधन, संसाधन और स्वाभिमान मिले तो उसमें गरीबी को परास्त करने की अथाह सामर्थ्य है।

यह प्रधानमंत्री का ही संकल्प था जिसके कारण देश में आज पचास करोड़ गरीबों का बैंक में खाता खुला। चार करोड़ गरीबों को पक्का घर मिला, 55 करोड़ से अधिक लोगों को आयुष्मान भारत कार्ड से उनके अच्छे स्वास्थ्य की गारंटी दी गई। ग्यारह करोड़ से अधिक परिवारों को पीने का साफ पानी मिलने लगा।

राजस्थान में पिछले कई दशकों से लंबित पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना–ईआरसीपी को मूर्त रूप देकर राजस्थान के लोगों की लंबी प्रतीक्षा को समाप्त कर दिया। हर संकल्प को सिद्धि तक पहुंचाने में मोदी सरकार चौबीसों घंटे और बारह महीने काम कर रही है।

पिछले एक दशक में देश में किसी भी हिस्से में कोई छोटी–बड़ी आतंकी घटना नहीं हुई। नक्सलवाद मरणासन्न अवस्था में है। कश्मीर घाटी में आतंकियों का लगभग सफाया हो चुका है और वहां अब पर्यटन की बहार है। आतंकवाद पर भारत की बातें पूरी दुनिया में गंभीरता से सुनी जाती है। भारत की आतंकवाद के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति पर चलने के लिए विश्व के तमाम देश चलने लगे हैं।

नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय सेना पहले से कई गुना सशक्त हुई है। यह सब वे बातें हैं, जिनसे आम भारतीय का आत्मविश्वास कई गुना बढ़ा है। पिछले दिनों एक निमंत्रण पर बहरीन जाना हुआ। वहां बड़ी संख्या में अप्रवासी भारतीयों से मिलना हुआ। उन अप्रवासी भारतीय बंधुओं से बातचीत के अनुभव में भी यही बात सामने आई। उनके भीतर आत्मगौरव और आत्मविश्वास का भाव उनकी बातचीत में प्रकट हो रहा था।

मोदी ने देश के युवाओं के समक्ष वर्ष 2047 तक विकसित भारत के सपने की तस्वीर रखी है। वर्ष 2014 से 2024 के बीच पली बढ़ी पीढ़ी जानती है कि देश के लिए क्या महत्वपूर्ण है। वह जागरूक है और देश की प्राथमिकताओं को जानती और समझती है। प्रधानमंत्री ने पार्टी के मैनिफेस्टो में युवाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए नमो एप पर उनके सुझाव आमंत्रित किए हैं। मोदी सरकार राष्ट्र के नव निर्माण में युवाओं की भूमिका को हमेशा प्राथमिकताओं में रखती हैं। देशभर में बड़ी संख्या स्टार्टअप्स और उनमें में भी सौ से ज्यादा युनिकॉर्न स्टार्टअप्स के पीछे भारत की युवा शक्ति ही है।

देश का उत्तर से दक्षिण और पूर्व से पश्चिम हरेक कोना और समाज का हर वर्ग इस वक्त नरेन्द्र मोदी के मजबूत नेतृत्व में देश के आत्मगौरव और आत्मविश्वास का साक्षी है। वह जानता है कि देश का नेतृत्व किन हाथों में सुरक्षित है। इसलिए उसने तय कर लिया है कि यही समय है सही समय है।

डॉ. सतीश पूनिया,
(लेखक- भाजपा के वरिष्ठ नेता और भाजपा राजस्थान के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष)

शिक्षण संस्थानों में आत्महत्या के कारण और समाधान

प्रो. अशोक शर्मा

शिक्षण संस्थानो. कोचिंग संस्थानों में छात्राओं की आत्महत्या एक गंभीर समस्या है। पिछले कुछ वर्षों में, कोटा में छात्राओं की आत्महत्या के कई मामले सामने आए हैं। इन आत्महत्याओं के पीछे कई कारण हैं, जिनमें अत्यधिक प्रतिस्पर्धा, मानसिक स्वास्थ्य देखभाल की कमी, और परिवार और समाज का दबाव शामिल हैं। अत्यधिक प्रतिस्पर्धा कोटा को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए एक प्रमुख केंद्र माना जाता है। यहां देश भर से प्रतिभाशाली छात्र प्रतिस्पर्धात्मक परीक्षाओं के लिए तैयारी करने के लिए आते हैं। इस अत्यधिक प्रतिस्पर्धा के कारण छात्राओं पर बहुत अधिक दबाव पड़ता है। उन्हें सफल होने के लिए कड़ी मेहनत करनी होती है और कभी–कभी वे सफल नहीं हो पाते हैं, जिससे वे निराश और तनावठास्त हो जाती हैं।

मानसिक स्वास्थ्य देखभाल की कमी कोचिंग संस्थानों में छात्राओं को मानसिक स्वास्थ्य देखभाल की पर्याप्त सुविधा नहीं मिलती है। छात्राओं को अक्सर अकेलापन और अलगाव महसूस होता है। वे अपने परिवार और दोस्तों से दूर होती हैं और उनके पास अपनी भावनाओं को व्यक्त करने का कोई स्वस्थ तरीका नहीं होता है।

परिवार और समाज का दबाव छात्राओं पर परिवार और समाज का दबाव भी आत्महत्या का कारण बन सकता है। माता–पिता अक्सर अपने बच्चों से उच्च अपेक्षाएं रखते हैं और उन्हें सफल होने के लिए दबाव डालते हैं। यह छात्राओं पर अतिरिक्त तनाव और दबाव डाल सकता है।

छात्रों को जीवन में असफल होने के बारे में हमेशा तैयार रहना चाहिए। असफलता जीवन का एक स्वाभाविक हिस्सा है।

हर कोई कभी–न–कभी असफल होता है। यह महत्वपूर्ण है कि छात्र असफलता को एक अवसर के रूप में देखें, सीखने और बढ़ने का एक अवसर।

छात्रों को असफलता के बारे में तैयार रहने के लिए निम्नलिखित चीजें करनी चाहिए: अपने लक्ष्यों को यथार्थवादी रखें। अपने आप को बहुत अधिक दबाव न डालें कि आप हमेशा सफल होंगे।

अपने आप को स्वीकार करें। यह याद रखें कि आप एक व्यक्ति हैं, और आप हमेशा सही नहीं होंगे।

गलतियों से सीखें। जब आप असफल होते हैं तो हार न मानें। अपनी गलतियों से सीखें और आगे बढ़ें।

छात्रों को असफलता के बारे में तैयार रहना चाहिए, क्योंकि यह उन्हें जीवन में सफल होने में मदद कर सकता है।

असफलता से सीखने से छात्र अधिक मजबूत और अधिक लचीला बन जाते हैं। वे चुनौतियों का सामना करने के लिए बेहतर तैयार हो जाते हैं और वे हार नहीं मानते हैं।

यहां कुछ विशिष्ट तरीके दिए गए हैं जिनसे छात्र असफलता के बारे में तैयार हो सकते हैं: अपने कौशल और क्षमताओं का मूल्यांकन करें। यह जानने के लिए कि आप क्या कर सकते हैं, और क्या नहीं, यह महत्वपूर्ण है।

अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए एक योजना बनाएं। यह योजना को लागू करने के लिए तैयार रहें, और यदि आवश्यक हो तो इसे समायोजित करने के लिए तैयार रहें।

अपने आप को समर्थन दें। अपने दोस्तों और परिवार से मदद मांगने में संकोा न करें। छात्रों को याद रखना चाहिए कि असफलता एक अंत नहीं है। यह केवल एक शुरुआत है। हां, छात्रों को जीवन में असफल होने के बारे में हमेशा तैयार रहना चाहिए। असफलता जीवन का एक स्वाभाविक हिस्सा है, और यह सफलता की ओर ले जाने वाला एक महत्वपूर्ण कदम हो सकता है। असफलता से सीखना और आगे बढ़ना महत्वपूर्ण है। छात्रों को असफलता के लिए तैयार करने के लिए, शिक्षकों और माता–पिता को निम्नलिखित बातों पर ध्यान देना चाहिए: छात्रों को यह समझाएं कि असफलता सामान्य है। हर कोई कभी–कभी असफल होता है।

छात्रों को असफलता से सीखने के महत्व पर जोर दें।

असफलता से हम अपने कमजोरियों को पहचानने और उन्हें सुधारने के लिए सीख सकते हैं।

छात्रों को असफलता के बाद फिर से खड़े होने और आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करें। असफलता कोई अंत नहीं है, यह केवल एक शुरुआत है।

छात्रों को असफलता के लिए तैयार करने के लिए, वे निम्नलिखित बातें कर सकते हैं: अपने लक्ष्यों को यथार्थवादी बनाएं। बहुत उच्च लक्ष्य निर्धारित करना निराशाजनक हो सकता है।

अपने काम के लिए तैयार रहें। कड़ी मेहनत करने और अपनी पूरी कोशिश करने से आपको असफलता से कम बचने में मदद मिलेगी।

असफलता से सीखने के लिए खुले रहें। जब आप असफल होते हैं, तो अपने आप को खुद पर या दूसरों पर दोष न दें। अपनी गलतियों से सीखें और आगे बढ़ें। छात्रों को असफलता के लिए तैयार करना महत्वपूर्ण है क्योंकि यह उन्हें जीवन में सफल होने में मदद कर सकता है।

असफलता से सीखकर, छात्र अपने कमजोरियों को पहचान सकते हैं और उन्हें सुधार सकते हैं। वे कड़ी मेहनत करने और अपनी पूरी कोशिश करने के लिए भी प्रेरित हो सकते हैं।

कोचिंग संस्थानों में छात्राओं की आत्महत्या को रोकने के लिए कई उपाय किए जा सकते हैं। इनमें शामिल हैं: प्रतिस्पर्धा को कम करना: सरकार को प्रतियोगी परीक्षाओं की संख्या को कम करने और प्रवेश परीक्षाओं को अधिक समावेशी बनाने के लिए कदम उठाने चाहिए। इससे छात्राओं पर दबाव कम होगा और वे अपनी पसंद के क्षेत्र में प्रवेश पाने के लिए अधिक अवसर प्राप्त करेंगे।

मानसिक स्वास्थ्य देखभाल में सुधार: कोचिंग संस्थान को मानसिक स्वास्थ्य देखभाल में सुधार के लिए कदम उठाने चाहिए। उन्हें छात्राओं को मानसिक स्वास्थ्य परामर्श और सहायता प्रदान करनी चाहिए।

परिवार और समाज को जागरूक करना: छात्राओं को आत्महत्या के जोखिमों के बारे में जागरूक करने के लिए परिवार और समाज को जागरूक करना चाहिए। उन्हें यह समझाना चाहिए कि आत्महत्या कोई समाधान नहीं है और इसके गंभीर परिणाम हो सकते हैं।

कोचिंग संस्थानों में छात्राओं की आत्महत्या को रोकने के लिए सभी हितधारकों को एक साथ काम करने की आवश्यकता है।

–प्रो. अशोक शर्मा,
पूर्व कुलपति कानपुर, गोरखपुर विश्वविद्यालय, वैदिक विश्वविद्यालय निंबहारा, निर्वाण विश्वविद्यालय जयपुर, अध्यक्ष आईएसएलएस, प्रिसिडेंट सोशल रिसर्च फाउंडेशन

गोबर के कागज से बनाई कुमकुम पत्रिका

■ गोसंरक्षण एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए अनूठी पहल

जालोर, (कासं)। भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष एवं प्रतिष्ठित व्यापारी श्रवणसिंह राव बोरली के पुत्र विकास सिंह के 18 फरवरी को होने वाले विवाह एवं 25 फरवरी को आशीर्वाद समारोह निमित्त गौसंरक्षण एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए गौमय कागज से पत्रिका बनाने की अनूठी पहल की। भाजपा जिलाध्यक्ष श्रवण सिंह राव बोरली ने बताया की वर्तमान समय में लोगों द्वारा गौवंश का संरक्षण केवल गौशालाओं के माध्यम से करते हैं, लेकिन गौशालाओं में अत्यधिक गौवंश होने के कारण गौपालकों पर आर्थिक दबाव के साथ–साथ उनके संरक्षण में कई प्रकार की समस्याएं आती हैं। गोबर से बने कागज के उत्पादन में गौवंश के संरक्षण में होने वाली आर्थिक समस्याओं का समाधान संभव हैं, जिसके कारण गौशालाओं एवं गौपालकों को आर्थिक सहयोग होना संभव हैं।

पर्यावरण संरक्षण जैसे गंभीर मुद्दें के लिए कई संस्थाएं कार्यरत हैं, इसी क्रम में गोबर से बना यह गौमय कागज पूर्णत: पर्यावरण हेतु शृद्ध हैं एवं इसका पुन: उपयोग भी जा सकता हैं। भाजपा जिलाध्यक्ष श्रवणसिंह राव बोरली के सुपुत्र विकास सिंह के 18 फरवरी को होने जा रहे विवाह की पत्रिका जयपुर स्थित गौकृति के प्रधान संपादक भीमराज ने बताया कि गोमय पेपर की कीमत सामान्य कागज के बराबर हैं। उन्होनें बताया कि सामान्य कागज के 30 पेड़ों को काटने पर एक टन कागज तैयार किया जाता हैं। लेकिन गाय के गोबर और अन्य सामग्री के उपयोग से बने कागज की पत्रिका आर्थिक एवं पर्यावरण के लिए लाभदायक हैं। जालोर भाजपा के जिलाध्यक्ष श्रवण सिंह राव बोरली ने अपने पुत्र के विवाह की कुमकुम पत्रिका गौबर के कागज से बनाई।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

बुधवार 14 फरवरी, 2024

माघ मास, शुक्ल पक्ष, पंचमी तिथि, बुधवार, विक्रम संवत 2080, रेवती नक्षत्र दिन 10:43 तक, शुभ योग सांय 7:38 तक, बालव करण दिन 12:10 तक, चन्द्रमा आज 10:43 से मेष राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य–कन्या, चन्द्रमा–मीन, मंगल–मकर, बुध–मकर, गुरू–ममीन, शुक्र–मकर, शनि–कुम्भ, राहु–मीन, केतु–कन्या राशि में।

कुमार योग दिन 10:43 से सूर्योदय तक है। रवियोग दिन 10:43 से आरम्भ होगा। महापत योग रात्रि 8:20 से रात्रि 12:20 तक है। आज बसंत पंचमी, सरस्वती पूजन, श्री पंचमी, बागीश्वरी जयन्ती, तक्षक पूजा, रतिकाम महोत्सव है और पंचक दिन 10:43 तक है। आज सेन्ट वेलेन्टाइन दिवस है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: लाभ–अमृत सूर्योदय से 9:55 तक, शुभ 11:18 से 12:41 तक, चर 3:27 से 4:50 तक, लाभ 4:50 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 12:00 से 1:30 तक। सूर्योदय 7:08, सूर्यास्त 6:13

मेष

वर्तमान में चल रहे मानसिक तनाव दूर होने लगेंगे। मन:स्थिति में सुधार होगा। परिवार में शुभ–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृष

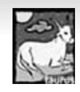

आर्थिक/वित्तिय मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा। दिन के मध्यान्ह पश्चात घर–गृहस्थी के खर्चों में वृद्धि हो सकती है। व्यावसायिक कार्यों में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

मिथुन

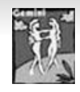

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

कर्क

आज परिवार में शुभ–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। शुभ कार्य के लिए यात्रा संभव है। नवीन कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी।

सिंह

दिन के मध्यान्ह पश्चात अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। व्यावसायिक विवादों से राहत मिल सकती है। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

कन्या

अपने अति आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। दिन के मध्यान्ह पश्चात अष्टम चन्द्र शुभ नहीं है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। आज यात्रा टालना ठीक रहेगा।

तुला

परिवार में आपसी सहयोग–समन्वय बना रहेगा। परिवार में शुभ–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आज सामूहिक प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे।

वृश्चिक

व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

धनु

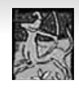

परिवार में शुभ–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। शुभ कार्य के लिए यात्रा संभव है। घर–परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मकर

घर–परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में धार्मिक–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी।

कुंभ

व्यावसायिक कार्यों के लिए बाहर जाने का कार्यक्रम बन सकता है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

मीन

घर–परिवार में सुख–सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में धार्मिक–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है।

डबल इंजन सरकार का संकल्प

सत्यमेव जयते
राजस्थान सरकार

मोदी की गारंटी हो रही साकार

श्री भजनलाल शर्मा
माननीय मुख्यमंत्री, राजस्थान

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

श्री अन्नपूर्णा रसोई योजना पहले से और बेहतर

"सृष्टि का भरण-पोषण करने वाली माँ अन्नपूर्णा के आशीर्वाद से राजस्थान सरकार प्रदेश में किसी भी व्यक्ति को भूखा नहीं रहने देगी।"

- भजनलाल शर्मा, मुख्यमंत्री, राजस्थान

अब मिल रहा भरपूर पौष्टिक भोजन

अन्नपूर्णा थाली अब श्री अन्न वाली

8 रुपये में
ससम्मान स्वादिष्ट व पौष्टिक भोजन

भोजन की मात्रा और गुणवत्ता अब पहले से बेहतर

भोजन सामग्री का वजन बढ़ाकर किया 600 ग्राम
हर थाली में 100 ग्राम खिचड़ी / मिलेट्स

22 रुपये प्रति थाली राजकीय अनुदान

राजस्थान संवाद

स्वायत्त शासन विभाग, राजस्थान सरकार

हम वो कौम हैं जो परिश्रम और पसीने में यकीन करते हैं : सतीश पूनिया

कोटपूतली से लेकर पूर्वी राजस्थान के किसानों के बीच पहुंचे डॉ. सतीश पूनिया, फूलों की बारिश कर भव्य स्वागत किया

कोटपूतली, (निसं)। भाजपा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया का कोटपूतली और अलवर जिले के कठूमर में किसानों और युवाओं ने भव्य स्वागत-अभिनंदन किया। डॉ. पूनियां मंगलवार को अजेय योद्धा महाराजा सूरजमल की जयंती पर कोटपूतली में आयोजित प्रतिभा सम्मान समारोह को संबोधित करने पहुंचे, जहां उनका किसानों एवं युवाओं ने फूलों की बारिश कर भव्य स्वागत-सत्कार किया। समारोह को संबोधित करते हुये सतीश पूनियां ने कहा कि, हम तो वो कौम हैं जो परिश्रम और पसीने में यकीन करते हैं। समाज में प्रतिभाओं की कमी नहीं है, उदारता की कमी नहीं है, दानदाताओं की कमी नहीं है, आज सहूलियतें बेहतर हैं।

भाजपा नेता सतीश पूनिया ने कोटपूतली में महाराजा सूरजमल की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया।

जाट समाज में पहले यह मान लेते थे कि फौज में लड़ाई का काम जाट समाज का है लेकिन मुझे इस बात की खुशी है कि देश की सीमा की रक्षा करने का सबसे पहले किसी ने बीडा उठाया तो वह किसान कौम थी, जाट कौम थी, जिसने भारत मां का सिर नहीं झुकने दिया। जितना इतिहास मैंने पढ़ा और समझा, भारत की धरती पर कोई लोकतांत्रिक कौम थी वह किसान कौम थी, किसी पीपल के नीचे, बड़ के नीचे पांच लोग फैसला करते थे, उस गांव की 36 कौम आपके पीछे चलती थी लेकिन अब हमारी सामाजिक सद्‌भाव की वह मिसाल विपरीत तरीके से दी जाती है, इस बात को पहचानने की आवश्यकता है। किसान कौम लोकतांत्रिक है, समाज को एकता के सूत्र में बांधने की ताकत भी रखते हैं, अन्न के भंडार भरने से लेकर देश की सीमा की रक्षा करने की भी ताकत रखते हैं।

यहां लोग महाराजा सूरजमल की तलवार का वजन बता रहे थे 65 किलो था, लेकिन मुझे लगता है कि हिन्दुस्तान और धरती का इतिहास जब तक रहेगा महाराजा सूरजमल की शहादत का वजन कोई बता नहीं पायेगा। बुद्धि कौशल और दिमाग की लड़ाई तभी लड़ी जाएगी जब हमारी किसान कौम की पुरानी साख मजबूती से वापस आएगी, क्योंकि हम केवल किसी व्यक्ति के लिये नहीं, इस धरती के विचार के लिये हैं।

धरती केवल जमीन का टुकड़ा नहीं, दुनिया के इतिहास में आपकी कौम के बारे में लिखा जाता है, बताया जाता है, उसके प्रमाण हैं, इसलिये पूरी धरती को परिवार मानकर पोषण करने का काम हमारी किसान कौम ने किया है। वहीं अलवर जिले के कठूमर में महाराजा सूरजमल मूर्ति अनावरण समारोह को संबोधित करते हुये सतीश पूनियां ने कहा कि, मुझे अच्छा लगा कि मंच के सामने बैठे लोगों में से आवाज आई कि महाराजा सूरजमल को पाठयपुस्तक में स्थान मिलना चाहिये, बिल्कुल उचित मांग है, इस मांग का कोई राजनीतिक सरोकार नहीं है।

यह मांग किसी एक समाज की भी नहीं है, क्योंकि सर्वसमाज का जो हिन्दुस्तान में जाया है, जिनके पुरखों ने अंठोजों और मुगलों से लोहा लिया, आज उसी मानसिकता से लड़ने वाले किसान कौम के लोग जब अपने इतिहास को पढ़ ते हैं तो उनके रोंगटे खड़े हो जाते हैं, उस इतिहास को यह सम्मान देने का सही समय है। देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को राजस्थान और देश के किसानों की तरफ से धन्यवाद देता हूं कि जिन्होंने किसानों के मसीहा पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न से सम्मानित करने का ऐतिहासिक निर्णय लिया। कार्यक्रम में जाट महासभा के अध्यक्ष राजाराम मील, विधायक रमेश खींची, पूर्व विधायक मंजीत धर्मपाल चौधरी व काफी संख्या में किसान और युवा उपस्थित रहे।

जेईई-मेन जनवरी सेशन का परिणाम जारी

7 डेसिमल में एन.टी.ए. स्कोर जारी किया

- **देश में 23 स्टूडेंट्स ने हासिल किए 100 पर्सेन्टाइल, 11 लाख 70 हजार से अधिक स्टूडेंट्स ने परीक्षा दी थी**
- **दो स्टूडेंट्स का परीक्षा परिणाम रोका**

कोटा, (निसं)। जेईई-मेन जनवरी सेशन के परिणाम मंगलवार को जारी कर दिए गए। परिणामों में स्टूडेंट्स को विषयवार फिजिक्स, कैमेस्ट्री, मैथ्स में 7 डेसिमल में पर्सेन्टाइल एन.टी.ए. स्कोर एवं कुल एन.टी.ए. स्कोर जारी किया गया। यह एनटीए स्कोर स्टूडेंट्स की प्रत्येक शिफ्ट में बैठने वाले स्टूडेंट्स की संख्या के आधार पर ही लिया गया है, क्योंकि जेईई-मेन की विभिन्न पारियों में हुई परीक्षा के डिफिकल्टी लेवल में बदलाव रहता है। ऐसे में समान पर्सेन्टाइल पर भी अलग-अलग शिफ्टों में हुई परीक्षा में स्टूडेंट्स के रॉ स्कोर अलग-अलग होते हैं।

जेईई-मेन जनवरी परीक्षा बीई-बीटेक के लिए 27 जनवरी से 1 फरवरी के मध्य 10 शिफ्टों में संपन्न हुई। बीई-बीटेक के लिए कुल रजिस्टर्ड स्टूडेंट्स 12 लाख 21 हजार 624 रहे, जिनमें 11 लाख 70 हजार 48 स्टूडेंट्स ने परीक्षा दी। कुल परीक्षा देने वाले स्टूडेंट्स में 7 लाख 88 हजार 234 छात्र एवं 3 लाख 81 हजार 808 छात्राएं रही। परीक्षा देश के 291 शहरों के 544 परीक्षा केन्द्रों पर हुई। देश के बाहर 21 शहरों में हुई। हिन्दी, अंग्रेजी के अतिरिक्त 13 स्थानीय भाषाओं में यह परीक्षा हुई। परीक्षा में शामिल 11 लाख 70 हजार 048 स्टूडेंट्स में सामान्य श्रेणी के 3,92,640, ईडब्ल्यूएस के 1,50, 693, ओबीसी के 4,74,986, एससी के 1,13,509 एवं एसटी के 38220 स्टूडेंट्स ने परीक्षा दी। इस तरह 95.8 प्रतिशत स्टूडेंट्स परीक्षा में उपस्थित रहे। दो स्टूडेंट्स के परिणाम भी रोके गए हैं।

एन.टी.ए. की ओर से जारी की गई प्रेस रिलीज में 10 शिफ्टों में हुई परीक्षा में 100 पर्सेन्टाइल पर 23 स्टूडेंट्स रहे, मतलब कई शिफ्टों में एक से अधिक स्टूडेंट्स की 100 पर्सेन्टाइल आई। इसके साथ ही स्टेट टॉपर्स की लिस्ट जारी की गई, जिसमें 53 स्टूडेंट्स शामिल हैं, जारी किए गए आंकड़ों में कैटेगिरी वाइज टॉपर्स की सूची भी जारी की गई है। फीमेल में द्विजा धर्मेश कुमार पटेल ने 99.9991763 के साथ ऑल इंडिया टॉप किया। इसके साथ ही कैटेगिरीवाइज टॉपर्स की सूची भी जारी की गई है, जिनमें 27 स्टूडेंट्स को शामिल किया गया है। इस वर्ष परीक्षा के लिए दो नेशनल कॉर्डिनेटर, 18 रीजनल कॉर्डिनेटर, 303 सिटी कॉर्डिनेटर के साथ 1083 आब्जर्वर नियुक्त किए गए। 150 टेक्नीकल ऑब्जर्वर, 162 डिप्टी ऑब्जर्वर की सहायता से परीक्षा हुई। परीक्षा के लिए पहली बार 5 जी जैमर्स के साथ, सीसीटीवी एवं एआई का उपयेग किया।

लव जिहाद की बढ़ती घटनाओं को रोकने की मांग

भीलवाड़ा। लव जिहाद की बढ़ती घटनाओं को लेकर भीलवाड़ा में मंगलवार को विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल और रूप सेना बंजारा समाज ने जिला कलेक्टर कार्यालय पर प्रदर्शन किया और समाज की अगवा बेट का शीघ्र पता नहीं लगाने पर और आंदोलन की चेतावनी दी। संगठन के लोगों ने जिला कलेक्टर कार्यालय के बाहर प्रदर्शन करते हुए शीघ्र कार्रवाई की मांग की और एस.पी. के नाम ज्ञापन दिया।

ज्ञापन में बताया कि 8 फरवरी को समाज की नाबालिग लड़की को मुस्लिम युवक मोनू व कालू अपहरण कर ले गए थे। इस संबंध में 8 फरवरी को ही सुभाष नगर थाने में एक रिपोर्ट भी दी गई लेकिन अब तक भी पुलिस नाबालिग बच्ची का पता नहीं लगा पाई है। घटना को लेकर बंजारा समाज में काफी आक्रोश है। नाबालिग को आरोपित के चंगुल से छुड़ाकर परिजनों को सौंपने और शीघ्र आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं करने पर बंजारा समाज द्वारा उठा आंदोलन की चेतावनी भी दी गई। विश्व हिंदू परिषद के विभाग मंत्री गणेश प्रजापत ने कहा कि भीलवाड़ा में लव जिहाद की यह पांचवी घटना है। लगातार बढ़ रही है लव जिहाद की घटनाएं अगर नहीं रुकी तो समस्त हिंदू समाज सड़कों पर उतरेगा।

राजस्थान-पंजाब बॉर्डर सील, जाप्ता तैनात

श्री गंगानगर। किसान संगठनों के दिल्ली कूच के आव्हान को देखते हुए पंजाब बॉर्डर सील कर वहां बड़ी संख्या में सुरक्षा बलों की तैनाती की गई है। जिला मुख्यालय से आठ किलोमीटर दूर पंजाब सीमा से सटे गांव साधुवाली के पास लिंक नहर पर बने पुल पर थ्री लेयर बैरिकेडिंग कर वाहनों का आवागमन रोक दिया गया है। पंजाब बॉर्डर पर साधुवाली पंजाब से राजस्थान आने वाले अन्य मार्गों पर जाब्ता तैनात किया गया है। इन मार्गों पर आवागमन जारी है।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि पंजाब- राजस्थान सीमा पर बने नाकों पर निगरानी बढ़ा दी गई है। साधुवाली नाके पर सोमवार सुबह दोनों ओर से आवागमन बंद कर दिया गया। यहां भारत माला सड़क पर बनने वाले पुल के लिए आए सीमेंट के ब्लॉक और बैरिकेड्स लगा कर मार्ग को सील किया गया है। इसके अलावा पतली सहित अन्य नाकों पर जाब्ता तैनात कर दिया गया है। डीआईजी एवं एसपी विकास शर्मा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सतनाम सिंह, सिटी एएसपी बी. आदित्य, आईपीएस रमेश कुमार, सीओ ट्रेफिक प्रशांत कौशिक, थाना प्रभारी पृथ्वीपाल सिंह मय जाब्ते के पहुंचे और वहां पुलिस की ओर से किए गए इंतजाम का निरीक्षण किया। पुलिस अधीक्षक ने अधिकारियों व जवानों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए हैं।

पंजाब से लगते पतली व अन्य नाकों पर पुलिस जाब्ता तैनात किया हुआ है। यहां आने- जाने वाले वाहनों की जांच की जा रही है। पुलिस अधिकारी नाकों पर नजर बनाए हुए हैं। अतिरिक्त जाब्ता तैनात कर दिया गया है। पुलिस की ओर से साधुवाली नाके पर जहां सीमेंट के ब्लॉक व बेरिकेड्स लगाए गए हैं, वहीं दोनों सडक़ों के बीच में वॉच टावर बनाया गया है। जहां कैमरे व दूरबीन से निगरानी की जाएगी।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिले में बाहर से छह कंपनियां आरएसी व एक हजार पुलिसकर्मी आए हैं। इसके अलावा जिले में करीब दो हजार से अधिक पुलिसकर्मी व आएसी के जवान तथा क्यूआरटी के हथियारबंद जवान मौजूद हैं। जिला पुलिस अधीक्षक विकास शर्मा ने बताया कि मंगलवार को केवल कोठा पुल से होकर पंजाब के लिए आवागमन जारी रहेगा। वहां तैनात सुरक्षा बल निजी वाहनों को जांच के बाद ही आवागमन करने देंगे। साधुवाली और पतली से मंगलवार को आवागमन बंद रहेगा। किसान नेताओं की गिरफ्तारी के बारे में उनका कहना था कि अभी ऐसा कुछ नहीं है। अगर किसी ने कानून व्यवस्था की स्थिति बिगाडने का प्रयास किया तो गिरफ्तारी भी हो सकती है।

किसान संगठनों के दिल्ली कूच को लेकर जिला परिवहन विभाग ने 13 फरवरी को भारी वाहनों के साथ पंजाब हरियाणा की तरफ नहीं जाने की अपील की है। किसान संगठनों के दिल्ली में धरना-प्रदर्शन की घोषणा को लेकर पंजाब व हरियाणा के बॉर्डर सील रहेंगे। इससे श्रीगंगानगर व अनूपगढ़ जिलों में रोडवेज, लोक परिवहन एवं अन्य बसों का संचालन बाधित रहेगा। जिला परिवहन अधिकारी अवधेश चौधरी ने अतिआवश्यक होने पर निजी वाहनों से यात्रा करने का आग्रह किया है।

15 .3 किलो अवैध डोडा पोस्त बरामद

जोधपुर, (कासं)। शहर की माता का थान पुलिस ने विद्यानगर क्षेत्र में एक मकान पर रेड देकर युवक को अवैध डोडा पोस्त के साथ पकड़ा है। घर की तलाशी में 15.3 किलो अवैध डोडा पोस्त बरामद हुआ है। युवक को एनडीपीएस एक्ट में गिरफ्तार कर लिया गया। वह दो साल पहले भी मादक पदार्थ के साथ पकड़ा जा चुका है। आरोपी खुद डोडे का सेवन करता है। माता का थान पुलिस निरीक्षक शिवलाल ने बताया कि विद्यानगर गली नंबर 11 में रहने वाले निंबाराम विश्नोई के यहां पर अवैध डोडा पोस्त होने की जानकारी मुखबिरी से मिली थी। इस पर पुलिस की टीम ने रात को वहां रेड दी। पुलिस ने घर की तलाश ली तो वहां से 15 किलो 355 ग्राम अवैध डोडा पोस्त बरामद हुआ। निंबाराम विश्नोई को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी डोडा पोस्त का सेवन करता है।

सी.आई.डी. की पाली, जोधपुर में कार्रवाई

दो किलो अफीम का दूध व एक टोपीदार बंदूक बरामद, एक गिरफ्तार

जोधपुर, (का.सं.)। पुलिस मुख्यालय क्राइम ब्रांच की टीम ने पाली और जोधपुर पूर्व जिले के डांगियावास थाना क्षेत्र में दो अलग-अलग करवाई की है। क्राइम ब्रांच की सूचना पर पाली जिले की शिवपुरा थाना पुलिस ने एक शिकारी के घर से एक टोपीदार बंदूक जप्त की है, वहीं डांगियावास थाना इलाके में क्राइम ब्रांच की टीम ने डीएसटी के सहयोग से एक व्यक्ति को डिटेन कर उसके पास से 2 किलो 50 ग्राम अफीम का दूध बरामद किया है।

अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस अपराध दिनेश एमएन ने बताया कि वांछित बदमाशों, अवैध मादक पदार्थ एवं हथियार तस्करों के बारे में आसूचना संकलन के लिए पुलिस मुख्यालय क्राइम ब्रांच की स्पेशल टीम को अलग-अलग शहरों में भेजा गया है। आईजी क्राइम प्रफुल्ल कुमार के पर्यवेक्षण व एडिशनल एसपी आशा राम चौधरी के सुपरविजन एवं इंस्पेक्टर सुभाष सिंह तंवर के नेतृत्व में जोधपुर रेंज की और भेजी गई टीम के सदस्य हेड कांस्टेबल महेश कुमार, रविंद्र सिंह, राकेश जाखड़, कांस्टेबल नरेश कुमार व चालक सुरेश कुमार द्वारा आ सूचना की पुष्टि के बाद पाली और जोधपुर में कार्रवाई की गई।

पाली में शिकारी के घर से एक टोपीदार बंदूक बरामद : थाना शिवपुरा पुलिस को क्राइम ब्रांच की टीम ने सूचना दी की धांगड़वास गांव निवासी पूरण सिंह पुत्र कांजू सिंह राजपूत अवैध हथियार सप्लाई करता है। सूचना पर थाना पुलिस टीम तुरंत पूरण सिंह के घर पहुंची। पूरण सिंह के खेत में बने बाड़े में मिली एक अवैध देशी टोपीदार बंदूक जप्त कर आरोपी पूरण सिंह के विरुद्ध आर्म्स एक्ट में मुकदमा दर्ज किया गया है।

जोधपुर में 2 किलो 50 ग्राम अफीम के दूध के साथ एक गिरफ्तार :- पुलिस मुख्यालय क्राइम ब्रांच की टीम ने फलौदी डीएसटी के सहयोग से थाना डांगियावास जिला जोधपुर पूर्व में अवैध मादक पदार्थ की तस्करी के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए मध्य प्रदेश से अफीम का दूध ला रहे तस्कर रामस्वरूप देवासी पुत्र आत्माराम (46) निवासी देवासियों की ढाणी नेत्रडा थाना करवड जिला जोधपुर को पकड़ उसके पास मिले बैग से 2 किलो 50 ग्राम अफीम का दूध बरामद किया।

पूछताछ में आरोपी ने अफीम का दूध भैरू सिंह निवासी साम्बा खेडा मंदसौर मध्य प्रदेश से खरीद कर लाना और आगे अम्बाराम चौधरी निवासी जेठाणिया देचू फलोदी को देने जाना बताया। दोनों कार्रवाई में क्राइम ब्रांच टीम के हेड कांस्टेबल महेश कुमार रविंद्र सिंह राकेश जाखड़ कांस्टेबल नरेश कुमार व चालक सुरेश कुमार की विशेष भूमिका व कांस्टेबल सोहन देव की तकनीकी भूमिका रही। टीम का कुशल नेतृत्व इंस्पेक्टर सुभाष सिंह तंवर द्वारा किया गया। पाली जिले की कार्रवाई में एसएचओ शिवपुरा राजेंद्र कुमार मय टीम एवं जोधपुर की कार्रवाई में डीएसटी फलौदी उप निरीक्षक देवाराम, कांस्टेबल महेंद्र उज्जवल व भगवानाराम एवं थाना डांगियावास के कांस्टेबल सुमेर सिंह बेनीवाल की विशेष भूमिका रही।

सांभर पालिका ने गलत बजट बनाया, पार्षद ने जताई आपत्ति

सांभरझील, (निसं)। सांभर नगर पालिका की ओर से फरवरी में पेश किए जाने वाला आम बजट को तैयार करने में ही अनेक त्रुटियां कर खुद की एफिशिएंसी पर तो प्रश्न चिन्ह खड़ा कर ही दिया है साथ ही भ्रामक स्थिति भी उत्पन्न हो गई है।

पार्षद सुशीला शर्मा की ओर से इसके लिए आपत्ति पेश करते हुए बताया कि 14 फरवरी को आयोजित होने वाली पालिका की साधारण सभा की बैठक से पहले एजेंडा के साथ बजट के अवलोकन के लिए उपलब्ध करवाई गई है उसके अवलोकन के पश्चात बाहरी कमी सामने आई है। शर्मा ने बताया कि बजट स्वीकृत राशि वर्ष 2023-24 कॉलम संख्यां 4 में राजस्व आय, पूंजीगत आय एवं प्रा.शेष का योग करने पर रूपये 2594.01 के स्थान पर 2594.02 आता है तथा कॉलम संख्या 5 में आय एवं व्यय का योग रूपये 2902.50 के स्थान पर रुपये 2902.51 लगाया गया। स्टेटमेंट के अनुसार वर्ष 2022-23 में अन्तिम शेष 899.09 है जबकि वर्ष 2023-24 में प्रारम्भिक शेष रुपये 74:50 बताया गया जो संदेह उत्पन्न करता है।

इस बजट में वर्ष 2023-24 के आय एवं व्यय का अचीवमेंट का ब्यौरा उपलब्ध नहीं है अर्थात अप्रेल, 2023 से दिसम्बर, 2023 का वास्तविक आय एवं व्यय का ब्यौरा तथा साथ ही जनवरी, 2024 से मार्च 2024 के आय एवं व्यय का अनुमानित ब्यौरा (राशि) उपलब्ध नहीं कराया गया है, बिना इसके वर्ष 2024-25 का अनुमानित बजट बनाना अधेरे में तीर चलाने के समान है। उपरोक्त त्रुटियों को दूर कर सहीं/वास्तविक बजट (विवरण) बना कर आगामी वर्ष 2024-25 का बजट बैठक से पहले जारी करने हेतु चेताया गया है।

तमंचे के साथ युवक गिरफ्तार

धौलपुर। अवैध हथियारों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए सोने का गुर्जा थाना पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी से 315 बोर का देसी तमंचा और दो जिंदा कारतूस बरामद हुए हैं। आर्म्स एक्ट में मामला दर्ज कर पुलिस आरोपी से अवैध हथियार की खरीद फरोख्त के बारे में पूछताछ कर रही है। सोने का गुर्जा थाना प्रभारी शैलेंद्र सिंह ने बताया कि उन्हें मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक युवक हरफलपुरा मोड़ के पास अवैध हथियार के साथ किसी वारदात को अंजाम देने की फिराक में खड़ा हुआ है। जिस सूचना पर थाने से एक टीम मौके पर भेजी गई। आरोपी पुलिस को देखकर भागने लगा। जिसका पीछा कर उसे दबोच लिया। तलाशी में आरोपी युवक के पास 315 बोर का देसी तमंचा और दो जिंदा कारतूस मिले। आरोपी अमरेश (39) पुत्र कल्लो गुर्जर गांव रहेन थाना बाड़ी सदर का रहने वाला है।

पैंथर ने हमला कर युवक को घायल किया

एक बकरी को भी बनाया शिकार

जैसलमेर, (नि.सं.)। नाचना नहरी क्षेत्र में एक पैंथर ने युवक पर हमला कर घायल कर दिया, वहीं बकरी को शिकार बना दिया। घटना के बाद से क्षेत्र के किसानों व पशुपालकों में भय व दहशत का माहौल है। वन विभाग के अधिकारियों के अनुसार पद चिह्नों की जांच की गई है, वहीं उसे पकड़ने के लिए जाल व पिंजरे की व्यवस्था भी की गई है।

जानकारी के अनुसार नहरी क्षेत्र के चक 6 डीकेडब्ल्यूएम ढाकलवाला निवासी इस्माइलखां पुत्र गुल मोहम्मद रविवार की रात अपनी ढाणी में सो रहा था। रात करीब 2 बजे ढाणी के बाहर बैठी बकरी पर पेंथर ने हमला किया और करीब 2 किलोमीटर दूर घसीटकर ले जाकर अपना शिकार बनाया। सोमवार सुबह जब घर के आगे बकरी नहीं मिली तो इस्माइल खां ने पड़ौसियों से इधर-उधर पूछताछ की। इसके बाद इस्माइल खां, अब्दुला खां, जमशेर खां व आरिफ खां अपनी बकरी की तलाश करने निकले और एक किलोमीटर घूमने के बाद उन्हें बकरी मृत हालत में मिली। बकरी के पास जंगली जानवर के पैरों के निशान देखे तो उसकी तलाश करने लगे। उनके अनुसार करीब 2 किलोमीटर दूरी तय करने के बाद धोरों व झाडियों में छिपे पैंथर को देखा, जिसने ईस्माइलखां पर हमला कर चोटिल कर दिया। चिल्लाने पर वह भाग गया। ईस्माइल खां का भारेवाला गांव के राजकीय अस्पताल में उपचार करवाया गया। उसने इसकी सूचना वन विभाग व पुलिस को दी।

भारेवाला के क्षेत्रीय वन अधिकारी लखतप सिंह ने बताया कि ग्रामीणों की ओर से पेंथर की सूचना देने पर पदचिह्नों की जांच की गई। इसके साथ ही उच्चाधिकारियों को अवगत करवाया गया है। उन्होंने बताया कि जोधपुर से वन विभाग की टीम बुलवाया गया है। टीम की ओर से नहरी क्षेत्र में जाल बिछाकर पेंथर को पकड़ा जाएगा। साथ ही सांकड़ा गांव से पिंजरा भी मंगवा लिया गया है।

नाबालिग बेटी का घर से अपहरण

भीलवाड़ा। घर में नाबालिग पुत्री को अकेला देखकर चार व्यक्ति कार लेकर आये और उसका अपहरण कर ले गए। इस दौरान परिवार के सभी लोग उस समय पास के नोहरे में गए हुए थे। जब वो वापस घर लौटे तो उन्हें नाबालिक बेटी घर पर नहीं मिली।

मामला जिले के मांडलगढ़ थाना क्षेत्र का है। यंहा रहने वाले एक व्यक्ति ने थाने में रिपोर्ट दी। जिसमें उसने बताया कि 10 फरवरी को शाम 7 बजे के आसपास लगभग उसकी नाबालिग बेटी घर पर अकेली थी और परिवार के सभी लोग नोहरे में गए थे, इसी बीच घर पर उसकी बेटी को अकेला पाकर अनिल धाकड़, शंकर धाकड़, महावीर धाकड़ आए और उसकी बेटी का अपहरण कर ले गए। पिता ने यह भी कहा है की उसकी पुत्री को जान का खतरा है। ये लोग उसे जान से मार सकते हैं। पुलिस ने पिता की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

पारेवर गांव में ओरण की भूमि 'वंडर सीमेंट' को अलॉट करने का विरोध

जैसलमेर, (नि.सं.)। जिले के पारेवर गांव की ओरण की भूमि को वंडर सीमेंट को अलॉट करने पर ग्रामीणों ने विरोध कर ओरण बचाओ टीम व गांव की महिलाओं द्वारा 70 किमी की पदयात्रा कर जैसलमेर कलेक्टर ऑफिस के बाहर विरोध प्रदर्शन कर कलेक्टर को ज्ञापन दिया। ग्रामीणों की मांग है कि ओरण की भूमि को छोड़कर वंडर सीमेंट कंपनी अपना प्लांट लगाए ताकि पेड़-पौधों, वनस्पति और जीव जंतुओं को नुकसान ना हो।

महिलाओं व ग्रामीणों ने ओरण बचाओ यात्रा निकाली। इस यात्रा में सन्देश लिखि तख्तियां दिखाई गई।

पर्यावरण प्रेमी और ओरण बचाओ टीम के सुमेरसिंह सांवता ने बताया कि साल 2022 में सरकार ने पारेवर गांव की करीब 24 सौ बीघा जमीन वंडर सीमेंट के प्लांट के लिए अलोट कर दी। जबकि उस जमीन में ओरण की जमीन भी शामिल है। हमारी मांग है कि उस जमीन का अलॉटमेंट खारिज करके प्रशासन ओरण कि जमीन को राजस्व रिकॉर्ड में ओरण के नाम से दर्ज करवाए।

सुमेरसिंह भाटी ने बताया कि ओरण उस इलाके को कहते हैं- जहां देवी देवता या लोक देवता का मंदिर होता है। उसके आस पास की जमीन को ओरण की जमीन कहते हैं। ओरण की जमीन पर पेड़ पौधे आदि लगे होते हैं जिनको काटना भी अपराध की श्रेणी में आता है। पशु-पक्षी और अन्य जानवर बेखौफ इस इलाके में विचरण कर सकते हैं। उस इलाके को ओरण कहा जाता है। जैसलमेर में लाखों बीघा ओरण की जमीने हैं जो आज भी सरकार के रिकॉर्ड में बंजर जमीन के नाम से दर्ज हैं और उसे सोलर और विंड कंपनियों को अलोट किया जा रहा है।

- **70 किमी पैदल चल महिलाओं ने दिया ज्ञापन**

ग्रामीण चाहते हैं कि ये ओरण में ही दर्ज हों ताकि पर्यावरण का बचाव हो सके।

जिले के पारेवर गांव से सोमवार को महिलाओं व ग्रामीणों द्वारा निकाली गई ओरण बचाओ यात्रा ठंड में पारेवर से जैसलमेर तक करीब 70 किमी की पदयात्रा कर मंगलवार को जैसलमेर पहुंची। इस दौरान कई गांवों के ग्रामीणों ने पदयात्रियों से मुलाकात कर उनका हौसला बढाया। सुमेरसिंह भाटी का कहना है कि ओरण की जमीनों को निजी कंपनियों के हाथों बेचकर हम सब अपना ही नुकसान कर रहे हैं। इसलिए हमें ओरण की जमीन को बचाना है और वन्य जीवों आदि को बचाकर पर्यावरण संतुलन को बनाए रखने में मददगार बनना होगा।

दीवार क्षतिग्रस्त

मकराना, (नीसं)। मकराना पुलिया रोड बोरावड़ रेलवे फाटक के पास सड़क किनारे स्थित एक मार्बल खान की सेफ्टी दीवार क्षतिग्रस्त हो गई है, जिससे कभी भी कोई बढा हादसा हो सकता हैं। बोरावड़ फाटक के पास स्थित सैय्यद बाबा की दरगाह व मस्जिद के पास उलोड़ी रेंज की खाने स्थित हैं।

RAJASTHAN HOUSING BOARD

No. :- RE (Electrical)/RHB/JPR/2023-24/1074 Dated :- 09/02/2024

NIB : 05/2023-24

Bid for 1. Miscellaneous External Electrification work at sector 06 & sector 09 Indra Gandhi Nagar RHB, Jaipur. 2 . Shifting of Transformer DT Structure and LT pillar box near khatipura station from under constructed site Ganga Marg I G Nagar Jaipur. 3. Operation and Maintenance of Street Light & Road light dastkar Nagar Nayala jaipur for 2 years. invited from interested bidders for Sr. No. 01 to 03 from date 15.02.2024 to 26.02.2024 upto 06:00 PM,Other particular of bid may be visited on the procurement portal (**http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in**) of the state & **http://rhb.rajasthan.gov.in** department website.

UBN :1. RHB2324WSOB00392 2. RHB2324WSOB00393 3. RHB2324WSOB00394

Raj.Samwad/C/23/13009 RE (Electrical), Jaipur

कार्यालय जिला निर्वाचन अधिकारी, (कलक्टर) जैसलमेर

क्रमांकः निर्वाचन/लेखा/2023-24/213 **खुली निविदा सूचना** दिनांक :- 7/2/24

लोकसभा आम चुनाव 2024 में आवश्यक व्यवस्था हेतु विभिन्न सामग्री / सेवाओं की आवश्यकता है जिसकी आपूर्ति हेतु निर्माता/रजिस्टर्ड विक्रेता/प्रतिष्ठित एवं स्थापित फर्मों से मोहरबन्द निविदाऐं निर्धारित प्रपत्र (तकनीकी तथा वित्तीय बोली अलग-अलग लिफाफे में) में आमन्त्रित की जाती है। निविदा विक्रय की अंतिम तिथि 16.02.2024 दोपहर 03 बजे तक है। तकनीकी रूप से सफल बोलीदाताओं की वित्तीय बोलियां दिनांक 16.02.2024 को क्रय कमेटी द्वारा उपस्थित बोलीदाताओं के समक्ष सांय 05 बजे खोली जावेगी।

क्र. सं.	मद	अनुमानित राशि	धरोहर राशि	निविदा शुल्क	निविदा ऑनलाईन भरने की अंतिम दिनांक/समय	तकनीकी बोली खोलने की दिनांक व समय
1	2	3	4	5	6	7
1	वीडीयोग्राफी कार्य	4000000	80000	500	16.02.2024 03.00 पीएम	16.02.2024 05.00 पीएम

शर्तेः

1. निविदा प्रपत्र एवं शर्ते मय स्पेशिफिकेशन विवरण सीधे पोर्टल से डाऊनलॉड भी की जा सकती है। निविदा की अनुमानित लागत में कमी/वृद्धि की जा सकती है।
2. अधोहस्ताक्षरकर्ता न्यूनतम निविदा सूचना स्वीकृत करने हेतु बाध्य नहीं है तथा किसी भी निविदा को या उसके भाग को बिना कारण बताए अस्वीकृत करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरकर्ता के पास रहेगा।
3. निविदादाताओं को सम्बन्धित वाणिज्य कर अधिकारी का कर चुकता प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा।
4. विलम्ब से प्राप्त निविदाओं पर कोई विचार नहीं किया जाएगा।
5. निविदा निर्धारित तिथि को उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष क्रय समिति द्वारा खोली जाएगी।
6. निविदा प्रपत्र व शर्ते http://sppp.rajasthan.gov.in एवं ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल पर देखी जा सकती है।

NIB = DJM2324 A0013
BID = DJM2324 SLOB00024

DIPR/C/935/2024 उप जिला निर्वाचन अधिकारी (एडीएम) जैसलमेर

बाल अपचारियों के भागने के मामले में चार कर्मचारी सहित पांच लोग गिरफ्तार

बाल अपचारियों के फरार होने में सुधार गृह प्रशासन की मिलीभगत सामने आयी

जयपुर । राजधानी की टांसपोर्ट नगर थाना पुलिस ने सेठी कॉलोनी में बाल (किशोर) सम्प्रेक्षण गृह से गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के शूटर सहित 23 बालअपचारियों के भागने के मामले में चार कर्मचारियों सहित पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। अब तक की जांच में सामने आया कि बाल अपचारियों के भागने की पूरी योजना में बालसुधार गृह प्रशासन की मिली भगत रही है। उनकी मिलीभगत से ही बालअपचारियों तक कटर मशीन पहुंचाई गई। इसके बाद टीवी चलाकर रोजाना थोड़ा-थोड़ा खिडकी को काटा गया।

डीसीपी ईस्ट ज्ञानचंद यादव ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों में संप्रेक्षण गृह के दो गार्ड, दो केयर टेकर व एक भागने वाला बालअपचारी है। बाल अपचारी 3 फरवरी को ही 18 वर्ष हो गया। केयर टेकर व गार्डों की भूमिका संदिग्ध है और वारदात में उनकी मिलीभगत के साथ लापरवाही भी सामने आई है। सम्प्रेक्षण गृह से सोमवार तड़के 23 बालअपचारी कटर मशीन से लोहे की खिड़की काटकर भाग गए थे। खिड़की काटने के काम को पिछले दस दिन में अंजाम दिया गया है।

डीसीपी यादव ने बताया कि तीन और बाल अपचारियों को जयपुर शहर से पकड लिया गया है। इनमें एक सोड़ाला, संजय सर्किल व एक को अन्य स्थान से पकड़ा गया है। घटना के बाद से मंगलवार शाम तक छह बालअपचारियों को पकड़ा जा चुका है। इनमें एक बालअपचारी को उसके घर वाले लेकर आए थे।

- **पुलिस ने फरार हुए छह बालअपचारियों को पकड़ा**
- **गैंगस्टर लॉरेंस के बीकानेर निवासी शूटर की तलाश में एस.ओ.जी. व एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स सहित पुलिस की अलग-अलग टीमें जुटी**
- **बाल अपचारियों ने पिछले दस दिन में टीवी की आवाज चलाकर खिड़की काटने के काम को अंजाम दिया था।**

गैंगस्टर लॉरेंस के बीकानेर निवासी शूटर की तलाश में अलग-अलग टीम लगी है। एसओजी व पुलिस मुख्यालय की एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स भी शूटर बालअपचारी की तलाश में लगी है। शूटर बालअपचारी से संबंधित कुछ संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। उसकी तलाश में पुलिस टीमें बीकानेर व हरियाणा भी भेजी गई है। अभी भागे हुए कुल 17 बालअपचारियों की तलाश है। फरार हुए बाल अपचारियों में 8 पर दुष्कर्म और 13 पर हत्या के प्रयास का केस चल रहा है, जबकि एक पर हत्या का मुकदमा दर्ज है।

पुलिस की पकड़ में आए बालअपचारियों ने पूछताछ में बताया कि गैंगस्टर लॉरेंस के बीकानेर निवासी शूटर बालअपचारी ने ही भागने की साजिश रची थी। शूटर बालअपचारी ने अपनी गैंग बना ली थी। उसकी बालअपचारियों की पूरी गैंग उसके साथ भाग गई थी। पकड़ा गया एक बालअपचारी उसकी गैंग का सदस्य बताया जाता है। गैंगस्टर लॉरेंस की गैंग वसूली के लिए नाबालिग को शूटर के रूप में काम में लेती है। ताकि पुलिस की पकड़ में आने के बाद उसे सजा न हो सके। गैंग में शामिल कई नाबालिग पहले भी पकड़े जा चुके हैं। पुलिस तस्दीक कर रही है कि लोहे की खिड़की काटने के लिए कटर मशीन बालअपचारियों तक किसने पहुंचाई। कटर मशीन देकर जाने वाले कौन लोग थे। सम्प्रेक्षण गृह में लगे 16 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है। पुलिस अधिकारियों ने कहा है कि सम्प्रेक्षण गृह में बंद बालअपचारियों को दी जाने वाली हर वस्तु की सीसीटीवी कैमरे की निगरानी में जांच होनी चाहिए। ट्रांसपोर्ट नगर थानाधिकारी जुल्फीकार ने बताया कि निवाई निवासी गार्ड लादूलाल सैन, दौसा के सिंकदरा निवासी गार्ड मानसिंह गुर्जर, गलता गेट निवासी केयर टेकर दीपक मल्होत्रा व इन्द्रमल सांवरिया को गिरफ्तार किया। वहीं सम्प्रेक्षण गृह से भागने के मामले में बालिग हुए दिल्ली निवासी चिराग मल्होत्रा को भी गिरफ्तार किया। मामले में अधीक्षक मनोज गहलोत, क्राफ्ट टीचर इंद्रमल सांवरिया को सस्पेंड कर दिया है।

बाल अधिकारिता विभाग के एडिशनल डायरेक्टर मुकेश मीणा ने बताया कि बाल सुधार गृह से लगातार बाल अपचारियों के भागने की घटनाएं सामने आने के बाद अब विभाग एक्शन में आ गया है। बाल सुधार गृह की सुरक्षा में 21 सुरक्षाकर्मी तैनात किए जाएंगे। वहीं सुरक्षा में तैनात दोनों गार्डो को सस्पेंड कर दिया गया है।

युवक से एक करोड़ रु.ठगे

जयपुर । शिप्रापथ थाना इलाके में टोल का टेंडर दिलाने के नाम पर युवक से एक करोड़ रुपए ठगने का मामला सामने आया है। पुलिस के अनुसार गोपालपुरा लालकोठी निवासी शंकर कुमावत ने मामला दर्ज करवाया कि टोल का टेंडर दिलाने के नाम पर अभिषेक और उसके दोस्तों ने उससे एक करोड़ रुपए ले लिए। लेकिन रुपए लेने के बाद भी उसे टोल का टेंडर नहीं दिलवाया और ना ही अब आरोपी रुपए वापस कर रहे है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मोबाइल-पर्स लूटने वाली गैंग पकड़ी

जयपुर । मानसरोवर पुलिस ने राह चलती महिलाओं से मोबाइल और पर्स लूटने वाली गैंग का पर्दाफाश करते मुख्य सरगना सहित दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस उपायुक्त जयपुर दक्षिण योगेश गोयल ने बताया कि मानसरोवर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए राह चलती महिलाओं से मोबाइल और पर्स लूटने वाली गैंग के गौरव डारा निवासी बोरावड जिला नागौर हाल वैशाली नगर और विजय राणा निवासी मौलासा जिला नागौर हाल वैशाली नगर को गिरफ्तार किया है।

महापौर और आयुक्त ने ली टाउन वेंडिंग कमेटी की बैठक

हैरिटेज महापौर मुनेश गुर्जर और आयुक्त अभिषेक सुराणा ने मंगलवार को टाउन वेंडिंग कमेटी की बैठक ली।

जयपुर । हैरिटेज महापौर मुनेश गुर्जर और आयुक्त अभिषेक सुराणा ने मंगलवार को टाउन वेंडिंग कमेटी की बैठक ली। उन्होंने पूर्व में घोषित वेंडिंग जोनो के प्लान का अनुमोदन किया और सदस्यों से नए वेंडिंग जोन के लिए सुझाव मांगे। कमेटी के सदस्यों को साथ लेकर स्ट्रीट वेंडर सर्वे अल्प अवधि के लिए पुनः चालू करने पर सहमति दी। महापौर मुनेश गुर्जर ने स्ट्रीट वेंडर कमेटी के सदस्यों को शहर को स्वच्छ बनाए रखने के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिए एवं नॉन वेंडिंग जोन तथा वेंडिंग जोन पर विस्तार से चर्चा की। महापौर मुनेश गुर्जर ने बताया कि सभी थड़ी व ठेले वाले अपनी दुकानों के पास गीले व सूखे कचरे को फेंकने के लिए डस्टबिन रखें। बैठक में उपायुक्त मनीषा यादव, जिला परियोजना अधिकारी अमित शर्मा, अतिरिक्त मुख्य नगर नियोजक शशिकांत शर्मा, व्यापार मंडल के अध्यक्ष सुभाष गोयल, एडीसीपी ज्ञान प्रकाश नवल, उपायुक्त सतर्कता एस.के.मेहारानियां, निरीक्षक सतर्कता मोहनलाल मीणा, टाउन वेंडिंग कमेटी के सदस्य सुनील कुमार यादव, दुलीचंद शर्मा, कैलाश नारायण शर्मा, सतपाल सिंह, पूजा, शब्बीर, बनवारी लाल, नाथू सिंह राठौड़, रेनू शर्मा, गीता देवी व राजेंद्र करोरा मौजूद थे।

नीमेडा में जो सड़क पी.डब्ल्यू.डी. बना रहा, उसी पर डामर करने को उतारू हुआ जे.डी.ए. प्रशासन

अजमेर रोड पर ग्राम नीमेडा में सड़क बनाने के लिए पी.डब्ल्यू.डी. ने शिलान्यास पट्टिका लगाकर बाकायदा मोरम तक बिछा दी थी

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । जयपुर विकास प्राधिकरण के इंजीनियर धांधली कर धन का किस तरह दुरुपायोग करने में लगे हुए हैं, उसका ताजा उदाहरण मंगलवार को अजमेर रोड स्थित ग्राम नीमेडा में देखने को मिला। यहां पी.डब्ल्यू.डी. की ओर से बनाई जा रही सड़क को बनाने के लिए जे.डी.ए. के इंजीनियर उतारू हो गए। स्थानीय निवासियों के विरोध के बाद जेडीए के उच्चाधिकारियों को इसकी जानकारी हुई तो उन्होंने सड़क बनाने का काम रुकवाया।

- **आनन-फानन में जे.डी.ए. जोन-12 के इंजीनियर्स ने इस मोरम पर प्रीमियर किया और डामर डालने की तैयारी थी**
- **स्थानीय लोगों के विरोध के बाद यह मामला जे.डी.ए. के उच्चाधिकारियों के पास पहुंचा तो मौके पर काम बंद हुआ**

जानकारी के मुताबिक जेडीए के जोन-12 के अजमेर रोड पर नीमेडा ग्राम में सड़क बनाने का काम सार्वजनिक निर्माण विभाग (पी.डब्ल्यू.डी.) ने शुरू किया था। यहां पर शिलान्यास पट्टिका लगाकर पी.डब्ल्यू.डी. ने मोरम बिछा दी थी और अब डामर डालने की तैयारी थी। इस बीच यह सड़क बनाने के लिए जे.डी.ए. के जोन-12 के सहायक अभियंता ने बजट पास करवा लिया। उन्होंने पी.डब्ल्यू.डी. द्वारा बिछाई गई मौजूदा मोरम पर ही बिना डब्लू.एम.एम. किए डामर बिछाने की तैयारी कर ली। इसके लिए प्राइमर भी बिछा दिया। इसकी भनक जैसे ही स्थानीय निवासियों को लगी तो उन्होंने जेडीए के जोन डायरेक्टर इंजीनियरिंग मनोज सोनी और अधीक्षण अभियंता रामप्रसाद को इसकी सूचना दी और मौके पर जाकर विरोध शुरू कर दिया था।

जानकारी मिलने के बाद जेडीए के अधिकारी तुरंत एक्शन में आए। जेडीए के अधीक्षण अभियंता रामप्रसाद ने एक्सईएन मनोज दुबे को काम रोकने के निर्देश दिए। साथ ही खुद मौके पर जाकर स्थिति चैक करने को कहा। उन्होंने एक्सईएन से पूछा कि जब पी.डब्ल्यू.डी. सड़क बनाने का काम कर रहा है तो जे.डी.ए. जबरन इस काम को करने पर क्यों रूचि दिखा रहा है? यह सीधा सीधा जेडीए के धन का दुरुपयोग है, जो नहीं किया जाना चाहिए। उच्चाधिकारियों की फटकार के बाद जोन-12 के इंजीनियर्स ने मौके पर काम बंद किया।

मजेदार बात यह है कि जे.डी.ए. जोन 12 में दो सहायक अभियंता है। इनमें मंगलवार को एक सहायक अभियंता अवकाश पर था। जेडीए में नियम है कि एक अभियंता प्लांट पर होता है और दूसरा मौके पर रहता है जिससे काम की क्वालिटी बनी रहे। मंगलवार को जोन में एक ही सहायक अभियंता था, ऐसे में काम की गुणवत्ता भी प्रभावित होनी थी।

सूत्रों की मानें तो नीमेडा में सड़क बना कर एक ही काम का दो बार बिल उठाने की तैयारी थी, जिसे स्थानीय निवासियों ने विफल कर दिया। यहां पर पीडब्लूडी ने टेंडर कर अधूरी सड़क बना ली थी। इसके बाद जेडीए के जोन 12 में सहायक अभियंता ने ठेकेदार को बिना डब्लूएमएम के सीधे ही डामर करने के निर्देश दे दिए थे। इसमें पीडब्लूडी और जेडीए के ठेकेदार की भी मौज होने वाली थी। वो एक ही काम का दो बार बिल उठा लेते।

बंगले से 50 लाख के जेवरात चोरी

जयपुर । बिंदायका इलाके में एक बंगले (विला) से 45 लाख रुपए के गहने चोरी का मामला सामने आया है। आवश्यक कार्य के चलते परिवार दिल्ली गया हुआ था। मेन गेट का लॉक तोड़कर बदमाशों ने चोरी की वारदात को अंजाम दिया। बिंदायका थाना पुलिस ने एफएसएल टीम की मदद से सबूत जुटाए है। पुलिस वारदात स्थल के आस-पास लगे सीसीटीवी फुटेजों को खंगालने के साथ चोरों की तलाश कर रही है। पुलिस ने बताया कि अक्षत मिडोज सिरसी रोड स्थित प्रकाश भरुटिंया (59) ने मामला दर्ज करवाया कि वह अपने विला में पत्नी के साथ रहते हैं। 9 फरवरी रात करीब 12.30 बजे पति-पत्नी दोनों दिल्ली चले गए। शनिवार देर रात चोरों ने सूने विला के मेन गेट का लॉक तोड़कर बैडरुम की अलमारी से 45 लाख रुपए के गहने और 20 हजार रुपए पार कर लिए।

1.34 करोड़ रुपए के सोने के साथ जयपुर एयरपोर्ट पर दो यात्री दबोचे

जयपुर । जयपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर कस्टम विभाग की टीम ने 2 किलो 90 ग्राम सोने का पेस्ट जब्त कर दो यात्रियों को गिरफ्तार किया है। जब्त किए गए सोने की बाजार कीमत 1 करोड 34 लाख रुपये आंकी गई है। दोनों यात्री राजस्थान के रहने वाले हैं। जो जयपुर में सोने की सप्लाई देकर दिल्ली से दूसरी फ्लाइट के जरिए फिर से मस्कट जाने वाले थे। कस्टम टीम ने दोनों को जयपुर एयरपोर्ट पर उतरने के बाद पकड़ लिया गया।

जानकारी के अनुसार यात्री रेक्टम (गुदा द्वार) के अंदर लिक्विड फॉर्म में कैप्सूल के अंदर भरकर सोने की तस्करी कर रहे थे। कस्टम की टीम आरोपियो से पूछताछ कर रही है। साथ ही सोना तस्करों के नेटवर्क के संबंध में पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है। यह भी पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि तस्करी का सोना कहां पर पहुंचाया जाना था और कौन-कौन से लोग इसमें शामिल हैं। कस्टम विभाग कमिश्नर सुग्रीव मीणा ने बताया कि इंटेलिजेंस को सूचना मिली थी की सोमवार देर रात मस्कट से आने वाली फ्लाइट ओवी 795 से दो यात्री जयपुर में उतरने वाले है। इनके पास बड़ी मात्रा में सोना हो सकता हैं। इस पर कस्टम की सभी टीमें रात को एक्टिव हो गइ। रात डेढ बजे दोनों यात्रियों को एयरपोर्ट पर जांच के दौरान रोका। उन्हें कस्टम ऑफिस में ले जाकर पूछताछ की गई और पूछताछ करने पर यात्री संतोषपूर्वक जवाब नहीं दे पाए। दोनों ने सोना होने से इनकार कर दिया। इस पर दोनों के सामान की जांच की गई। दोनों के सामान से सोना बरामद नहीं हुआ। दोनों तस्करों से गहनता से पूछताछ की गई। दोनों ने प्राइवेट पार्ट (रेक्टम) में सोना होने की बात स्वीकारी। संदिग्ध लगने पर अधिकारियों ने यात्रियों का मेडिकल चेकअप करवाया। मेडिकल जांच में यात्रियों के रेक्टम में कैप्सूल निकले। इसके बाद दोनों ने अपने रेक्टम से 2 किलो 90 ग्राम सोना निकाला। इसकी बाजार कीमत करीब 1 करोड़ 33 लाख 84 हजार रुपए है।

- **आरोपियों ने रेक्टम में छिपा रखा था दो किलो 90 ग्राम सोना, कस्टम टीम ने डॉक्टर्स की मदद से बाहर निकाला**

एक तस्कर के रेक्टम से 1045 ग्राम सोना निकला। इसकी बाजार कीमत 66.98 लाख है।

वहीं दूसरे तस्कर के रेक्टम से 1043 ग्राम सोना निकला। इसकी बाजार कीमत 66.85 लाख रुपए है। कस्टम विभाग की टीम ने सीमा शुल्क अधिनियम 1962 के प्रावधानों के तहत तस्करी के सोने को जब्त कर लिया है। दोनों तस्करों को कोर्ट में पेश किया, जहां से दोनों को जेल भेज दिया गया।

बोहरा ने रिंग रोड फेज़-2 के लिए आभार जताया

जयपुर, (का.सं.)। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने जयपुर के रिंग रोड फेज 2 की स्वीकृति की घोषणा कर दी है। इसके लिए जयपुर शहर सांसद रामचरण बोहरा ने केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी का आभार व्यक्त किया।

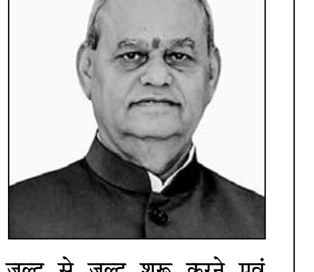

सांसद बोहरा लंबे समय से रिंग रोड के दूसरे फेज़ के निर्माण के लिए प्रयास कर रहे थे। सांसद बोहरा ने रिंग रोड फेज 2 की मांग को लोकसभा में भी उठाया था। हाल ही में सांसद बोहरा ने दिल्ली में नितिन गडकरी से मुलाकात कर जयपुर-आगरा राष्ट्रीय राजमार्ग से जयपुर-दिल्ली राष्ट्रीय राजमार्ग तक पूर्व में स्वीकृत उत्तरी रिंग रोड का कार्य जल्द से जल्द शुरू करने एवं अजमेर रोड से दिल्ली रोड तक प्रस्तावित रिंग रोड को भी स्वीकृति प्रदान करने की मांग की थी। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी द्वारा रिंग रोड फेज-2 को स्वीकृति प्रदान करने के साथ ही सांसद बोहरा के प्रयास सफल हुए।

यू.डी.एच. प्रमुख सचिव ने की अफसरों की खिंचाई

जयपुर । नगरीय विकास विभाग (यू.डी.एच.) के प्रमुख शासन सचिव टी. रविकांत ने बिल्डिंग परमिशन, नाम ट्रांसफर, ट्रेड लाइंस और फायर एन.ओ.सी. के सभी मामले एक सप्ताह में निस्तारित करने के निर्देश दिए। उन्होंने मंगलवार को सभी निकायों के आयुक्त और अधिशाषी अधिकारियों की वीडियो कॉफ्रेंस पर जमकर खिंचाई की। टैक्स वसूली में ढिलाई पर नाराजगी जताते हुए तय लक्ष्य के मुताबिक राजस्व वसूलने के निर्देश दिए। निकाय क्षेत्रों में घर-घर कचरा संग्रहण की मॉनिटरिंग जी.पी.एस. के जरिये करने को कहा।

टी. रविकांत ने भवनों के सब-डिविजन और री-कॉन्स्टीट्यूशन के मामलों का तेजी से परीक्षण कर निस्तारित करने के लिए कहा। उन्होंने प्रोपर्टी टैक्स संग्रह निर्धारित नोर्म्स के अनुसार नहीं होने को गंभीरता से लिया तथा उन्होंने कि यू.डी. टैक्स वसूली निर्धारित लक्ष्यों के मुताबिक करने को कहा। साथ ही टैक्स के दायरे में आने वाली सभी सम्पत्तियों का सर्वे करने के लिए कहा, ताकि निकायों को भारत सरकार से अनुदान में कटौति नहीं हो। उन्होंने अनुकम्पा नियुक्तियों, अदालती प्रकरण शीघ्र निस्तारण करने के लिए प्रभारी अधिकारी की जिम्मेदारी तय करने को कहा।

सार-समाचार

सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम

जयपुर । आर.टी.ओ. इन्सपेक्टर दिनेश सिंह ने मंगलवार को बियानी कॉलेज में बच्चियों को सड़क सुरक्षा के नियमों का सख्ती से पालन करने की सलाह दी। उन्होंने इएचसीसी हॉस्पिटल के डॉ. सौरभ यादव और उनकी टीम के साथ मिलकर "बेसिक लाइफ सपोर्ट" को समझाते हुए सीपीआर की ट्रेनिंग भी दी। दरअसल "रोड सेफ्टी मंथ" के तहत जागरूकता के लिए कई गतिविधियां आयोजित गई। इसी कड़ी में बियानी लॉ कॉलेज में रोड सेफ्टी ओरिएंटेशन एंड बेसिक लाइफ सपोर्ट सिस्टम पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। कार्यक्रम में सड़क सुरक्षा विशेषज्ञ, परिवहन एवं सड़क सुरक्षा विभाग से अश्विनी बग्गा ने आईएसआई मार्क वाले ही हेलमेट पहनने तथा सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए ओवर स्पीडिंग पर काम करने तथा अमल करने के लिए कहा। मोटर व्हीकल एक्ट की धारा 134 में गुड समरिटन का जिक्र करते हुए आर.टी.ओ. दिनेश सिंह ने कहा कि पीड़ित की सहायता करने वालों को तकलीफ देने की बजाय सरकार द्वारा प्रशस्ति पत्र और धन राशि देकर संम्मानित भी किया जायगा। इस दौरान रवि दत्त ड्राइविंग के सही तरीकों को अपनाने के लिए तथा सड़क सुरक्षा नियमों की पालना करने के लिए प्रेरित किया।

तंबाकू सेवन नहीं करने की शपथ ली

जयपुर । राजधानी के सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज एवं संबद्ध अस्पतालों के चिकित्सकों, नर्सिंग स्टाफ सहित सभी कर्मियों ने मंगलवार को एक साथ तंबाकू एवं अन्य धूम्रपान उत्पादों का सेवन न करने की शपथ ली। एसएमएस अस्पताल के तंबाकू नियंण प्रकोष्ठ के नोडल अधिकारी एवं ईएनटी विभाग के आचार्य डॉ.पवन सिंघल ने बताया कि एसएमएस चिकित्सा महाविद्यालय एवं नियंत्रक, संलग्न चिकित्सालय के प्रधानाचार्य एवं नियंत्रक डॉ.राजीव बगरहट्टा की अध्यक्षता में तंबाकू मुक्त युवा अभियान के तहत सभी विभागों, अस्पताल के कार्मिक, प्रशासकों, नर्सिंग कर्मी, चिकित्सकों विद्यार्थियों ने एक साथ तंबाकू का किसी भी रूप में उपभोग नहीं करने की शपथ ली। शपथ के बाद सभी विभागों ने छाया चित्र भी भेजे हैं। उन्होंने बताया कि राज्य के चिकित्सा संस्थानों को भारत सरकार के स्तर से निर्धारित किये गए नौ इंडिकेटर के अनुसार तंबाकू मुक्त क्षेत्र के रूप में विकसित करने के लिए प्रथम चरण में मेडिकल कॉलेज परिसर को तंबाकू मुक्त क्षेत्र के रूप में विकसित किया जायेगा।

'शिक्षा विभाग के तबादले भी खोले जाएं'

जयपुर । अखिल राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ (एकीकृत) ने राज्य सरकार द्वारा 10 फरवरी से 20 फरवरी के मध्य स्थानांतरण खोले जाने का स्वागत किया है, लेकिन शिक्षा विभाग के मंत्रालय कर्मचारियों के स्थानांतरण भी खोलने की मांग की है। प्रदेश अध्यक्ष गजेंद्र सिंह राठौड़ ने बताया कि शिक्षा विभाग के अंतर्गत मंत्रालय यिक कर्मचारी अपने गृह जिलों से 400- 500 किलोमीटर दूर तक लंबे समय से पदस्थापित है तथा स्थानांतरण खुलने पर उन्होंने उम्मीद जगी थी कि वह अपने गृह जिले में पहुंचने का प्रयास कर सकते हैं परंतु शिक्षा विभाग में शिक्षकों के साथ-साथ मंत्रालयिक कर्मचारियों के स्थानांतरण पर भी रोक लगाने से कर्मचारियों में भारी हताशा और आक्रोश व्याप्त है। मंत्रालयिक कर्मचारियों का शैक्षिणक कार्य में कोई योगदान नहीं होता है । ऐसे में शैक्षिणक गतिविधियों के नाम पर उनका स्थानांतरण रोका जाना दुर्भाग्यपूर्ण है। महासंघ सरकार से मांग करता है की शिक्षा विभाग के मंत्रालयिक कर्मचारियों के स्थानांतरण पर लगी रोक तुरंत हटाई जाए।

पावर ऑफ अर्टोनी का दुरूपयोग कर कंपनी साझेदार बजरंगलाल ने 227 दुकानें हड़पी : राजेन्द्र खंडेलवाल

अजमेर के श्रीजी टॉकीज़ की जमीन खरीदकर चार पार्टनर्स ने 'श्रीजी ट्रेड सेंटर' में बनाई थी 355 दुकानें

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । अजमेर के श्रीजी टॉकीज़ की जमीन पर 4 साझेदारों ने करोड़ों रुपये लगाकर 355 दुकानों का "श्री जी ट्रेड सेंटर" कॉम्पलेक्स बनाया। इनमें से एक साझेदार बजरंग लाल अग्रवाल ने पावर ऑफ अर्टोनी का गलत इस्तेमाल करते हुए 227 दुकानें अपनी पत्नी, भतीजी व अन्य रिश्तेदारों को औने-पौने दामों पर बेचकर रकम हड़प ली। मामला पिछले 10 सालों से नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल और पुलिस के बीच फंसा हुआ है, लेकिन अन्य साझेदारों को कहीं से कोई न्याय नहीं मिला है। इस मामले में अब जिला एवं सत्र न्यायाधीश जयपुर महानगर द्वितीय ने अब राज्य सरकार, साझेदार बजरंगलाल, उसकी पत्नी कृष्णा देवी, जुगुनू गर्ग, अनुपम गर्ग, सीताराम गर्ग, भगवती गर्ग और प्रहलाद गर्ग को नोटिस जारी किया है। यह जानकारी कंपनी के साझेदार एवं पीड़ित राजेन्द्र खंडेलवाल ने दी है।

- **राजेन्द्र का आरोप है कि बजरंगलाल ने अपनी पत्नी, भतीजी व अन्य रिश्तेदारों को यह 227 दुकानें औने-पौने दामों में बेची और पैसा कंपनी के खाते में जमा ही नहीं कराया**
- **इस मामले में अब जिला एवं सत्र न्यायाधीश जयपुर महानगर द्वितीय ने राज्य सरकार, साझेदार बजरंगलाल, उसकी पत्नी कृष्णा देवी, जुगुनू गर्ग, अनुपम गर्ग, सीताराम गर्ग, भगवती गर्ग और प्रहलाद गर्ग को नोटिस जारी किया है।**

राजेन्द्र खंडेलवाल ने बताया कि उन्होंने बजरंगलाल अग्रवाल, रमेश चंद्र अग्रवाल और मदनलाल गुप्ता के साथ मिलकर "कमलकुंज डवलपर्स प्रा. लि." कंपनी बनाई थी। जिसका पंजीकृत कार्यालय बजरंगलाल के निवास स्थान सी-10, सवाई जयसिंह हाईवे, बनीपार्क था। इस कंपनी में चारों पार्टनर (साझेदार) बराबर के शेयरहोल्डर व निदेशक थे। चारों साझेदारों ने 23 जून 2006 को अजमेर में मेताज प्रा. सेक्युलर ट्रस्ट की जमीन "श्रीजी टॉकीज" को 3.33 करोड़ रुपये में खरीदा। इसके बाद 17 जनवरी 2007 को सभी साझेदारों ने बजरंगलाल को 'पॉवर ऑफ अर्टोनी' इसलिए दी थी कि वह जमीन की रजिस्ट्री करवा सके। इस भूमि की रजिस्ट्री कंपनी के नाम से 29 मार्च 2010 को करवाई गई। श्रीजी टॉकीज़ की इस भूमि पर चारों पार्टनर्स ने डेढ़-डेढ़ करोड़ रुपये लगाकर 355 दुकानों का "श्रीजी ट्रेड सेंटर" कॉम्पलेक्स बनाया। जैसे ही यह मॉल बनकर तैयार हुआ तो बजरंगलाल ने पावर ऑफ अर्टोनी का गलत इस्तेमाल करते हुए कंपनी की 227 दुकानें अपनी पत्नी, भतीजी और अन्य रिश्तेदारों को औने-पौने दामों में बेच दी और रकम भी कंपनी के खाते में जमा करवाने के बजाय स्वयं ही हड़प ली। इसके साथ ही कंपनी के बैंक खाते से भी 64.05 लाख रुपये निकाल लिए।

राजेन्द्र खंडेलवाल का आरोप है कि, बजरंगलाल ने अपनी पत्नी कृष्णा अग्रवाल को ग्राउंड फ्लोर पर 3 तथा पांचवी मंजिल पर 52 दुकाने और छठवीं मंजिल पर 802.44 वर्गगज जमीन मात्र 1.01 करोड़ रुपये में बेच दी, जबकि इतनी दुकानों की डी.एल.सी. रेट ही करीब 1.93 करोड़ रुपये थी। कृष्णा ने यह रकम भी कंपनी के खाते में देने के बजाय अपने पति बजरंगलाल की कंपनी में बकाया 1.12 करोड़ रुपये से समायोजित कर ली।

राजेन्द्र ने बताया कि, बजरंगलाल ने इसी तरह अपनी भतीजी जुगनू गर्ग को 82 दुकानें 3.33 करोड़ में बेची, जबकि इन दुकानों की डी.एल.सी. रेट ही 6.19 करोड़ रु. थी, इसका जिक्र भी रजिस्ट्रियों में किया गया है। यह पैसा भी कंपनी के खाते में जमा नहीं हुआ, बल्कि सीधे बजरंगलाल ने हड़पा। कंपनी का खाता 19 मार्च 2013 को ही डोरमेंट हो चुका था। इसके बाद बजरंगलाल ने 8 दुकानें नकद राशि में बेची तथा ग्राउंड फ्लोर की 7 तथा प्रथम फ्लोर की 27 दुकानें 51 हजार रुपये की प्रति माह की लीज डीड पर 17 अक्टूबर 2013 को अपने पुत्र मुकेश अग्रवाल को किराये पर दे दी। बाद में यह दुकानें जुगनू गर्ग को बेच दी गई। इस प्रकार बजरंगलाल ने कुल 227 दुकानें खुर्द-बुर्द कर करोड़ों रुपये हड़प लिए।

राजेन्द्र खंडेलवाल ने बताया कि फरवरी 2017 में कॉर्पोरेट अफेयर मंत्रालय से शेष तीनों पार्टनर्स को नोटिस मिला, जिसमें उनका नाम कंपनी रजिस्टर से हटाने का जिक्र था। इस मामले में पीड़ित साझेदारों ने नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल में वाद प्रस्तुत किया। साथ ही कोर्ट के जरिए जयपुर के रामगंज थाने में भी मामला दर्ज कराया। पुलिस ने भी इस मामले में यह कहते हुए जांच आगे नहीं बढ़ाई कि, मामला नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल में लंबित है। अब जिला एवं सत्र न्यायाधीश जयपुर महानगर द्वितीय ने अब राज्य सरकार, साझेदार बजरंगलाल, उसकी पत्नी कृष्णा देवी, जुगुनू गर्ग, अनुपम गर्ग, सीताराम गर्ग, भगवती गर्ग और प्रहलाद गर्ग को नोटिस जारी किया है। यह जानकारी कंपनी के साझेदार एवं पीड़ित राजेन्द्र खंडेलवाल ने दी है।

Valentine's Day

Love and romance. Candy and flowers. Cards and gifts. Dinner and dancing. *Valentine's Day* comes along with a whole host of plans and accoutrements that are meant to all boil down to one thing, *Love*. And it all comes in the name of one man, St. Valentine, who was an interesting (and perhaps, slightly misunderstood) character in history. *Valentine's day* is filled with love, romance and sweet gestures and it is the perfect opportunity to show affection towards those 'special people' in your life.

#LIVE, LOVE & ROLL

Old Hindi Movies for V-Day

Don't hesitate to take the old movie and dinner route, this *V-Day!*

The season of romance is upon us. If you are stuck for 'romantic things' to do with your partner/ better half, don't hesitate to take the old movie and dinner route. Here are some *old-time romantic movies* that are back on the big screen.

Jab We Met

A perky, chatty *Geet* (Kareena Kapoor) meets a solemn *Aditya* (Shahid Kapoor), who is on the run from his problems. The duo end up in Bhatinda, where Aditya meets Geet's family. Kapoor runs away from home to meet her boyfriend *Anshuman* and Aditya returns to Mumbai, where he takes a handle on things. Years later, when Aditya seeks out Geet, he realises that she's the heartbroken shell of the woman he had met.

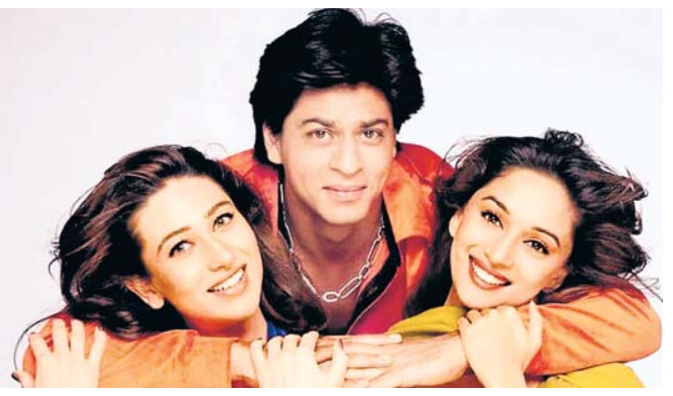

Dil Toh Pagal Hai

This one's a love triangle. Dance director *Rahul* (Shah Rukh Khan), is in search of the right heroine for what will be his biggest production ever! A star dancer on his troupe, *Nisha* (Karisma Kapoor) gets jealous, when he discovers *Pooja* (Madhuri Dixit), a beautiful dancer. Who will the hero choose?

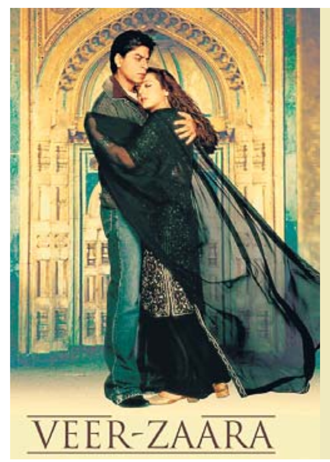

Veer-Zaara

Indian Army man *Veer Pratap Singh* (Shah Rukh Khan), in the line of duty, comes across *Zaara* (Preity Zinta), a Pakistani girl, who is stranded in India. She had visited the country to fulfil her surrogate mother's dying wish. Singh helps her reach home safely, and the two of them fall in love. He, however, gets imprisoned, until a human rights lawyer gets assigned his case, 22 years later.

Mohabbatein

This movie is the story of three youngsters, who study in a boarding school, run by a very strict headmaster, *Narayan*. Then comes a music teacher, *Raj Aryan* (Shah Rukh Khan). He helps the students pursue their love interests against the wishes of the headmaster.

Yeh Jawani Hai Deewani

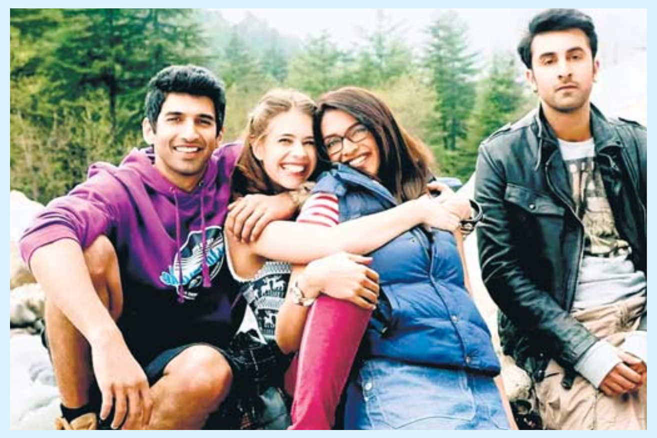

This movie starring Deepika Padukone and Ranbir Kapoor, is the typical tale of a jock falling in love with a nerd. Only in this one, the jock is an ambitious journalist, who travels the world, before he finds himself and realises that he is in love with her.

While standing at the entrance of the *Jahangir mahal*, one could see *Pravin Mahal*, the residence of the 'Nightingale of Orchha,' Pravin Rai. Pravin Rai was a cherished courtesan in the court of King Indrajit Singh of the Orchha State. Legend has it that Emperor Akbar, intrigued by tales of her beauty and poetry, summoned her to his court. Upon her arrival, Pravin Rai recited a couplet.

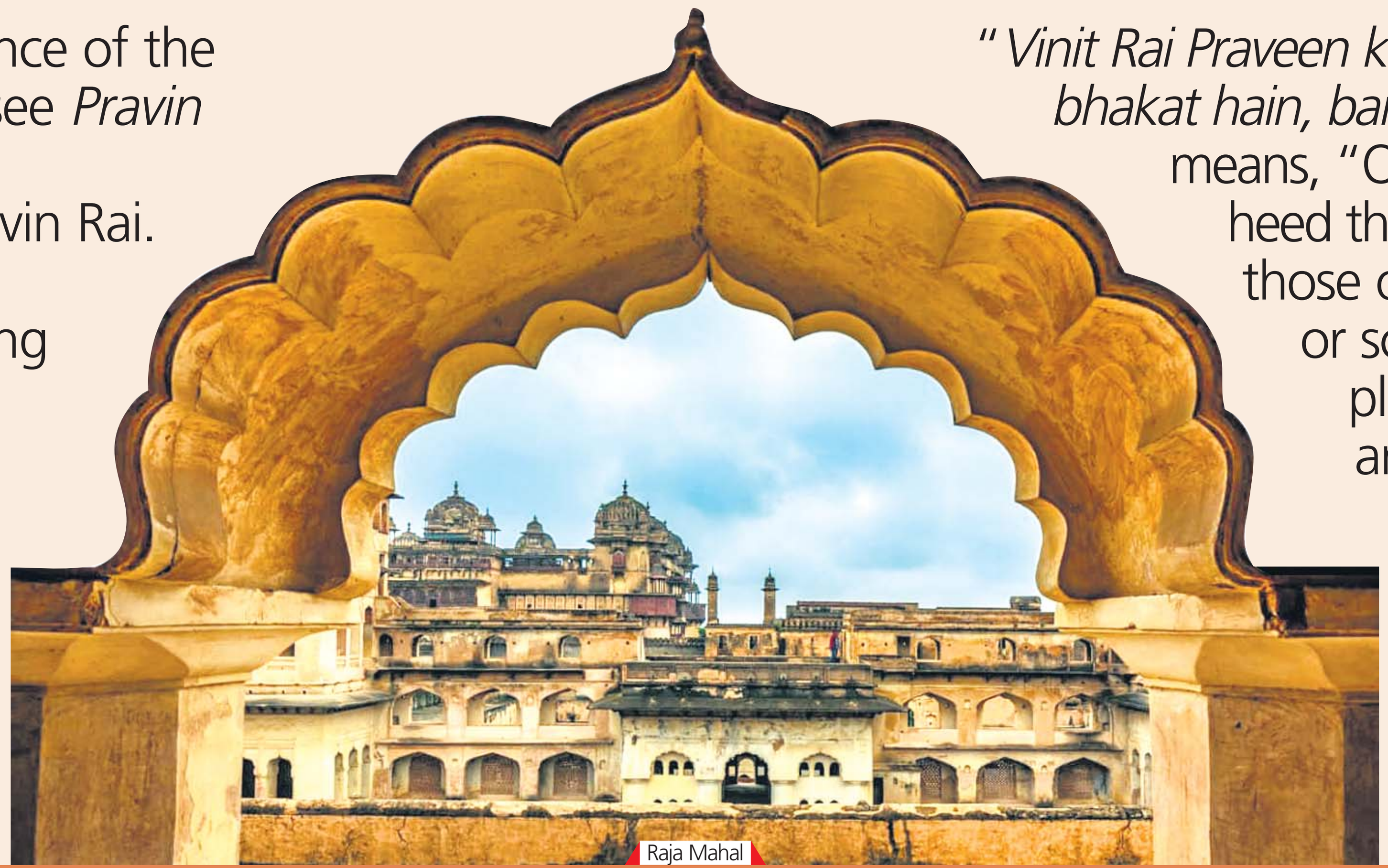

Raja Mahal

"*Vinit Rai Praveen ki, suniye sah sujan. Juthi patar bhakat hain, bari, bayas, swan.*" Translated, it means, "Oh great and wise one! Please heed the words of Rai Praveen. Only those of low caste, such as barbers or scavengers, would eat from a plate that had been shared by another." With this verse, she subtly expressed her love for Indrajit. Impressed by her wit and poise, Akbar honored her and sent her back to Indrajit with respect.

Timeless Charms of Orchha

#PLACES

Vikram Joshi
Textile Technologist & Historian

I always harbored a deep-seated desire to explore the heartland of India, specifically *Madhya Pradesh*, but tales of poor road conditions from fellow travellers had always deterred me in the past. However, a couple of months ago, spurred by a newfound sense of adventure, my companions and I made a bold decision to embark on a *road trip to Madhya Pradesh*, with the enchanting *Panna Tiger Reserve* as our New Year destination. With the invaluable guidance of Major Chandrakant, a seasoned travel writer and adventurer, we were introduced to the owner of Ken River Resort in Panna, setting the stage for an unforgettable journey, filled with exploration and discovery.

Before reaching Panna, we decided to make a brief stop in *Orchha*, a quaint town, nestled amidst the scenic beauty of Madhya Pradesh, another recommendation from Major Chandrakant. Little did I know that this stopover would prove to be an enchanting journey through time, where historical wonders seamlessly came to life, leaving an indelible mark on my soul.

Orchha, steeped in rich heritage and surrounded by breathtaking natural vistas, welcomed us with open arms. Its most prominent landmark, the *Orchha Fort*, stood proudly as an iconic testament to the grandeur of bygone eras. As we stepped foot into the fort, I was immediately transported to a world, where history whispered its tales through the ancient walls and architecture. Dating back to the 16th century, *the Orchha Fort* captivated me with its towering spires, formidable bastions, and intricate detailing that reflected the architectural brilliance of its time. Our knowledgeable guide, Sunil Singh, born in Agra but now a dedicated travel assistant, provided invaluable insights into the region's rich history as we wandered through the labyrinthine corridors of the fort.

The *Raja Mahal*, a true architectural masterpiece within the fort complex, offered a glimpse into the artistic prowess of the *Bundela* rulers. Its intricate frescoes, depicting mythological tales and vibrant scenes from daily life, served as a vivid testament to the 'fusion of Rajput and Mughal architectural styles.' Similarly, the *Jahangir Mahal*, another gem within the fort complex, narrated stories of alliances and diplomacy through its harmonious blend of Mughal and Rajput elements. The construction of the fort followed the establishment of the *Orchha State* in 1501 AD by Rudra Pratap Singh (r. 1501–1531), a *Bundela Rajput*. Over time, the palaces and temples within the fort complex were added by successive *Maharajas* of the Orchha State. Among these, the *Raja Mandir* or *Raja Mahal* was commissioned by Madhukar Shah, who ruled from 1554 to 1591. The *Jahangir Mahal* and *Sawan Bhadon Mahal* were constructed during the reign of Vir Singh Deo (r. 1605–1627). Notably, the architectural features of 'pepper pots and domes,' observed in the fort complex served as inspiration for *Lutyens* in designing structures in New Delhi.

Raja Ram Mandir.

> Dating back to the 16th century, the Orchha Fort captivated me with its towering spires, formidable bastions, and intricate detailing that reflected the architectural brilliance of its time.

Orchha Fort.

While standing at the entrance of the *Jahangir mahal,* one could see *Pravin Mahal*, the residence of the 'Nightingale of Orchha,' Pravin Rai. Pravin Rai was a cherished courtesan in the court of King Indrajit Singh of the Orchha State. Legend has it that Emperor Akbar, intrigued by tales of her beauty and poetry, summoned her to his court. Upon her arrival, Pravin Rai recited a couplet:

"*Vinit Rai Praveen ki, suniye sah sujan. Juthi patar bhakat hain, bari, bayas, swan.*"

Translated, it means, "Oh great and wise one! Please heed the words of Rai Praveen. Only those of low caste, such as barbers or scavengers, would eat from a plate that had been shared by another." With this verse, she subtly expressed her love for Indrajit. Impressed by her wit and poise, Akbar honored her and sent her back to Indrajit with respect.

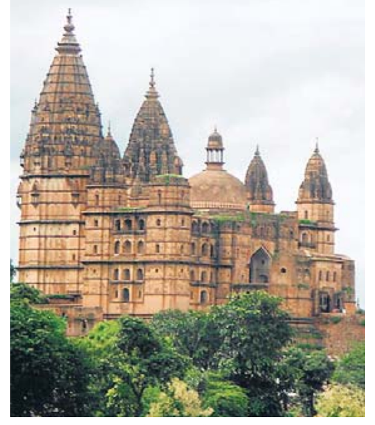

Beyond its historical monuments, Orchha's allure extended to the tranquil banks of the *Betwa River*. The gentle flow of the river, flanked by lush greenery, created a picturesque setting that added to the town's timeless charm, offering moments of tranquility and peace. Exploring the local markets of Orchha was a delightful sensory experience, with vibrant colors of traditional handicrafts and intricately designed textiles showcasing the region's artistic prowess. Interacting with local artisans, I gained profound insights into age-old crafts that have been passed down through generations, fostering a deep appreciation for cultural heritage and craftsmanship.

One of the highlights of my visit was witnessing the grandeur of the evening *aarti* at the *Ram Raja Temple*. As the sun dipped below the horizon, the temple courtyard came alive with the rhythmic beats of traditional instruments and the mellifluous chanting of prayers, creating a spiritual ambiance that left an indelible mark on my soul. *Lord Rama* is regarded as the 'King of Orchha.' Orchha is the only place in India other than Ayodhya, where lord Rama is also the King of the town. The story behind this goes like this. In 16th century, king Madhukar Shah of Orchha was a devotee of *Lord Krishna* whereas his wife, queen Kunwar Ganesh was a devotee of *Lord Rama*. There were always disputes due to this difference. Once king challenged the queen that if *Rama* really exist, then bring him to Orchha. Queen went to Ayodhya and prayed for 21 days with rigorous penance to *lord Rama*. At last, Rama appeared before her in his child form and agreed to go with her on three conditions. First, that he will be the only king of *Orchha*, there will be no other king. Second, that wherever he is placed once, he will remain there only and third, that he will go at a particular time and with some monks. Queen accepted the conditions and thus, *Rama* (statue, representing *Rama* himself) was brought to Orchha. Since then, *Rama* is the only king in Orchha. Even in the present times, *Rama* is regarded as the only king and the guard of honour is given to him by the police, everyday, at the *Ram Raja Temple*. No other VIP or minister or official behaves like a ruler when they visit Orchha. This aspect makes Orchha 'a unique place' for devotees of lord Rama.

> Once king challenged the queen that if *Rama* really exist, then bring him to Orchha. Queen went to Ayodhya and prayed for 21 days with rigorous penance to *lord Rama*.

Climbing to the *Chaturbhuj Temple*, dedicated to *Lord Rama*, I was enveloped in a spiritual aura that seemed to transcend time itself. The temple's distinctive design, with its towering spires and ornate exteriors, exuded a serene ambiance that invited introspection and reflection.

Orchha's culinary offerings added another layer to my sensory journey, with the flavors of *Bundelkhandi cuisine* tantalizing my taste buds. From savory *poha* to delectable *jalebi*, each bite was a gastronomic delight that mirrored the diverse tastes of the region, offering a true feast for the senses.

In conclusion, my visit to Orchha was a symphony of historical marvels, natural beauty, and cultural richness. The town's timeless appeal, encapsulated in its architectural wonders, vibrant markets, and warm community, made this journey an 'unforgettable exploration of India's heritage.' Orchha stands as a 'living testament' to the glorious chapters of the past, inviting every visitor to become a part of its rich tapestry of history and culture. As we continued our journey to *Panna Tiger Reserve*, I carried with me memories of Orchha that would last a lifetime, eager to uncover more hidden gems in the heartland of *Madhya Pradesh*.

rajeshsharma1049@gmail.com

Jahangir Mahal.

#LOVE SPECIAL

Bollywood Soft Boys

From airport chases to alter egos, these soft boys are proof that if he wanted to, he would.

Finding love is hard, especially in the digital age. As terms like situationships, ghosting and gaslighting take over our dating lexicon and toxic masculinity is glorified in Bollywood and on the internet, women often get the shorter end of the stick.

This *Valentine's Day*, these 'Bollywood soft boys' are a reminder to not settle for the bare minimum.

If Jai Singh Rathore in '*Jaane Tu…Ya Jaane Na*' could ride a horse to the airport to confess his love for Aditi and Surinder Singh could create an entire 'alter ego' to win his wife over in '*Rab Ne Bana Di Jodi*,' the guy you like can definitely text you back.

Siddharth Sinha in '*Dil Chahta Hai*' (2001)

Farhan Akhtar's directorial debut depicts three friends with completely different ideas of 'love.' *Akash*, played by Aamir Khan, does not believe in love at all. *Sameer* (Saif Ali Khan) is a hopeless romantic (often to his detriment) and *Siddharth Sinha* (Akshaye Khanna) is the most mature of the three and the official 'soft boy' of the film. With a youthful smile and artistic prowess, Siddharth is, undoubtedly, a catch. We get to witness his romantic, sensitive side when he falls for his older neighbour, *Tara* (Dimple Kapadia) while he helps her move in. Not all soft, artsy boys are gaslighters, who knew?

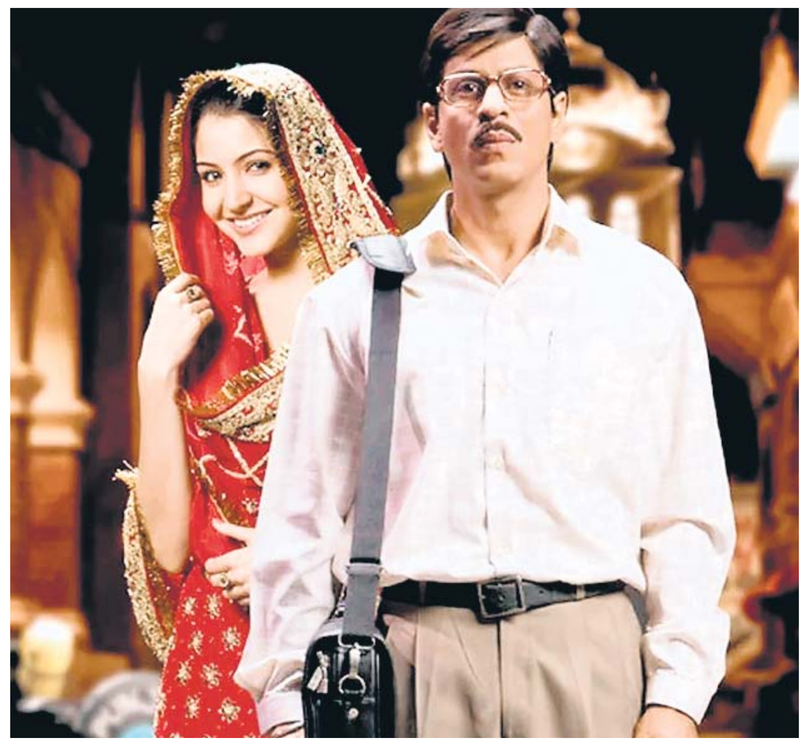

Surinder Sahni in '*Rab Ne Bana Di Jodi*' (2008)

'*Rab Ne Bana Di Jodi*' is a testament to how no one is exempt from the transformative powers of a wardrobe overhaul. From a handlebar-moustachioed, shirt-and-pant businessman with glasses to a spiky-haired, Oakley sunglasses dude, *Surinder Sahni* (Shah Rukh Khan) changes his entire personality to make his wife, *Taani Gupta* (Anushka Sharma) happy. Through his alter ego, Surinder dances his way into Taani's heart, turning their arranged marriage disaster into a sweet love story. If he wanted to, he would change his entire personality!

Jai Singh Rathore in '*Jaane Tu..YaJaane Na*' (2008)

Imran Khan's *Jai Singh Rathore* runs through the airport for Genelia D'Souza's *Aditi,* on a horse, setting the standard high for best friends-to-lovers everywhere. With his graphic tees, moussed-up hair and cheeky smile, *Jai* stole our hearts, comforting *Aditi* with lyrics that worm their way into our minds on challenging days, "*Woh jo bichadte hai ek na ek din phir mil jaate hai, Aditi, jaane tu ya jaane-naa phool phir khil jaate hai..*"

Sarfaraz Yousuf in '*PK*' (2014)

Oh, to be strolling the streets of Belgium with Sushant Singh Rajput's *Sarfaraz*! In this colourful Rajkumar Hirani film, *Sarfaraz* loves *Jagat* (Anushka Sharma), but their story comes to an abrupt halt when she receives an unsigned letter from him, calling off their engagement. Still, we soak up the moments when we get *Sarfaraz* in a dark academia-style vest and satchel, grinning while cycling and giving ultimate 'soft boy' vibes.

Varun Srivastava in '*Lootera*' (2013)

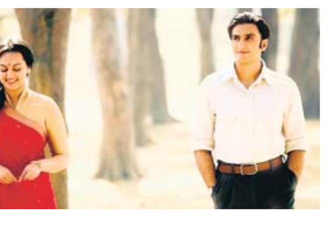

If you're on the lookout for tragic love stories, you can't go wrong with *Lootera* (2013). Featuring Ranveer Singh's *Varun Srivastava,* dressed in soft cashmere sweaters and slicked-back hair, the film showcases his infatuation with Sonakshi Sinha's *Pakhi*. Living in a sprawling estate belonging to her father, the two exchange coy looks and bond over literature and art. The film's second half reveals that *Varun* is a thief and betrays Pakhi, now suffering from tuberculosis. Still, his softness and regret reunite them for whatever little time *Pakhi* has left. Soft boys will break your heart, but they will paint your masterpieces, at least that's what we got from this thought-provoking film.

Raj Malhotra in '*DDLJ*' (1995)

Shah Rukh Khan put on his leather bomber jacket, slung a guitar over his back and set out to rule the '90s. '*Dilwale Dulhania Le Jayenge's*' *Raj Malhotra* changed history when he fell in love with Kajol's *Simran* through Switzerland's mountains and Haryana's sunflower fields. Setting high standards for every Indian man, Raj turned from a catty, bickering flirt to a poetic 'soft boy' within months. When we think of 'soft boy,' we think of chocolate brown eyes and a guitar riff, and for a good reason.

THE WALL

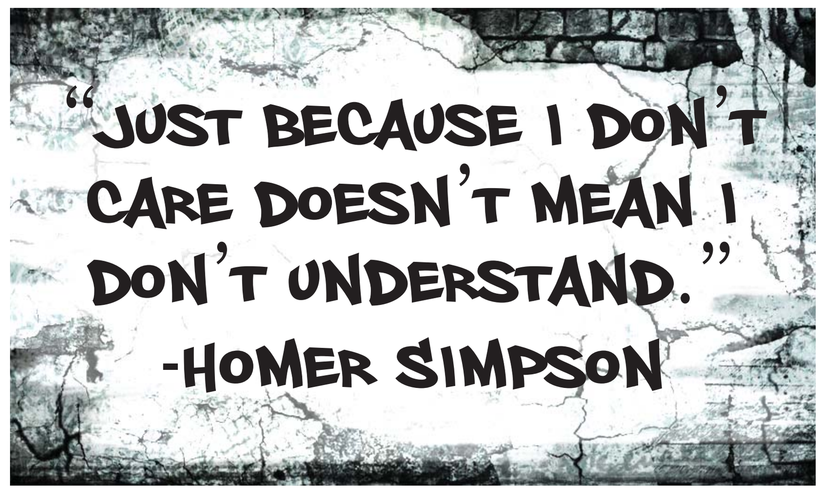

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

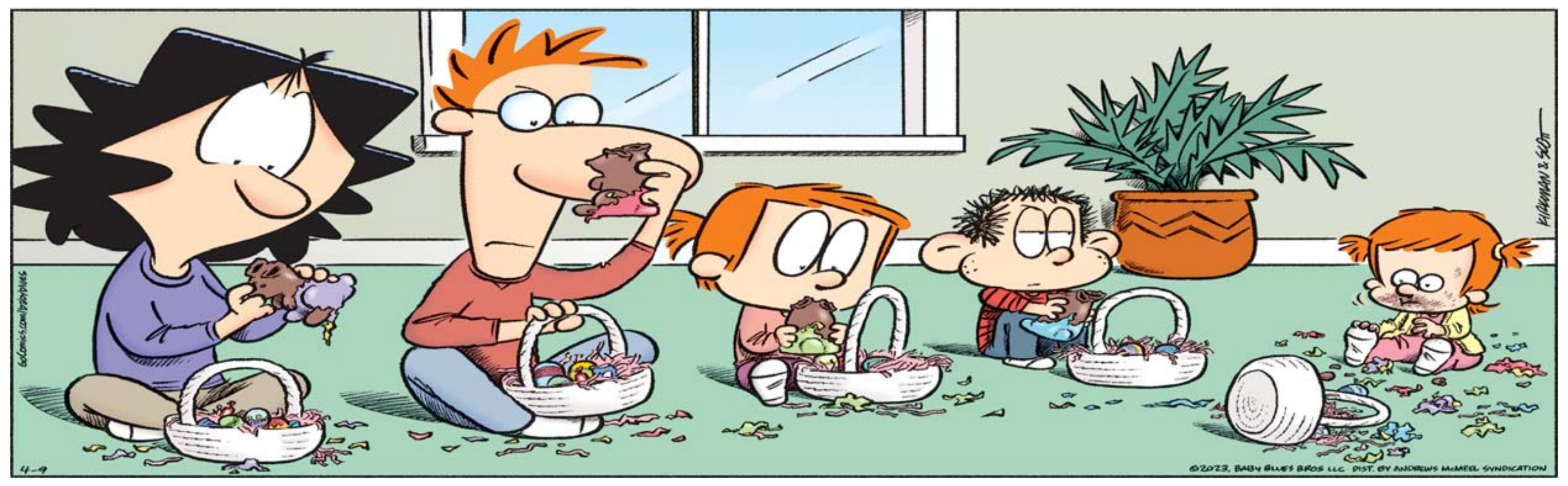

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

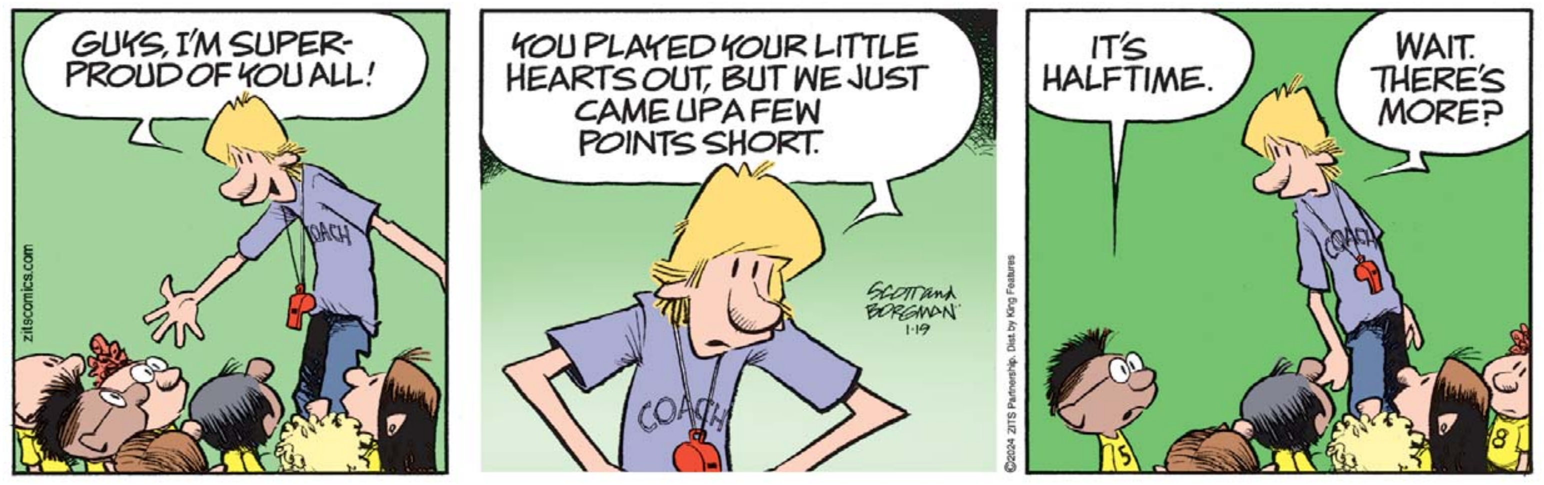

ब्लाइंड मर्डर का खुलासा, मृतक की पत्नी सहित मुख्य आरोपी गिरफ्तार

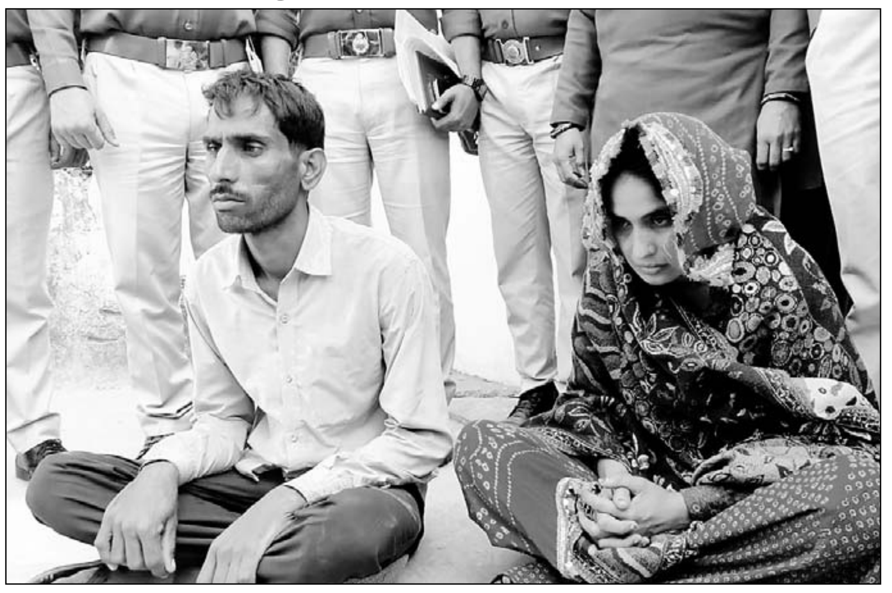

पुलिस ने ब्लाइंड मर्डर का खुलासा करते हुए मृतक की पत्नी को हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया।

सीकर (निसं)। पुलिस ने ब्लाइंड मर्डर का खुलासा करते हुए मृतक की पत्नी को हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया है वही मुख्य आरोपी को भी गिरफ्तार किया गया।

मंगलवार को जिला पुलिस अधीक्षक परिस देशमुख ने प्रेस वार्ता आयोजित कर बताया कि मृतक रामधन मीणा की पत्नी ही मुख्य सूत्रधार थी। जिसे गिरफ्तार किया गया है। घटना का विवरण:- दिनांक 29.01.2024 सिहोट बडी ठााम मे रामधन मीणा पुत्र धूड़ाराम मीणा निवासी शिवसिंहपुरा सीकर हाल खेत तन सिहोट बड़ी की हत्या हो गई है थी। सूचना पर सिहोट बड़ी से रैवासी की तरफ जाने वाले कच्चे रास्ते पर मौके पर पहुंचे। जहां पर श्यामलाल एएसआई मय जाप्ता के पूर्व से उपस्थित थे। तथा 30-40 आदमी रास्ते के पास जमा हो रखे थे।

उक्त आम रास्ते पर बने आवारा पशुओं की रोकथाम के लिए लगाये गये लकड़ियों के खिड़का के पास रेत पर एक युवक की खुन आलुदा लाश पड़ी हुई थी जिसको आसपास उपस्थित लोगों ने पास के खेत मालिक रामधन मीणा की लाश होना बताया। थानाधिकारी द्वारा मौके की स्थिति को सुरक्षित रखते हुए उचित दुरी से शव का निरीक्षण किया गया व फोटोठााफी की गई तथा घटनास्थल को चारों तरफ से सुरक्षित करवाया गया। बताया कि मृतक रामधन का भाई फ़ौज मे है जिसके आने के बाद कार्यवाही की बात कही। बाद कार्यवाही मृतक के शव को पोस्टमार्टम की कार्यवाही हेतु सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लोसल भिजवाया गया। विनोद पुत्र हरिराम जाति मीणा उम्र 25 साल निवासी शिवसिंहपुरा थाना उधोगनगर जिला सीकर रहने वाला है।

वार्ड न 03 शिवसिंहपुरा थाना उधोग नगर जिला सीकर ने उपस्थित थाना होकर इस आशय की पेश की कि मै आदि घटना के संबंध में परिवादी विनोद पुत्र मीणा पुत्र हरिराम जाति मीणा उम्र 25 साल निवासी मेरा ताउ का लडका रामधन मीणा पुत्र स्व धुडाराम मीणा निवासी शिवसिंहपुरा थाना उधोग नगर हाल सिहोट बडी थाना धोद जिला सीकर अपने खेत सिहोट बडी में खेती का काम करता था। रामधन दिनांक 29-01-24 को समय करीब 08-00 पीएम के आस पास अपने मकान के सामने खेत का गेट बन्द करने गया था। जिसके सिर कानूनी कार्यवाही करने की कृपा करें।

अनुसंधान थानाधिकारी द्वारा प्रारम्भ किया गया। थानाधिकारी थाना धोद के नेतृत्व में पुलिस टीम का गठन किया जाकर घटनास्थल का निरीक्षण किया गया। आप पास के लोगो से गहनता से पूछताछ की गई। ग्राम सिहोट बडी व आस पास के स्थानो पर सीसीटीवी कैमरो का गहनता से अवलोकन किया गया। प्रकरण में आरोपीगण 01 सुरेश कुमार उर्फ काल उर्फ नानू पुत्र सांवरमल जाति मीणा उम्र 35 साल निवासी सिहोट बड़ी पलिस थाना धोद जिला सीकर 02 पूजा देवी पत्नी रामचन जाति मीणा उम्र 27 साल निवासी वार्ड न . 3. पुजिन मौहल्ला शिवसिंहपुरा पुलिस थाना उद्योगनगर जिला सीकर हाल सिहोट बड़ी पुलिस थाना धोद जिला सीकर को गिरफ्तार किया गया।

दसवीं कक्षा के लापता छात्र का शव कुएं में मिला

गांव में फैली सनसनी, 3 दिन से गायब था छात्र

ग्रामीणों ने शव को एंबुलेंस में रखवाया।

अजमेर/नसीराबाद, (कासं)। जिले के नसीराबाद उपखंड के नांदला के सरकारी स्कूल में पढने वाले तीन दिन से लापता दसवीं के छात्र का शव मंगलवार सुबह कुए में पड़ा मिला। कुए में शव होने की सूचना मिलते ही गांव में सनसनी फैल गई और मौके बड़ी संख्या में ग्रामीणों की भीड़ एकत्रित हो गई। ग्रामीणों ने इसकी सूचना पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कुए से निकलवा कर परिजन को सूचना दी। सदर थाना पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवा शव परिजन के सुपुर्द कर दिया। मालूम हो कि बच्चे के पिता ने तीन दिन पहले लापता होने की गुमशुदगी रिपोर्ट सदर थाने में दर्ज कराई थी। पुलिस मामले की जांच में जुट गई।

■ पोस्टमार्टम करा शव परिजनों को सौंपा, पुलिस जांच में जुटी

नसीराबाद सदर थाना क्षेत्र के नांदला गांव निवासी रोडाराम जाट ने थाने में छात्र के लापता होने की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी, जिसमें बताया कि उनका 16 साल का बेटा शंकर सरकारी स्कूल की कक्षा 10वीं का छात्र है। 10 फरवरी की रात आठ बजे के करीब घर से टहलने के लिए निकला था, साढ़े आठ बजे करीब पड़ोस में ही स्थित तेजाजी के मंदिर के पास उसे बैठा देखा था। बेटे को घर चलने के लिए कहा, लेकिन उसने 10 से 15 मिनट में आने की बात कही। मगर सुबह तक भी घर नहीं लौटा। गांव और रिश्तेदारी में काफी तलाश किया, मगर उसका कहीं पता नहीं चला है।

मंगलवार को कुए में मिला शव :-मंगलवार सुबह गांव के बाहर बने कुए में ग्रामीण को शव तैरता दिखाई दिया। इसकी सूचना अन्य ग्रामीणों को दी तो मौके पर भीड़ जुट गई। ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को बाहर निकाला। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजन को सौंप दिया। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

मौसम में परिवर्तन, मौसमी बीमारियां बढ़ी

सी.एच.सी. पावटा सहित प्राईवेट अस्पतालों में भी लगने लगी कतारें

सामुदायिक स्वास्थ्य पावटा में मरीजों की कतारें लगने लगी है।

पावटा, (निसं)। गत दिनों से मौसम में हो रहे उतार-चढ़ाव के कारण मौसमी बीमारियां बढ़ने लगी है। हालात यह है कि पावटा उपखंड के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सहित निजी चिकित्सालयों में मौसमी बीमारियों के डेढ़ गुना तक मरीज बढ़ गए है। ऐसे में चिकित्सकों की ओर से सर्दी और शीतलहर से बचाव की सलाह दी जा रही है। सामुदायिक स्वास्थ्य पावटा में मरीजों की कतारें लगने लगी है।

हाल ही में मौसम में एकाएक परितर्वन हुआ है। इसका असर आमजन पर भी हो गया है। सर्दी, जुकाम, खांसी, बुखार का प्रकोप अचानक से बढ गया है। जिससे चिकित्सा संस्थानों पर मरीजों की भीड़ देखी जा सकती है। मौसम परिवर्तन से बुखार, जुकाम, सर्दी, खांसी का प्रकोप बढ़ता है। ऐसे में मौसम में बदलाव के दौरान खानपान व रहन-सहन पर ध्यान दिया जाना आवश्यक है। सामुदायिक स्वास्थ्य पावटा वरिष्ठ चिकित्सक अशोक जाट, निजी चिकित्सालय डॉ. रवि अंजली गुप्ता, डॉ. सुरेंद्र यादव की ओर से लोगों को खान-पान का ध्यान रखने की सलाह दी जा रही है। वही उन्होंने बताया कि विशेषकर सर्दी-जुकाम, खांसी, बुखार के मरीजों की संख्या में बढ़ोतरी हो रही है। इसके अलावा त्वचा संबंधी रोगियों की संख्या भी बढ़ी है। मौसम सर्द होने और शीतलहर बढ़ने के साथ ही अस्पताल में मरीजों की संया में बढ़ोतरी हो गई है। चिकित्सकों के अनुसार बदलते मौसम में बच्चों में उल्टी, दस्त, सर्दी-जुकाम, बुखार के मरीज बढ़ रहे हैं। इस समय मौसम में बदलाव से मरीजों की संया बढ़ी है। इसमें सबसे ज्यादा मरीज मौसमी बीमारियों के आ रहे है। इन मरीजों में बच्चों की संख्या अधिक देखने को मिली।

ऑक्सीजन प्लांट सफेद हाथी बना

बीकानेर। करीब 11 हजार रुपए कीमत का एक सिलेंडर महज पांच से लेकर सात सौ रुपए में दुरुस्त करा कर उपयोग में लाया जा सकता है, लेकिन इन्हें कचरे के ढेर में पटक कर करीब 50 लाख रुपए की सीधी चपत लगाई जा रही है। संभाग के सबसे बड़े पी.बी.एम. अस्पताल में ऑक्सीजन प्लाट्स के हालात किसी से छिपी नहीं हैं। करोड़ों रुपए के प्लांट सफेद हाथी बने हुए हैं। दूसरी ओर, निजी फर्म से ऑक्सीजन सिलेंडर लेने के नाम पर करोड़ों रुपयों का भुगतान किया जाता है। बात इतनी सी ही नहीं है। करीब 600 सिलेंडर खराब होने का टेग लगा कर कचरे के ढेर जैसे स्टोर के पास खुले में पड़े हैं। खास बात यह है कि इनमें से अधिकांश सिलेंडर वॉल्व खराब होने का कारण बताते हुए उपयोग से बाहर किए गए हैं। तथ्य यह है कि करीब 11 हजार रुपए कीमत का एक सिलेंडर महज पांच से लेकर सात सौ रुपए में दुरुस्त करा कर उपयोग में लाया जा सकता है।

पुत्र को फंदे पर लटकाकर खुद ने लगाई फांसी

भीम, (निसं)। भीम पुलिस थाना अंतर्गत समेलिया ग्राम पंचायत के तीतरी राजस्व गांव में सोमवार देर रात्रि एक व्यक्ति ने अपने 4 वर्षीय पुत्र को फंदे पर लटका कर खुद ने भी फांसी लगा ली जिससे दोनों पिता पुत्र घायल हो गए।

पिता-पुत्र के चीखने चिल्लाने पर दादी मां ने ग्रामीणों की सहायता से दोनों पिता-पुत्र की जान बचाई। घटना की सूचना पर भीम पुलिस मौके पर पहुंची तथा घायलों को ग्रामीणों की सहायता से अस्पताल पहुंचाया।

ए.एस.आई. राम सिंह ने बताया कि समेलिया तीतरी निवासी रणजीत सिंह उर्फ अमर सिंह ने गत 8 जनवरी को अपनी पत्नी की गुमशुदगी भीम थाने में दर्ज करवाई थी। जिस पर पुलिस ने कार्यवाही करते हुए रणजीत सिंह की पत्नी को 12 फरवरी को गुजरात से दस्तयाब कर थाने पर लेकर पहुंचे तो उसकी पत्नी नाता विवाह करना बताकर अपने प्रेमी देवेंद्र सिंह पुत्र रणजीत सिंह निवासी लसाडिया के साथ के साथ चली गई। अपनी पत्नी के वियोग से अवसाद में आकर रणजीत सिंह अपने घर जाकर सोमवार देर रात्रि को पहले अपने 4 वर्षीय लड़के महावीर को फंदे पर लटकाकर खुद भी फांसी के फंदे पर लटक गया। पिता-पुत्र के चिल्लाने पर उनकी मां ने ग्रामीणों को सूचना दी। दोनों पिता पुत्रों को घायल अवस्था में भी अस्पताल ले गए। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार कर ब्यावर रैफर किया। चिकित्सालय में दोनों का उपचार जारी है।

आरोपी पांच दिन के पुलिस रिमांड पर

सायला, (निसं)। नाबालिग लड़की के फर्जी दस्तावेज बनाने के मामले में गिरफ्तार आरोपी को न्यायालय जालोर ने पांच दिन के पुलिस रिमांड पर भेजा है। जानकारी के अनुसार गत 12 जनवरी को उम्मेदाबाद निवासी एक दिव्यांग महिला ने पुलिस थाना सायला में रिपोर्ट पेशकर उसकी नाबालिग पुत्री को इरादतन बालिग बताने के लिए प्रवीण कुमार पुत्र दुधमल जैन निवासी मेंगलवा के विरूद्ध मिथ्या व कूटरचित दस्तावेज बनाने का मामला दर्ज करवाया था।

रिपोर्ट में बताया कि आरोपी प्रवीण जैन ने नाबालिग के फर्जी जन्म प्रमाण पत्र, स्कूल की टीसी एवं अन्य दस्तावेज बनाकर आर्य समाज जोधपुर में शादी कर ली तथा माननीय उच्च न्यायालय जोधपुर में फर्जी दस्तावेज पेशकर सुरक्षा भी ले ली। जिस पर पुलिस ने मामले की जांच की तो सामने आया कि आरोपी प्रवीण ने फर्जी तरीके से दस्तावेज बनाकर नाबालिग से शादी की है। सेशन न्यायालय जालोर द्वारा भी आरोपी की 5 फरवरी को अग्रिम जमानत खारिज की जा चुकी है। जिस पर पुलिस द्वारा आरोपी प्रवीण को गिरफ्तार कर सोमवार को न्यायिक मजिस्टेऊट जालोर के समक्ष पेश किया गया। जहां से आरोपी को 17 फरवरी तक पांच दिन की पुलिस रिमांड पर भेजा गया।

यह है मामला :- आरोपी प्रवीण कुमार पुत्र दुधमल जैन निवासी मेंगलवा नाबालिग लडकी को बहला फुसलाकर 21 सितंबर 2०23 को मुम्बई से भगाकर राजस्थान ले आया। आरोपी प्रवीण जैन ने योजनाबद्ध तरीके से नाबालिग को इरादतन बालिग बनाने के लिए सायला में झूठा शपथपत्र 8 जुलाई 2०23 को बनाकर नोटेरी पब्लिक सायला से नोटेरी करवाया तथा आवेदन पत्र में लगे प्रमाणीकरण फॉर्म पर उतरदायी व्यक्ति राजकीय कर्मचारी छगननाथ गोस्वामी प्रधानाचार्य राउमावि मेंगलवा व डॉ. उदयसिंह सोढा वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी सीएससी सायला द्वारा 28 जुलाई 2023 को प्रमाणीकरण कर उक्त आवेदन पत्र को ०8 अगस्त 2०23 को कार्यपालक मजिस्टेऊट एवं तहसीलदार जालोर के समक्ष जन्म तिथि का पंजीयन हेतु पेश किया। आवेदन पत्र के साथ लगे आधार कार्ड व स्कूल लिविंग सर्टिफिकेट को कूटरचित कर आवेदन पत्र के साथ पेश किया। जिसका जन्म प्रमाण पत्र 18 अगस्त 2०23 को ग्राम पंचायत उम्मेदाबाद से जारी किया गया। पुलिस जांच में सामने आया कि नाबालिग ने कक्षा प्रथम से नवमी तक मुम्बई के एक निजी स्कूल में पढाई की थी। नाबालिग की वास्तविक जन्मतिथि 11 जुलाई 2008 है, जबकि आरोपी प्रवीण जैन द्वारा हाईकोर्ट में पेश फर्जी जन्म प्रमाण पत्र व टीसी में नाबालिग की जन्मतिथि 11 सितंबर 2००5 बताई गई है। जिस पर नाबालिग की दिव्यांग मां द्वारा 12 जनवरी 2०24 को पुलिस थाना सायला में आरोपियों के विरूद्ध मामला दर्ज करवाया गया था।

फाइनेंस कर्मचारी के बैग से तीन महिलाओं ने उड़ाए एक लाख रुपये

मामले का खुलासा करने के लिए पुलिस ने सी.सी.टी.वी. खंगाले।

पावटा, (निसं)। फाइनेंस कंपनी में कैश कलेक्शन का कार्य करने वाले एक कर्मचारी के बैग में से एक महिला व दो लड़कियों ने एक लाख रुपये साफ कर दिए। फाइनेंस कर्मचारी ने महिला व दो लड़कियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है।

पुलिस ने आसपास की दुकानों की सीसीटीवी फुटेज को अपने कब्जे में लेकर महिला व दो लड़कियों की तलाश शुरू कर दी है। गांव भांकरी निवासी कृष्ण फाइनेंस कंपनी में कैश कलेक्शन का कार्य करता है। गत दिवस पावटा कस्बे में अग्रवाल कॉम्प्लेक्स में एक व्यक्ति के पास दुकान पर कैश कलेक्शन करने आया था। उसी समय जैसे ही वह दुकान में घुसा उसके पीछे पीछे अज्ञात महिला भी दुकान में घुस गई। वही दोनों अज्ञात लडकिया बाहर उसका इंतजार करने लगी। अज्ञात महिला ने बैग के अंदर से एक लाख रुपये निकाल लिए व मौके से फरार हो गई। सारा मामला आसपास की दुकानों में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गया। मामले की सूचना प्रागपुरा थाना प्रभारी राजेश मीणा को दी गई, जिस पर थाना प्रभारी राजेश मीणा मय जाप्ता मौके पर पहुँचे व आसपास दुकानों मे लगे सीसीटीवी कैमरे चेक किये। पुलिस ने महिलाओं की तलाश की लेकिन उनका सुराग नहीं लगा। थाना प्रभारी राजेश मीणा ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी महिला व दो लड़कियों की तलाश शुरू कर दी है।

हाईकोर्ट ने कलक्टर को एक और अवसर दिया

जोधपुर, (कासं)। राजस्थान उच्च न्यायालय के वरिष्ठ न्यायाधीश डॉ.पी एस भाटी और न्यायाधीश राजेंद्र प्रकाश सोनी ने जिला कलक्टर के एक फरवरी के उप निदेशक,अभियोजन कार्यालय को खाली कर राज्य उपभोक्ता आयोग को सौंपने के वास्ते अंतिम अवसर प्रदान किया है। साथ ही अतिरिक्त महाधिवक्ता को निर्देश दिए कि राज्य के उपभोक्ता आयोगों में लंबे समय से खाली पड़े पदों को भरने के लिए राज्य सरकार का क्या रुख है? आगामी पेशी 26 फरवरी तक न्यायालय को प्रगति से अवगत कराएं।

राजस्थान हाईकोर्ट एडवोकेट्स एसोसिएशन की ओर से दायर जनहित याचिका पर बहस करते हुए अधिवक्ता अनिल भंडारी ने कहा कि पिछले साल राज्य उपभोक्ता आयोग की चल पीठ को हाइकोर्ट के निर्देशानुसार तत्काल प्रभाव से स्थाई कर दिया गया लेकिन उपभोक्ता भवन में दो जिला आयोग और राज्य उपभोक्ता आयोग के बैठने की समुचित जगह और व्यवस्था नहीं होने से डिप्टी रजिस्ट्रार, निजी सचिव, शीघ्र लिपिक और वरिष्ठ सहायक तथा कनिष्ठ सहायक और चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी के दो दो अतरिक्त पद पर सरकार की स्वीकृति बावजूद नियुक्ति नहीं की जा रही है,जिससे न्यायिक कार्रवाई में बाधा आ रजही है। प्रकरणों का निपटान देरी से हो रहा है। इसलिए उपभोक्ता भवन के नीचे स्थित उप निदेशक,अभियोजन विभाग को अन्यत्र शिफ्ट किया जाएं,ताकि उपभोक्ता भवन में राज्य आयोग की पीठ सुचारू रूप से संचालित हो सके।

जिला कलक्टर गौरव अग्रवाल ने न्यायालय में गत पेशी पर उपस्थित होकर बताया कि वे स्वयं अपने स्तर पर इसे प्राथमिकता से लेकर देखेंगे कि उपभोक्ता भवन के आसपास राज्य उपभोक्ता आयोग के वास्ते सुव्यवस्थित जगह उपलब्ध हो जाएं। उन्होंने भरोसा दिलाया था कि एसोसिएशन के सुझाव पर उचित कार्रवाई करेंगे। अधिवक्ता भंडारी ने कहा कि उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 2019 में यह प्रावधान किया गया है कि उपभोक्ता आयोग में अध्यक्ष और सदस्यों की रिक्तियां होने से 6 माह पूर्व में ही रिक्तियों की अधिसूचना जारी कर उन्हें भरने की कार्रवाई की जाएं,लेकिन जोधपुर सहित अधिकांश जगह सदस्यों की नियुक्ति नहीं होने से कोरम के अभाव में न्यायिक कार्रवाई अत्यंत देरी से हो रही है इस लिए सरकार को निर्देश दिया जाएं कि छह माह में खाली होने वाले पदों सहित सभी रिक्तियों को भरने की कार्रवाई से करें।

सुलभ काम्प्लेक्स के अभाव में कोटपूतली उपखंड मुख्यालय बदहाल, मुख्य द्वार पर भरा गंदा पानी

कोटपूतली उपखण्ड मुख्यालय के आसपास सड़क पर गंदा पानी भरे रहने के कारण लोगों को आवाजाही में परेशानी हो रही है

कोटपूतली, (निसं)। कस्बे के ऐतिहासिक आजाद चौक में स्थित यहां का उपखण्ड मुख्यालय वैसे तो कोटपूतली के इतिहास व गौरव का प्रतीक है लेकिन स्थानीय प्रशासन व नगर परिषद की लापरवाही एवं अनदेखी के चलते सुलभ काम्प्लेक्स के अभाव में यह उपखण्ड मुख्यालय बदहाली का शिकार है। स्थिति इतनी बदतर हो गई है कि उपखण्ड कार्यालय के मुख्य द्वार पर ही गंदा पानी भरा रहता है। वहीं कचरे के ढेर भी लगे हुए है। यही नहीं पास ही खड़े चल पेशाब घर से पेशाब भी गंदे पानी में जमा होता रहता है। जिससे उठने वाली दुर्गन्ध से उपखण्ड मुख्यालय के कार्मिकों, आमजन, अधिवक्ताओं व यहां आने वाले परिवादियों को भारी समस्या का सामना करना पड़ रहा है।

उल्लेखनीय है कि उपखण्ड मुख्यालय या तहसील परिसर के नाम से पहचाने जाने वाले इस स्थान पर एसडीएम, तहसीलदार, डीएसपी, सब रजिस्टार, सहायक कलक्टर, जिला कोषाधिकारी समेत दर्जनों पटवारियों के कार्यालय भी है। प्रतिदिन यहां हजारों की संख्या में आमजन व परिवादियों का आवागमन होता है। गत वर्ष कोटपूतली के मास्टर प्लान के चलते जहाँ पूरानी नगर पालिका तिराहे से आजाद चौक स्थित उपखण्ड मुख्यालय के मार्ग का चौडा किया गया था। वहीं कोटपूतली के जिला बनने के बाद इस परिसर के नवीनीकरण की कवायद भी की गई थी। जिसके चलते यहाँ पहले से स्थित पेशाब घर के अलावा अधिवक्ताओं के बैठने के स्थान को भी तोड दिया गया था। जिसके बाद अधिवक्ताओं के बैठने के लिए नये स्थान का निर्माण तो कर दिया गया है लेकिन परिवादियों व आमजन की सुविधाओं के लिए विधानसभा चुनाव की आचार संहिता के चलते यहाँ प्रस्तावित सुलभ कॉम्पलेक्स का निर्माण नहीं हो सका है। जिसके चलते यहाँ आने वाले लोगों सहित अधिवक्ताओं को पेशाब के लिए इधर उधर जाना पडता है। इससे यहाँ आने वाले लोगों सहित महिलाओं को भी विशेष परेशानी होती है। जिससे निपटने के लिए नगर परिषद ने यहाँ चल पेशाब घर तो खड़ा कर दिया है लेकिन उससे पेशाब निकल कर उपखण्ड मुख्यालय के मुख्य द्वार पर ही नाले में जमा होता रहता है। जिससे निकलने वाली दुर्गन्ध के कारण यह मुख्यालय भारी बदहाली व अव्यवस्था का शिकार है।

■ कर्मचारियों, आमजन ने सुलभ काम्प्लेक्स बनवाने की मांग की

इस सम्बंध में अधिवक्ताओं द्वारा कई बार एसडीएम समेत नगर परिषद में अवगत करवाया गया है लेकिन कोई कार्यवाही नहीं हुई है साथ ही यहां लोगों का आवागमन भी बाधित हो रहा है। लोगों का यह भी कहना है कि जब पुलिस प्रशासन के मुख्यालय का यह हाल है तो आमजन का क्या होगा। अभिभाषक संघ के अध्यक्ष एड. दयाराम गुर्जर ने बताया कि उपखण्ड मुख्यालय में होने वाले कामकाज से सरकार को भारी राजस्व की प्राप्ति भी होती है। ऐसे में जल्द से जल्द उपखण्ड कार्यालय पर सुलभ कॉम्पलेक्स का निर्माण करवाया जायें। साथ ही अस्थाई रूप से भी व्यवस्थाओं को दुरूस्त किया जायें।

पूर्ववर्ती सरकार के कार्यों की समीक्षा बैठक में प्रकरणों की स्क्रूटनी नहीं होने पर नाराजगी जताई

- 16 विभागों के प्रकरणों पर हुई चर्चा, 200 प्रकरण हुए चिन्हित, अगली बैठक 20 को होगी
- कमेटी ने पिछले सप्ताह पहली बैठक में 200 प्रकरण चिन्हित कर लिए थे, जिन पर विभागवार समीक्षा होनी है

जयपुर। पूर्ववर्ती सरकार के अंतिम छह माह के निर्णयों की समीक्षा को लेकर अहम बैठक हुई। बैठक में कमेटी ने प्रकरणों की स्क्रूटनी नहीं होने पर नाराजगी जताई और अधिकारियों को प्रकरणों की स्क्रूटनी का होमवर्क पहले करने के निर्देश दिए गए हैं। कमेटी ने साफ़ किया कि बैठक में सिर्फ वही मामले लाएं जाएं जिन पर विचार करके निर्णय करने की स्थिति हो।

कमेटी के संयोजक कैबिनेट मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर की अध्यक्षता में दो घंटे तक हुई इस बैठक में अधिकारियों को मामलों की स्क्रूटनी को लेकर दिशा निर्देश दिए गए। संयोजक गजेंद्र सिंह बताया बताया कि बैठक में डब्ल्यूसीडी, पीडब्ल्यूडी, कला संस्कृति और खेल सहित 16 विभागों के प्रकरणों को लेकर विचार किया गया, हालांकि प्रकरणों की स्क्रूटनी नहीं होने से काफी ज्यादा पेचीदगी देखने को मिली।

बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वो अगली बार बैठक में आने से पहले प्रकरणों का पूरा होमवर्क करें और स्क्रूटनी करके ही कमेटी के समक्ष रखे ताकि निर्णय लेने में देरी नहीं हो। खींवसर ने कहा कि अगर इस तरह से प्रकरण उलझे हुए आएंगे तो 3 महीने में रिपोर्ट कैसे बनेगी? समय पर रिपोर्ट तैयार करनी है तो उसके लिए कमेटी के समक्ष उन्हीं प्रकरणों को लाया जाए जिनकी स्क्रूटनी हो जाए। मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर, मंत्री जोगाराम पटेल, मंत्री रोहित गोदारा, मंजू बाघमार बैठक में शामिल हुए। साथ ही समीक्षा बैठक में कई विभागों के अधिकारी भी शामिल हुए।

गौरतलब है कि प्रदेश में सत्ता परिवर्तन के साथ प्रदेश की भजन लाल सरकार ने पूर्ववर्ती गहलोत सरकार के कार्यकाल के अंतिम 6 महीने में लिए गए निर्णयों की समीक्षा को लेकर मंत्री मंडलीय कमेटी बनाई थी। कमेटी ने पिछले सप्ताह पहली बैठक में 200 प्रकरण चिन्हित कर लिए थे, जिन पर विभागवार समीक्षा होनी है, सभी विभागों के प्रकरणों की सूची तैयार की जा रही है। कमेटी साप्ताहिक समीक्षा करके माह डेढ़ माह में रिपोर्ट तैयार करेगी, जो मुख्यमंत्री को देनी है। अगली बैठक 20 फरवरी को होगी।

मुख्यमंत्री ने राष्ट्रपति का भावभरा स्वागत किया

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के मंगलवार शाम को जयपुर एयरपोर्ट पहुंचने पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया।

जयपुर, (का.सं.)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु अपने राजस्थान प्रवास के पहले दिन मंगलवार शाम को जयपुर पहुंची। राष्ट्रपति के जयपुर एयरपोर्ट पहुंचने पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका भावभरा स्वागत किया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचन्द बैरवा, मुख्य सचिव सुधांश पंत, पुलिस महानिदेशक उत्कल रंजन साहू, दक्षिण-पश्चिमी कमान के जनरल ऑफिसर कमाण्डिंग लेफ्टि. जनरल धीरज सेठ सहित वरिष्ठ अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

वही बुधवार को राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू व मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा सुबह 9:25 जयपुर से रवाना होकर सुबह 10:35 मेंहदीपुर बालाजी दर्शन एवं आरती करेंगे। उसके बाद दोपहर 12 बजे वापस जयपुर पहुचने के बाद दोपहर 1 उदयपुर पहुँचेंगे। दोपहर 2 बजे बेणेश्वर धाम पहुँच हरिमंदिर साबला दर्शन, दोपहर 3:40 लखपति दीदी सम्मेलन बेणेश्वर धाम भाग लेंगे।

भाजपा ने लोकसभा चुनाव के लिए संयोजक प्रभारी व सह प्रभारी नियुक्त किये

- जयपुर लोकसभा के लिए संयोजक एस.एस. अग्रवाल, लोकसभा प्रभारी मंत्री जोगाराम पटेल, सह प्रभारी सतीश चंदेल को बनाया

जयपुर। लोकसभा चुनाव की तारीखों का भले ही ऐलान नहीं हुआ हो, लेकिन भाजपा पूरी तरीके से चुनावी मोड में आ गई है। लगातार बैठकों के बाद पार्टी ने अब पार्टी ने लोकसभा संयोजक, प्रभारी और सह प्रभारी की जिम्मेदारी तय कर दी है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी ने सभी 25 लोकसभा सीटों पर नाम की घोषणा कर दिए हैं।

इनमें गंगानगर-हनुमानगढ़ लोकसभा सीट के लिए संयोजक बालवीर बिश्नोई, लोकसभा प्रभारी मंत्री सुमित गोदारा और सह प्रभारी अखिलेश प्रताप सिंह को, बीकानेर लोकसभा के लिए संयोजक सत्य प्रकाश आचार्य, लोकसभा प्रभारी मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर, सह प्रभारी अशोक नागपाल, चूरू लोकसभा के लिए संयोजक ओम प्रकाश सरस्वत, लोकसभा प्रभारी मंत्री अविनाश गहलोत, सह प्रभारी रामगोपाल सुथार, झुंझुनू लोकसभा के लिए संयोजक दशरथ सिंह शेखावत, लोकसभा प्रभारी महंत बालक नाथ, सह प्रभारी जितेंद्र शर्मा, सीकर लोकसभा के लिए संयोजक प्रभु सिंह गोगवास, लोकसभा प्रभारी गौतम दक, सह प्रभारी बलराम दून, जयपुर ग्रामीण लोकसभा के लिए संयोजक निर्मल कुमावत, लोकसभा प्रभारी मंत्री किरोड़ी लाल मीणा, सह प्रभारी विमल अग्रवाल, जयपुर लोकसभा के लिए संयोजक एसएस अग्रवाल, लोकसभा प्रभारी मंत्री जोगाराम पटेल, सह प्रभारी सतीश चंदेल को, अलवर लोकसभा के लिए संयोजक संजय सिंह नरूका, लोकसभा प्रभारी सुरेश रावत, सह प्रभारी लक्ष्मीकांत भारद्वाज को, भरतपुर लोकसभा के लिए संयोजक शैलेंद्र सिंह, लोकसभा प्रभारी संजय शर्मा, सह प्रभारी गोवर्धन जादौन को, करौली-धौलपुर लोकसभा के लिए संयोजक शिवकुमार सैनी, लोकसभा प्रभारी मंत्री जवाहर सिंह मैडम, सह प्रभारी प्रेम प्रकाश शर्मा को नियुक्त किया गया है। दौसा लोकसभा के लिए संयोजक सत्यनारायण शहरा, लोकसभा प्रभारी राज्यवर्धन सिंह राठौड़, सह प्रभारी विष्णु चेतानी को, टोंक-सवाई माधोपुर लोकसभा के लिए संयोजक नरेश बंसल, लोकसभा प्रभारी मंत्री मदन दिलावर, सह प्रभारी शैलेंद्र भार्गव को, अजमेर लोकसभा के लिए संयोजक वीरेंद्र सिंह कानावत, लोकसभा प्रभारी डिप्टी सीएम दीया कुमारी, सह प्रभारी राजेश पाठक को, नागौर लोकसभा के लिए संयोजक रमाकांत शर्मा, लोकसभा प्रभारी मंत्री कन्हैयालाल चौधरी, सह प्रभारी अशोक सैनी को, पाली लोकसभा के लिए संयोजक लक्ष्मी नारायण देव, लोकसभा प्रभारी जोगेश्वर गर्ग, सह प्रभारी रविंद्र सिंह बालावत को, जोधपुर लोकसभा के लिए संयोजक राजेंद्र कुमार गहलोत, लोकसभा प्रभारी विजय सिंह, सह प्रभारी महेंद्र कुमावत को, बाड़मेर लोकसभा के लिए संयोजक कुमार सिंह सोडा, लोकसभा प्रभारी मंत्री जोराराम कुमावत, सह प्रभारी शंकर सिंह राजपुरोहित को, जालौर-सिरोही लोकसभा के लिए संयोजक नारायण सिंह देवल, लोकसभा प्रभारी मंत्री केके बिश्नोई, सह प्रभारी महेंद्र बोहरा को नियुक्ति किया गया है।इसी तरह उदयपुर लोकसभा के लिए संयोजक प्रमोद सांबर, लोकसभा प्रभारी मंत्री हेमंत मीणा, सह प्रभारी महेश शर्मा को, बांसवाड़ा लोकसभा के लिए संयोजक हरीश पाटीदार, लोकसभा प्रभारी मंत्री बाबूलाल खराड़ी, सह प्रभारी दिनेश भट्ट को, चित्तौड़ लोकसभा के लिए संयोजक रणजीत सिंह भाटी, लोकसभा प्रभारी मंत्री झाबर सिंह खर्रा, सह प्रभारी आनंद गर्ग को, राजसमंद लोकसभा के लिए संयोजक हरि सिंह रावत, लोकसभा प्रभारी मंत्री डॉ मंजू बागमार, सह प्रभारी हर्षवर्धन सिंह को, भीलवाड़ा लोकसभा के लिए संयोजक शक्ति सिंह कालियास, लोकसभा प्रभारी मंत्री हीरालाल नागर, सह प्रभारी गजपाल सिंह को, कोटा लोकसभा के लिए संयोजक सुनीता व्यास, लोकसभा प्रभारी डिप्टी सीएम प्रेमचंद बैरवा, लोकसभा से प्रभारी शंकर लाल ठांडा को, झालावाड़ लोकसभा के लिए संयोजक छगन माथुर, लोकसभा प्रभारी मंत्री ओटाराम देवासी, सह प्रभारी भारत जैन को जिम्मेदारी दी गई है।

'प्रधानमंत्री का कार्यकाल बड़े फैसलों का होगा'

जयपुर। विवेकानंद ग्लोबल यूनिवर्सिटी में युवा संसद कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में जयपुर शहर सांसद रामचरण बोहरा सम्मिलित हुए। युवा संसद में समान नागरिक संहिता पर चर्चा हुई। जिसमें 100 विद्यार्थियों ने भाग लिया। युवाों को संबोधित करते हुए सांसद बोहरा ने कहा कि आज पूरे देश में समान नागरिक संहिता की चर्चा है। उत्तराखंड में हाल ही में समान नागरिक संहिता को लागू किया है। देश में सभी नागरिकों के अधिकार समान होने चाहिए। सभी नागरिकों को समान अधिकार न मिलने से देश के विकास पर भी प्रभाव पड़ता है। यदि एक घर में रहने वाले दो व्यक्तियों के लिए अलग-अलग नियम हो तो कैसे चल सकता है। समान नागरिक संहिता किसी धर्म के खिलाफ नहीं है।

उन्होंने कहा कि लोगों में इस बात की भ्रांति है की समान नागरिक संहिता लागू होने से उनकी पूजा पद्धति पर, उनकी संस्कृति पर, उनके धर्म पर प्रभाव पड़ेगा।

राजफैड 10 मार्च से समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदेगा

जयपुर, (का.सं.)। प्रबन्ध निदेशक, राजफैड शक्ति सिंह राठौड़ ने बताया कि प्रदेश में 10 मार्च से समर्थन मूल्य पर गेहूं की खरीद प्रारंभ की जाएगी। किसानों किसानों से 2400 रुपये प्रति क्विंटल की दर से गेहूं का भुगतान होगा। भारत सरकार द्वारा समर्थन मूल्य दर 2275 रुपये प्रति क्विंटल के अतिरिक्त राज्य सरकार द्वारा 125 रुपये प्रति क्विंटल बोनस सहित भुगतान किया जाएगा।

राठौड़ ने बताया कि खाद्य विभाग द्वारा राजफैड को गेहूं खरीद के लिए 210 केन्द्र आवंटित किये गये हैं। अधिकांश क्रय केन्द्र कोटा संभाग में हैं। क्रय केन्द्रों पर बारदाना भारतीय खाद्य निगम द्वारा उपलब्ध करवाया जाना है। उन्होंने बताया कि किसानों की सुविधा के लिए खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग द्वारा हेल्पलाईन नम्बर 18001806030 स्थापित किया हुआ है एवं राजफैड द्वारा भी समर्थन मूल्य पर दलहन तिलहन खरीद के संबंध में हेल्पलाईन नम्बर 18001806001 स्थापित किया हुआ है। राठौड़ ने बताया कि सभी क्रय केन्द्रों को गेहूं खरीद हेतु व्यापक प्रचार-प्रसार करने, पोस्टर, बैनर लगाने हेतु भी पाबन्द किया जा चुका है। क्रय केन्द्रों पर किसानों को गेहूँ तुलाई हेतु आवश्यक आधारभूत सुविधायें यथा छाया-पानी, बिजली, ग्रेडिंग मशीन आदि की सुविधा संबंधित कृषि उपज मन्डी समितियों के माध्यम से उपलब्ध करवाने के प्रयास कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने मां सरस्वती की प्रतिमा का अनावरण किया

जयपुर, (का.सं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा है कि 21वीं सदी में ज्ञान ही सबसे बड़ी पूंजी है, इस मंत्र को अपनाते हुए युवा अपनी पसंद के मुताबिक लक्ष्य तय कर सपनों को साकार करने के लिए कार्य करें।

मुख्यमंत्री शर्मा मंगलवार शाम को मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एमएनआईटी) में मां सरस्वती की प्रतिमा अनावरण के कार्यक्रम में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि युवा इस देश के विकास के वाहक हैं। भावी इंजीनियर्स बुनियादी ढांचे के बेहतर विकास के लिए जरूरी तकनीकी ज्ञान और नवाचारों से स्वयं को समृद्ध करें ताकि तेजी से बदलती दुनिया में भारत अग्रणी राष्ट्रों में शुमार हो सके। उन्होंने कहा कि आज एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) जैसे नए क्षेत्रों में आजीविका तलाशने का समय है और युवा इस बदलती प्रौद्योगिकी को तेजी से अपनाएं।

इससे पहले मुख्यमंत्री ने एमएनआईटी परिसर में मां सरस्वती की मूर्ति का अनावरण और स्वामी विवेकानन्द की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। उन्होंने विवेकानन्द लेक्चर थिएटर कॉम्प्लेक्स में पौधारोपण भी किया। इस अवसर पर एमएनआईटी के निदेशक प्रो. एन.पी. पाढ़ी सहित संस्थान के शिक्षक एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

'महिलाओं को लाभ से वंचित नहीं कर सकती राज्य सरकार'

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने अपने एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा है कि राज्य सरकार अपने वादे से मुकरते हुए आमजन के लिए शुरू की गई किसी योजना को बंद नहीं कर सकती और ना ही महिलाओं को ज्योति योजना के लाभ से वंचित कर सकती है। इसके साथ ही अदालत ने मुख्य सचिव को कहा है कि वे चिकित्सा व स्वास्थ्य सचिव की अध्यक्षता में एक कमेटी बनाए जो तीन महीने में उन सभी महिलाओं को ज्योति योजना का लाभ मुहैया कराए, जिनके नसबंदी के समय एक या दो बच्चियां थीं। अदालत ने कहा है कि राज्य सरकार ज्योति योजना के संबंध में 19 अगस्त 2011 को जारी किए गए परिपत्र के अनुसार ऐसे दावों की छानबीन करते हुए योग्य लोगों को योजना का लाभ दे। वहीं याचिकाकर्ता के मामले में राज्य सरकार को कहा है कि वह उसे ज्योति योजना का लाभ देते हुए उसकी सैकंडरी से जीएनएम कोर्स तक हुई शिक्षा पर खर्च हुई राशि नौ फीसदी ब्याज सहित भुगतान करे। जस्टिस अनूप ढंड ने यह आदेश वंदना की याचिका पर दिए।

याचिका में कहा गया की राज्य सरकार ने 2011 में महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए ऐसी महिलाओं के लिए ज्योति योजना शुरू की, जिन्होंने एक या दो पुत्रियां होने के बाद नसबंदी करा ली थी। इस योजना के अनुसार ऐसी महिलाओं को पीजी तक निशुल्क शिक्षा सहित एएनएम व जीएनएम के पद पर नियुक्ति में वरीयता भी दी गई। याचिकाकर्ता ने भी 16 जुलाई 2012 को नसबंदी ऑपरेशन कराया और 26 जनवरी 2013 को उसे ज्योति कार्ड जारी किया। उसने दसवीं से जीएनएम तक की शिक्षा प्राप्त की और इस पर खर्चा किया। इस दौरान 2016 में इस योजना को अचानक बंद कर दिया।

कैलेण्डर जारी

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड के अध्यक्ष मेजर जनरल आलोक राज ने सोश्यल मीडिया पर बयान जारी करते हुए कहा कि बोर्ड का परीक्षा कैलेण्डर बोर्ड की वेबसाइट पर अपलोड कर दिया गया है। एग्जाम्स जून से सितंबर के बीच में होंगे।

राजेश निर्वाण बने होमगार्ड डी.जी.

जयपुर। राज्य सरकार ने मंगलवार को एक आदेश जारी कर वरिष्ठ आईपीएस राजेश निर्वाण का तबादला किया है। उन्हें गृह रक्षा विभाग का महानिदेशक एवं कमांडेंट जनरल के पद पर लगाया गया है। फिलहाल वह एपीओ चल रहे थे।

वहीं दूसरी ओर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से राज्य के महाधिवक्ता राजेंद्र प्रसाद ने मंगलवार शाम को ओटीएस स्थित मुख्यमंत्री निवास पर मुलाकात की। महाधिवक्ता ने पुष्पगुच्छ भेंट कर मुख्यमंत्री का अभिवादन किया।

व्यापारी से लाखों रुपए लूटने वाली महिला सहित तीन गिरफ्तार

पुलिस ने कार्रवाई करते हुए सोमवार को तीन लुटेरों को कानोता से गिरफ्तार किया है।

- पुलिस ने आरोपियों से लूटे हुए 3.70 लाख रुपये बरामद किए

जयपुर। गांधी नगर थाना इलाके में सोमवार दोपहर को स्कूटी सवार एक युवक से बदमाश तीन लाख सत्तर हजार रुपए लूट कर ले जाने के मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए तीन लुटेरों को कानोता से गिरफ्तार किया गया है। जिनके पास से पुलिस ने लूटे गए रुपये भी बरामद कर लिए गए है। पुलिस आरोपियों से पूछताछ करने में जुटी है। गौरतलब है कि पीडित ने लूट की सूचना पुलिस कंट्रोल रूम को दी। जिस पर जयपुर सिटी में एक श्रेणी की नाकेबंदी करवाते हुए पुलिस ने तीनों लुटेरों को कानोता के पास बीयर पीते हुए पकड़ा।

पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व ज्ञानचंद यादव ने बताया कि गांधी नगर थाना इलाके में एक युवक के साथ लूट की वारदात की जानकारी मिली। जिस पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची तो युवक ने बताया कि उसकी स्कूटी में 3 लाख 70 हजार रुपए रखे थे। इसी दौरान सफेद रंग की शिफ्ट कार में एक युवती और दो युवक आए। उन लोगों ने पहले उस के साथ मारपीट की फिर उसकी स्कूटी की डिग्गी से 3 लाख 70 हजार रुपए लूट के भाग निकले।

लूट की जानकारी के बाद नाकेबंदी कराई गई और जानकारी मिली की वारदात करने वाली कार कानोता इलाके में जंगल में बने एक मकान के पास खड़ी हैं। इस पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची जहां पर बबलू सिंह निवासी बालघाट जिला करौली,सूरज गुर्जर निवासी एमआईए जिला अलवर और रविना मीणा निवासी मंडावर जिला दौसा बीयर पीते हुए मिले। जिन्हे मौके से डिटेन कर गांधी नगर थाना पुलिस थाने लाकर पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया।

तीये की बैठक

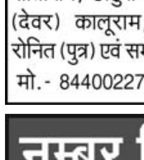

अत्यंत दुख के साथ सूचित किया जाता है कि हमारी प्रिय पुत्रबधु

श्रीमति भागोती देवी

धर्म पत्नी रामकिशन मीणा (जोहरीलाल) का स्वर्गवास 12.2.24 को हो गया। जिनकी तीये की बैठक 14.2.24 को 2 से 4 बजे निजनिवास नायला रोड़ ग्राम हीरावाला बस्सी मे रखी गई है।

शोकाकुलः घासीलाल, रामधन, लक्ष्मीनारायण, रामनारायण, जगदीश (जग्गू) (ससुर) गोविन्द नारायण, जयराम, सीताराम, छोटूराम (जेठ) जयनारायण (देवर) कालूराम, विकास, सुमित, रोनित (पुत्र) एवं समस्त बडगोती परिवार

मो.- 8440022717, 8955777508

नम्बर मिलाइए 9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी अभिभाष्या अंजना बांगड पत्नि स्व. श्री युवराज बांगड, निवासी- सी-70, मंगल मार्ग, बापू नगर, जयपुर के दो पुत्र पीयूषराज बांगड व यशराज बांगड एवं पुत्री निवेदिता बांगड है। जिनमें उनका बडा पुत्र पीयूषराज उनके कहने में नहीं है तथा उनका सम्मान व देखभाल नहीं करता है, उसका व्यवहार मेरी अभिभाष्या से अच्छा नहीं है तथा वह मेरी अभिभाष्या के साथ भी नहीं रहता है। इस कारण मेरी अभिभाष्या ने अपनी संपत्ति म.न. सी-70, मंगल मार्ग, बापू नगर, जयपुर से व समस्त चल अचल संपत्ति से पीयूषराज को बेदखल कर दिया है। पीयूषराज के द्वारा किये गये लेन-देन व संव्यवहार की जिम्मेदारी मेरे अभिभाष्य नहीं होगी सूचित रहे। यदि कोई भी व्यक्ति मेरी अभिभाष्या की उक्त संपत्ति सी-70, मंगल मार्ग, बापू नगर, जयपुर के या अन्य किसी संपत्ति जो मेरी अभिभाष्या की है, उसके संबंध में पीयूषराज से किसी प्रकार का लेन-देन करता है तो उसका जिम्मेवार वह स्वंय रहेगा। भवदीय

(विक्रम वशिष्ठ) एडवोकेट

Off.- 102, Shiv Colony, Hari Marg, Tonk Road, Jaipur

आम सूचना

आम सूचना ग्राम-श्रीरामपुरावास, पटवार क्षेत्र-बिन्दायका, भूअभि.नि.क्षेत्र मुण्डियारामसर, तहसील व जिला जयपुर में स्थित विभिन्न कृषि भूमियों खसरा नम्बर 12 से 23 खाता संख्या 10, रकबा 18 बीघा 11 बिस्वा खसरा नम्बर 7 खाता संख्या 35 रकबा 2 बीघा 18 बिस्वा, खसरा नम्बर 11 खाता संख्या 34 रकबा 12 बीघा 17 बिस्वा, एवं ग्राम श्रीरामगोपालपुरा उर्फ भोज्यावास, पटवार क्षेत्र-भांकरोटा कलां, भू.अभि.नि.क्षेत्र सांगानेर, तहसील सांगानेर, जिला जयपुर स्थित विभिन्न कृषि भूमियों खसरा नम्बर 32 से 35, 266 खाता संख्या 112 रकबा 1.9900 हैक्टेयर खसरा नम्बर 46, 47 खाता संख्या 46 रकबा 2.9400 हैक्टेयर, खसरा नम्बर 44 खाता संख्या 34 रकबा 0.7400 हैक्टेयर, खसरा संख्या 45 खाता संख्या 54 रकबा 0.8800 हेक्टेयर, खसरा नम्बर 38, 40, 65 से 70 खाता संख्या 94 रकबा 4.4100 हेक्टेयर, खसरा नम्बर 36 खाता तख्या 111 रकबा 0.2400 हैक्टेयर जो शान्ति, देवी प्रकाश, पुरुषोत्तम, शिव शंकर, राजेन्द्र पत्नि व पुत्र स्वर्गीय सीताराम निवासी ग्राम श्रीरामगोपालपुरा उर्फ भोज्यावास, तहसील-सांगानेर, जिला-जयपुर की खातेदारी (हिस्सा) की है को जरिये मुखत्यार राधामोहन शर्मा पुत्र श्री दुर्गा सहाय, निवासी- महर्षि आश्रम, ग्राम सिरसी, जिला जयपुर द्वारा मेरे अभिभाष्य श्री अरविन्द गोटेवाला पुत्र स्व. श्री श्रीराम गोटेवाला, निवासी बी-7, शिव मार्ग, बनीपार्क, जयपुर-302016, को विक्रय करना तय कर अग्रिम प्रतिफल की राशियां समय-समय पर प्राप्त की हुई है एवं मेरे अभिभाष्य को अभी ज्ञात हुआ है कि उक्त व्यक्ति उक्त कृषि सम्पदाओं को मेरे अभिभाष्य से किये गये करार के तथ्यों को छिपाकर अन्य व्यक्तियों, संस्थाओं को विक्रय / हस्तान्तरित करने को प्रयासरत है जो गैर कानूनी है। अतः हर खास या आम को सूचित किया जाता है कि उक्त कृषि भूमियों के बारे में किसी प्रकार का कोई स्वामित्व अन्तरण सम्बन्धी करार / डवलपमेन्ट करार करने से प्रतिबन्धित रहे अन्यथा मेरे अभिभाष्य के अधिकारों के विरूद्ध किया गया अन्य कोई भी करार शुन्य होगा एवं सम्बन्धित व्यक्ति / संस्था उसके लिए स्वयं उत्तरदायी होंगे।

(गिरधारी लाल शर्मा) एडवोकेट, मो.9982222408

आम सूचना

आम सूचना सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आराजी खसरा नंबर 1191/55 रकबा 0.5311 हेक्टेयर वाके ग्राम फुलेरा, पटवार हल्का फुलेरा, भूअनि फुलेरा, तहसील फुलेरा, जिला जयपुर में स्थित है। उक्त आराजीयात में मेरे अभिभाष्य प्यारेकिशन शर्मा पुत्र बालकिशन शर्मा जाति ब्राह्मण निवासी सा. ए-1 एलबीएस कॉलोनी, बिचून रोड, फुलेरा का 1/2 हिस्सा है और मेरे अभिभाष्य ने उक्त आराजीयात के सम्बन्ध में अपनी ओर से किसी भी व्यक्ति को बेचान के लिए अधिकृत नहीं कर रखा है। उनकी रजिस्ट्री करवाने के लिए मेरा अभिभाष्य जिम्मेदार नहीं है। इसके अलावा मेरे अभिभाष्य ने जिन भूखण्डों की रजिस्ट्री करवायी है उन भूखण्डो को वापिस लेने के लिए तैयार है एवं उनकी प्रतिफल राशि लौटाने के लिए तैयार व तत्पर है। सूचित रहे।

अजय सिंह, एडवोकेट अधि. न्यायालय सांभरलेक एवं राज.उच्च न्यायालय जयपुर 9261460489

आम सूचना

आम सूचना यह कि मेरे अभिभाष्य की सगी बहिन स्व. लक्ष्मी मीना पुत्री श्री जीवन मीना की अचल सम्पति आवासीय भूखण्ड वाके क्रिश्चन कॉलोनी, श्याम नगर काचरोदा, तहसील फुलेरा, जिला जयपुर (राज.) में स्थित है। जिसकी साईज (82'9"+61'2")/2x(46'4"+51'0")/2=390.00 वर्गगज है। जिसका पट्टा क्रमांक 1195 है। जिस पर लक्ष्मी मीना ने भारतीय स्टेट बैंक, शाखा फुलेरा, जिला जयपुर से ऋण ले रखा था। जिनकी दिनांक 10.01.2020 को मृत्यु हो चुकी है, यह कि मेरे अभिभाष्य श्री भोले शंकर मीना पुत्र श्री जीवन मीना निवासी क्रिश्चन कॉलोनी, श्याम नगर काचरोदा, तहसील फुलेरा, जिला जयपुर (राज.) की बहिन ने अपने जीवन काल में ही उक्त अचल सम्पत्ति का वसीयतनामा दिनांक 15.02.2010 हो निष्पादित कर दिया था। उक्त वसीयतनामा मृतक की अन्तिम वसीयत समझी जायेगी। यदि किसी व्यक्ति या मृतक के विधिक उत्तराधिकारीयो, वारिसों या अन्य रिश्तेदारो को उक्त वसीयत के बारे मे कोई आपत्ति हो तो 7 दिवस मे मय दस्तावेज मेरे अभिभाष्य से या उक्त बैंक से सम्पर्क करे अन्यथा 7 दिवस पश्चात उक्त सम्पति के मूल दस्तावेज अभिभाष्य श्री भोलेशंकर मीना को वसीयत के आधार पर सुपुर्द कर दिये जायेगें।

गणेश कुमावत, एडवोकेट, शाकम्भरी कन्सल्टेन्सी-सर्विसेज, नगरपालिका के सामने, सांभर रोड़, फुलेरा

उद्घोषणा (इश्तिहार) न्यायालय (राज.)

व्यवहार मिश्रित (मुत्तफरिक) वाद सं. 150/23

विषय- उत्तराधिकार प्रमाण-पत्र प्रोबेट, लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन प्राप्त करने हेतु प्रार्थना-पत्र।

प्रार्थी नाम तारा शंकर शर्मा पुत्र श्री देवकी नन्दन जाति ब्राह्मण

विवाद स्थान 4665, कुन्दीगर भैरू का रास्ता, जौहरी बाजार, जयपुर

मृतक श्रीमति अंशु शर्मा की सम्पत्ति के विषय में।

पेशी दिनांक- 27.02.24

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त प्रार्थी/प्रार्थीगण ने इस न्यायालय में इस आशय का प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया है कि मृतक, नाम श्रीमति अंशु शर्मा पत्नी तारा शंकर शर्मा जाति ब्राह्मण निवासी 4665, कुन्दीगर भैरू का रास्ता, जौहरी बाजार, जयपुर का उत्तराधिकारी स्वीकार कर उसके पक्ष में उत्तराधिकार प्रमाण पत्र, प्रोबेट, लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन, प्रदान किया जावें।

अतः उक्त प्रार्थना-पत्र की स्वीकृति में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह इस न्यायालय में दिनांक 27 माह 02 सन् 2024 को न्यायालय में उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रमाण सहित प्रस्तुत करें। उक्त दिवस के पश्चात् कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

आज दिनांक 12 माह 01 सन् 2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय मुद्रांकन से जारी किया गया।

मोहर अदालत

आज्ञा से-वरिष्ठ मुंसरिम
जिला एवं सैशन न्यायालय
जयपुर महानगर-द्वितीय

उद्घोषणा (इश्तिहार) न्यायालय (राज.)

व्यवहार मिश्रित (मुत्तफरिक) वाद सं. 22/2023

विषय- उत्तराधिकार प्रमाण-पत्र प्रोबेट, लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन प्राप्त करने हेतु प्रार्थना-पत्र।

प्रार्थी नाम श्री भवानी सिंह मीणा पुत्र स्व.श्री रामेश्वर प्रसाद मीणा जाति मीणा

विवाद स्थान सी 07, आशीष विहार, आर.बी.आई. कॉलोनी, जगतपुरा जयपुर (राज.)

मृतक स्व.रामेश्वर प्रसाद मीणा की सम्पत्ति के विषय में।

पेशी दिनांक-........

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त प्रार्थी/प्रार्थीगण ने इस न्यायालय में इस आशय का प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया है कि मृतक, नाम रामेश्वर प्रसाद मीणा पुत्र स्व.श्री नानग्या मीणा उर्फ नानगराम मीणा जाति मीणा निवासी सी 07, आशीष विहार, आर.बी.आई. कॉलोनी, जगतपुरा जयपुर (राज.) का उत्तराधिकारी स्वीकार कर उसके पक्ष में उत्तराधिकार प्रमाण पत्र, प्रोबेट, लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन, प्रदान किया जावें।

अतः उक्त प्रार्थना-पत्र की स्वीकृति में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह इस न्यायालय में दिनांक 22 माह 02 सन् 2024 को न्यायालय में उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रमाण सहित प्रस्तुत करें। उक्त दिवस के पश्चात् कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

आज दिनांक 12 माह 02 सन् 2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय मुद्रांकन से जारी किया गया।

मोहर

आज्ञा से-शरिस्तेदार
अपर जिला एवं सैशन न्यायाधीश, संख्या 10,
जयपुर महानगर प्रथम न्यायालय सांगानेर

सम्मन बनाम कायम मुकाम

(आर्डर 22 रूल 4 जाब्ता दीवानी)

अज अदालत अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश क्रम-10 सांगानेर, जयपुर महानगर प्रथम

मंदिर श्री श्यामजी बनाम श्री प्रकाश व अन्य

दावा बाबत-स्थाई निषेधाज्ञा

मुकदमा नम्बर-392/2013

बनामः- मुसम्मी :- CIS 9/2020

(1) 19/6 राधा पुत्री स्व. सीताराम जाति अहीर निवासी ग्राम गुन्दी, तहसील फागी जिला जयपुर-राज.
(2) 22/4 बबू बाई पुत्री स्व. रामस्वरूप जाति बागडा ब्राह्मण निवासी केसरी सिंह पुरा, पोस्ट महलां, जिला जयपुर।
(3) 10/2 नन्दलाल पुत्र चौथमल, जाति ब्राह्मण निवासी मकान नंबर 36 व 37, इंजीनियर कॉलोनी, आम्रपाली, वैशाली नगर, जयपुर।
(4) 10/3 दिनेश पुत्र चौथमल, जाति ब्राह्मण निवासी बागडों का मोहल्ला, बगरू जिला जयपुर हाल निवासी 26-ए, आर.एस.ई.बी. कॉलोनी, वैशाली नगर, जयपुर-राज.
(5) 10/4 मुरलीधर पुत्र चौथमल, जाति ब्राह्मण हाल निवासी 26-ए, आरएसईबी कॉलोनी, वैशाली नगर, जयपुर।
(6) 10/5 अशोक पुत्र चौथमल, जाति ब्राह्मण निवासी मकान नंबर 36-37, इंजीनियर कॉलोनी, आम्रपाली सर्किल, वैशाली नगर, जयपुर हाल निवासी 26-ए, आरएसईबी कॉलोनी, वैशाली नगर, जयपुर-राज.
(7) 10/6 भानुप्रकाश पुत्र चौथमल, जाति ब्राह्मण निवासी 36-37, इंजीनियर्स कॉलोनी, आम्रपाली सर्किल, वैशाली नगर, जयपुर हाल निवासी 26-ए, आरएसईबी कॉलोनी, वैशाली नगर, जयपुर-राज.
(8) 10/7 सुमित्रा पुत्री चौथमल, जाति ब्राह्मण निवासी बागडों का मोहल्ला, बगरू जिला जयपुर हाल निवासी 26-ए, आरएसईबी कॉलोनी, वैशाली नगर, जयपुर।
(9) 10/8 पार्वती पुत्री चौथमल, जाति ब्राह्मण निवासी बागडों का मोहल्ला, बगरू तहसील सांगानेर जिला जयपुर हाल 26-ए, आरएसईबी कॉलोनी, वैशाली नगर, जयपुर।

चूंकि प्रार्थी ने इस अदालत में तारीख........माह......सन्..... को 1. मंदिर श्री श्यामजी- बनाम- 2. श्री प्रकाश व अन्य दायर की जो कि बाद में फौत हो गया और चूंकि आज मजकूर के दरख्वास्त अदालत हाजा में यह जाहिर करने को आप मुतवफ्फी (1) स्व. रामस्वरूप (2) स्व. सीताराम (3) स्व. चौथमल मजकूर के कायम मुकाम जायज हो और इस्तदुआ की है बजाय उसके आप 3. प्रतिवादी संख्या 10/2 लगायत 10/8, 19/6, 22/4 बनाये जावे।

लिहाजा बजरिये हाजा बगर्ज जवाबदेही उपरोक्त पक्षकारान 14 माह 02 सन 2024 को अदालत हाजा में हाजिर होने के लिए तलब किया जाता है और तारीख मुकर्रर पर आपके हाजिर न होने पर मुकदमा आपकी गैरहाजरी में सुना व फैसल किया जायेगा।

बसब्त मेरे दस्तखत व मुहर अदालत के आज तारीख 09-02-2024 को जारी किया गया। मोहर

सम्मन बनाम कायम मुकाम

(आर्डर 22 रूल 4 जाब्ता दीवानी)

अज अदालत अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश क्रम-10 सांगानेर, जयपुर महानगर प्रथम

मंदिर श्री श्यामजी बनाम श्री प्रकाश व अन्य

दावा बाबत-अस्थाई निषेधाज्ञा

मुकदमा नम्बर-13/2014

बनामः- मुसम्मी :- CIS 7/2020

(1) 19/6 राधा पुत्री स्व. सीताराम जाति अहीर निवासी ग्राम गुन्दी, तहसील फागी जिला जयपुर-राज.
(2) 22/4 बबू बाई पुत्री स्व. रामस्वरूप जाति बागडा ब्राह्मण निवासी केसरी सिंह पुरा, पोस्ट महलां, जिला जयपुर।
(3) 10/2 नन्दलाल पुत्र चौथमल, जाति ब्राह्मण निवासी मकान नंबर 36 व 37, इंजीनियर कॉलोनी, आम्रपाली, वैशाली नगर, जयपुर।
(4) 10/3 दिनेश पुत्र चौथमल, जाति ब्राह्मण निवासी बागडों का मोहल्ला, बगरू जिला जयपुर हाल निवासी 26-ए, आर.एस.ई.बी. कॉलोनी, वैशाली नगर, जयपुर-राज.
(5) 10/4 मुरलीधर पुत्र चौथमल, जाति ब्राह्मण हाल निवासी 26-ए, आरएसईबी कॉलोनी, वैशाली नगर, जयपुर।
(6) 10/5 अशोक पुत्र चौथमल, जाति ब्राह्मण निवासी मकान नंबर 36-37, इंजीनियर कॉलोनी, आम्रपाली सर्किल, वैशाली नगर, जयपुर हाल निवासी 26-ए, आरएसईबी कॉलोनी, वैशाली नगर, जयपुर-राज.
(7) 10/6 भानुप्रकाश पुत्र चौथमल, जाति ब्राह्मण निवासी 36-37, इंजीनियर्स कॉलोनी, आम्रपाली सर्किल, वैशाली नगर, जयपुर हाल निवासी 26-ए, आरएसईबी कॉलोनी, वैशाली नगर, जयपुर-राज.
(8) 10/7 सुमित्रा पुत्री चौथमल, जाति ब्राह्मण निवासी बागडों का मोहल्ला, बगरू जिला जयपुर हाल निवासी 26-ए, आरएसईबी कॉलोनी, वैशाली नगर, जयपुर।
(9) 10/8 पार्वती पुत्री चौथमल, जाति ब्राह्मण निवासी बागडों का मोहल्ला, बगरू तहसील सांगानेर जिला जयपुर हाल 26-ए, आरएसईबी कॉलोनी, वैशाली नगर, जयपुर।

चूंकि प्रार्थी ने इस अदालत में तारीख........माह......सन्..... को 1. मंदिर श्री श्यामजी- बनाम- 2. श्री प्रकाश व अन्य दायर की जो कि बाद में फौत हो गया और चूंकि आज मजकूर के दरख्वास्त अदालत हाजा में यह जाहिर करने को आप मुतवफ्फी (1) स्व. रामस्वरूप (2) स्व. सीताराम (3) स्व. चौथमल मजकूर के कायम मुकाम जायज हो और इस्तदुआ की है बजाय उसके आप 3. प्रतिवादी संख्या 10/2 लगायत 10/8, 19/6, 22/4 बनाये जावे।

लिहाजा बजरिये हाजा बगर्ज जवाबदेही उपरोक्त पक्षकारान 14 माह 02 सन 2024 को अदालत हाजा में हाजिर होने के लिए तलब किया जाता है और तारीख मुकर्रर पर आपके हाजिर न होने पर मुकदमा आपकी गैरहाजरी में सुना व फैसल किया जायेगा।

बसब्त मेरे दस्तखत व मुहर अदालत के आज तारीख 09-02-2024 को जारी किया गया। मोहर

नाम परिवर्तन

मैंने अपना नाम रवि कुमार शर्मा पुत्र राम प्रसाद से बदलकर रवि शर्मा पुत्र राम प्रसाद शर्मा रख लिया है भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जाए। रवि शर्मा जयपुर मो.8502882557

मैं सोयल तिवारी, पत्नी आर्मी नंबर 15177969P, नायक अरुण कुमार तिवारी यूनिट 199 मीडियम रेजिमेंट, मेरे पति के सैन्य दस्तावेज में मेरा नाम सोयल ए तिवारी है जो गलत है, मेरा असली नाम सोयल तिवारी है।

मै रेनू यादव W/o आर्मी नंबर 15150371A हवलदार कृष्णा कुमार यादव यूनिट 199 मीडियम रेजिमेंट मेरे पति के सैन्य दस्तावेज में मेरा नाम रेनू है जो की गलत है। मेरा वास्तविक नाम रेनू यादव सही है

मै जयश्री बापुराव कदम W/o आर्मी नंबर 15213893N हवलदार कदम बापुराव यूनिट 199 मीडियम रेजिमेंट मेरे पति के सैन्य दस्तावेज में मेरा नाम भुजबल जयश्री है जो की गलत है। मेरा वास्तविक नाम जयश्री बापुराव कदम सही है।

मै वैभव पाण्डेय पुत्र राजेश कुमार पाण्डेय, आर्मी नम्बर 15176697N नायक राजेश कुमार पाण्डेय 199 मीडियम रेजीमेंट, मेरे पिता के सैन्य दस्तावेज में मेरा नाम वैभव पाण्डेय (Vaibhao Pandey) है जो गलत है। मेरा सही नाम (Vaibhav Pandey) है।

मै प्रियंका पाण्डेय पत्नि राजेश कुमार पाण्डेय, आर्मी नम्बर 15176697N नायक राजेश कुमार पाण्डेय 199 मीडियम रेजीमेंट, मेरे पति के सैन्य दस्तावेज में मेरा नाम प्रियंका चौबे (Priyanka Choube) है जो गलत है। मेरा सही नाम Priyanda Pandey है।

खोया पाया

नेशनल हाऊसिंग कॉ-ऑपरेटिव सोसायटी लि. की आवासीय योजना-योजना संख्या 2 देवरी, गोपालपुरा बाईपास, जयपुर के भूखण्ड संख्या 44, की सोसायटी द्वारा जारी रसीद कही गुम हो गई है। मिलने पर सूचित करें।- निरंजन कुमार शर्मा - मोबाईल नम्बर 6376916289

आवास संख्या 112/436 मानसरोवर जयपुर का आवंटन पत्र व हैण्डिग ओवर टेकन ओवर पत्र गिर / गुम हो गया मिलने पर सूचित करे। हंसा मो. 9694587715

विक्रय पत्र दिनांक 31/12/2008 चावंड का मड तहसील जमवारामगढ जयपुर में रजिस्टर्ड है जिसकी रसीद संख्या 2008001971 यह विक्रय पत्र नारायणी देवी ने मोहन लाल और ताराचंद को सेल डीड कि थी जो कि तुलसी देवी से जमवारामगढ से जयपुर के बीच गिर गया है।

तोपखाना देश गृह निर्माण सहकारी समिति की योजना -स्कीम न.1 फेज-।।। सेट्रल कॉलोनी के प्लाट नम्बर -9 और 10 रोड न 8 सीकर रोड जयपुर का सोसायटी से जारी साईट प्लान जयपुर में खो गया है सूचित करे - सुरेश चन्द सैनी रामस्वरूप सैनी श्रीमती चम्पा देवी -8209746324

मेरी शिक्षण संस्थान के रजिस्ट्रेशन प्रमाण पत्र 627 / 2013-14, विधान नियमावली व अन्तिम कार्यकारिणी की मूल प्रति कहीं गुम हो गई है। किसी को मिले तो सूचित करें। एस.आर. शिक्षण एवं विकास संस्थान कांसेल फागी जिला जयपुर। सचिव : श्योराज कुम्हार 99509 23795

मेरे फ्लेट नं. 106 सहयोग अपार्टमेन्ट, टॉवर-2, विधाधर नगर, जयपुर का मूल साइट प्लान रजिस्ट्री दिनांक 07.11.2023 कहीं गुम हो गया है। मिलने पर सूचित करें मो. न. 7378158532 कमला देवी

संक्षिप्त

प्रभुलाल सैनी को मातृशोक

देवली, (निसं)। प्रदेश भाजपा के पूर्व कृषि मंत्री व पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. प्रभुलाल सैनी की माता लाली देवी का सोमवार रात को 94 वर्ष की उम्र में निधन हो गया है। जानकारी के अनुसार

स्वर्गीय लाली देवी

सैनी की माता लाली देवी पिछले कुछ दिनों से अस्वस्थ चल रही थी। जिन्होंने बीती रात अंतिम सांस ली और देवलोकगमन हो गई। लाली देवी के चार पुत्र पूर्व मंत्री प्रभुलाल सैनी, कैलाश सैनी, रमेश सैनी, गोवर्धन सैनी है। डॉ. सैनी इनमें सबसे बड़े पुत्र है जबकि लाली देवी के दो पुत्रियां मोत्या व कैलाशी भी है। इसके अलावा लाली देवी अपना भरा पूरा परिवार छोड़कर गई है। लाली देवी के निधन से आंवा समेत देवली उपखंड क्षेत्र के लोगों में शोक की लहर फैल गई है। स्वर्गीय लाली देवी की अंतिम यात्रा सुबह 10 बजे आवा स्थित आवास से मोक्षधाम के लिए रवाना हुई। स्वर्गीय लाली देवी के अंतिम संस्कार में भाजपा नेता अपूर्ण विधायक अजीत मेहता, सतीश चंदेल समेत आसपास के सैकडों जनप्रतिनिधि व शहरी और ग्रामीण क्षेत्र के लोग शामिल हुए।

पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित

मनोहरपुर, (निसं)। शाहपुरा बाबा गंगा दास महिला महाविद्यालय में पौध रोपण कार्यक्रम आयोजित हुआ। महाविद्यालय के संकाय सदस्यों ने जन्मदिवस को खास बनाने पर पौध रोपण कार्यक्रम आयोजित हुआ एवं पेड़ को गोद लेकर रखरखाव की जिम्मेदारी ली। मंगलवार को महाविद्यालय पर प्राचार्य नरेश कुमार मीणा के मुख्य आतिथ्य में पौध रोपण कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम में प्राचार्य नरेश कुमार मीणा, डॉक्टर लतिका पांडे, डॉक्टर पुष्पा अग्रवाल, हेमंत चतुर्वेदी, डॉक्टर भानाराम जाट, अर्जुन लाल जाट, डॉक्टर राकेश कपूरिया, डॉक्टर ज्योत्स्ना, डॉक्टर राजेश बेनीवाल, डॉक्टर ओमप्रकाश शर्मा, सत्यनारायण गुप्ता आदि संकाय सदस्य एंव महाविद्यालय की छात्राएं मौजूद रही।

प्रतिभावानों को किया सम्मानित

कोटपूतली, (निसं)। कस्बा स्थित राजकीय उच्च प्राथमिक विधालय भुतेश्वर में मंगलवार को वार्षिकोत्सव, प्रतिभावान छात्र व भामाशाह सम्मान समारोह का आयोजन सीबीईओ भागीरथ मीणा के मुख्य आतिथ्य में हुआ। अध्यक्षता राजकीय सरदार विधालय की प्रधानाचार्या मनोरमा यादव ने की। इस दौरान प्रतिभावान विधार्थियों समेत भामाशाह बिड़दीचंद सैनी व प्रहलाद सैनी एवं एसएमसी कमेटी सदस्यों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में विधार्थियों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी। शाला प्रधान सुनीता यादव ने अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

प्रजापति समाज का विवाह सम्मेलन आज

फुलेरा, (निसं)। कस्बे के निकटवर्ती धार्मिक स्थल भन्दे बालाजी मन्दिर परिसर की श्री ब्रह्मा प्रजापति समाज की धर्मशाला में प्रजापति समाज विकास एवं विवाह समिति के तत्वावधान में आयोजित समाज का दशम् विवाह सम्मेलन संपन्न होगा। उपरोक्त जानकारी देते हुए समिति के अध्यक्ष हुकमाराम प्रजापति ने बताया कि उक्त सम्मेलन के लिए समाज के 26 जोड़ों का पंजीकरण किया है। जिनका बुधवार को बसंत पंचमी के पावन पर्व पर प्रजापति समाज के हजारों महानुभावों के समक्ष विवाह सम्पन्न करवाया जायेगा।

डी.एस.पी. जितेन्द्र सिंह को बधाई दी

टोंक, (निसं)। रेल लाओ संघर्ष समिति के अध्यक्ष, अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार एसोसिएशन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अकबर खान ने शहर कोतवाल जितेन्द्र सिंह चारण का पुलिस निरीक्षक से पुलिस उप-अधीक्षक पद पर पदोन्नत होने पर उन्हें माला पहनाकर एवं मिठाई खिलाकर गुलदस्ता भेंट कर बधाई दी।

कलेक्टर से की शिष्टाचार भेंट

कोटपूतली, (निसं)। जिला कलेक्टर कल्पना अग्रवाल से मंगलवार को युवा नेता जयसिंह पायला व दीपक गुर्जर ने शिष्टाचार भेंट की। पायला व गुर्जर ने जिला कलेक्टर का पुष्प गुच्छ भेंटकर अभिनंदन किया। इस दौरान बाबूलाल छेपट समेत अन्य मौजूद रहे।

शहीद के नाम पर गोविंदपुरा में खुलेगा पी.एच.सी. : भजनलाल शर्मा

■ शाहपुरा के गोविंदपुरा (बासड़ी) में शहीद रोहिताश लांबा की मूर्ति अनावरण समारोह

जयपुर, (निसं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार किसान, युवा एवं सैनिक कल्याण के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। हमारी सरकार ने अपने पहले बजट में किसानों को देय सम्मान निधि की राशि 2 हजार रूपए बढ़ाकर 8 हजार करने एवं गेहूं के न्यूनतम समर्थन मूल्य पर प्रति क्विंटल 125 रूपए का अतिरिक्त बोनस देने जैसे महत्वपूर्ण निर्णय किए हैं।

मुख्यमंत्री शर्मा मंगलवार को शाहपुरा के गोविंदपुरा (बासड़ी) में शहीद रोहिताश लांबा की मूर्ति अनावरण के अवसर पर आयोजित जनसभा को संबोधित कर रहे थे। शहीद लांबा को नमन करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि पुलवामा आतंकी हमले में अपने प्राण न्यौछावर करने वाले इस बेटे को देश हमेशा याद रखेगा। मातृभूमि की रक्षा के लिए उनके बलिदान की कीमत नहीं आंकी जा सकती है। वे देश व प्रदेश के युवाओं के लिए प्रेरणा के स्त्रोत है। इस अवसर पर उन्होंने गोविंदपुरा (बासड़ी) में शहीद रोहिताश लांबा के नाम पर प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र खोलने एवं 500 मीटर सड़क के निर्माण की घोषणा भी की। मुख्यमंत्री ने शहीद रोहिताश लांबा की मूर्ति का अनावरण एवं पट्टी का भी लोकार्पण किया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शाहपुरा के गोविंदपुरा (बासड़ी) में शहीद रोहिताश लांबा की मूर्ति का अनावरण किया।

सीएम ने कहा कि राज्य सरकार अंत्योदय के विचार को केन्द्र में रखकर कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से आमजन को भरपूर राहत प्रदान कर रही है। हमारी सरकार प्रदेश की महिलाओं को 450 रूपए में सिलेंडर उपलब्ध करवाकर आर्थिक राहत पहुंचा रही है साथ ही, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के मानदेय में 10 प्रतिशत की वृद्धि भी की गई है। उन्होंने कहा कि प्रदेश को गैंगवार से मुक्त करने की दिशा में राज्य सरकार सख्त कदम उठा रही है। इस संबंध में एंटी गैंगस्टर टास्कफोर्स गठित की गई है एवं जेलों का सघन निरीक्षण भी किया जा रहा है। उप मुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा ने कहा कि हमें अपने सुरक्षा बलों पर गर्व है कि वे दिन-रात देश की सीमाओं पर मुस्तैद रहकर हमारी रक्षा करते हैं। उनके त्याग एवं समर्पण और मातृभूमि की रक्षा करने वाली भावना से आज के युवा प्रेरणा लें। इस दौरान कृषि मंत्री किरोड़ी लाल मीणा एवं नगरीय विकास मंत्री झाबरमल खर्रा ने भी समारोह को संबोधित किया।

इस अवसर पर विधायक कुलदीप धनखड़, जिला प्रमुख रमा देवी चौपड़ा, पूर्व विधानसभा उपाध्यक्ष राव राजेन्द्र सिंह, पूर्व विधायक रामलाल शर्मा, सीआरपीएफ महानिरीक्षक विक्रम सहगल सहित वीरांगनाओं और उनके परिजन तथा आमजन समारोह में उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री शर्मा ने वीरांगनाओं को शॉल पहनाकर एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित भी किया।

अविनाश गहलोत का दौसा में स्वागत

दौसा, (निसं)। प्रदेश के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत ने दौसा जिले के एक दिवसीय दौरे के दौरान पत्रकारों से रूबरू होते हुए कहा कि स्कॉलरशिप घोटाले को लेकर उनके विभाग द्वारा कई संस्थाओं को ब्लैक लिस्ट करने के साथ अधिकारियों पर कड़ी कार्रवाई की है एवं आगे भी अनियमित पाए जाने पर कार्रवाई जारी रहेगी। मंत्री गहलोत ने कहा कि स्कॉलरशिप घोटाले के दोषियों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत मंगलवार को दौसा जिले के दौरे पर रहे। जहां कलेक्ट्रेट चौराहे पर सिकराय विधायक विक्रम बंशीवाल और युवा बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष भूपेंद्र सैनी के नेतृत्व में भाजपा कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। मंत्री गहलोत ने मेहंदीपुर बालाजी मंदिर पहुंचकर दर्शन किए। जहां सिद्धपीठ के महंत नरेश पुरी महाराज ने उनका स्वागत कर मंगल दर्शन कराए। इसके बाद मंत्री अविनाश गहलोत द्वारा भाजपा के पदाधिकारी कार्यकर्ताओं से मुलाकात की एवं क्षेत्र के बारे में चर्चा की गई।

प्यार का दिन यानि 'वेलेंटाइन-डे' सिर्फ इंसान ही नहीं पक्षी भी मनाते हैं। कुछ ऐसा ही नजारा सोमवार को आमेर की पहाड़ियों में दिखा। यहां एक मोर पंख फैलाकर मोरनियों के सामने नृत्य करके उन्हें रिझाता नजर आया, मानो कह रहा हो, ''प्रिय! ये नाच और ये दिन दोनों सिर्फ तुम्हारे लिए है। मोर के इस नृत्य प्रेम को देखकर ऐसा लगा कि जैसे 'वेलेंटाइन डे' अब मनुष्य ही नहीं पंछी भी मनाने लगे है। : दिनेश भारद्वाज

दिव्यांगों की पेंशन राशि तीन हजार, आरक्षण 10 फीसदी करने की मांग

■ 11 सूत्रीय मांगों की समस्याओं को लेकर बैठक आयोजित, सौंपा ज्ञापन

टोंक, (निसं)। राष्ट्रीय विकलांग मंच शाखा राजस्थान विकलांग मंच इकाई टोंक दिव्यांगों की 11 सूत्रीय मांगों की समस्याओं को लेकर मंगलवार को गांधी पार्क में बैठक आयोजित की गई। तत्पश्चात रैली के रूप में जिला कलेक्ट्रेट कार्यालय पहुंचकर मुख्यमंत्री के नाम कार्यवाहक एडीएम को ज्ञापन सौंपा।

जिलाध्यक्ष राजेश दाधीच, उपाध्यक्ष हरिनारायण, गोवर्धन लाल जाट, मुकेश चौधरी, लेखराज महावर, देवेन्द्र कुमार महावर, विनोद लक्षकार, आशीष बैरवा, देवलाल गुर्जर, पूरणमल सैनी, सोभाग वर्मा, रमजानी एवं सुरेन्द्र सैनी आदि ने ज्ञापन में बताया कि राजस्थान विकलांग मंच सरकार द्वारा संचालित योजनाओं में आ रही समस्याओं को लेकर संघर्षरत रहा है। वर्तमान समय में आ रही समस्या से अवगत करवाया जा रहा है, जिनका समाधान किया जावे जिससे विकलांग वर्ग को राहत प्रदान की जा सके। दिव्यांगजनों को मिलने वाली पेन्शन राशि एक हजार रूपये बढ़ाकर तीन हजार रूपये, मुख्यमंत्री दिव्यांग स्कूटी योजना में अधिकतम आयु सीमा 45 वर्ष की बाध्यता को हटाकर 55 वर्ष की जायें तथा एक परिवार में एक से अधिक दिव्यांग होने पर उन सभी को स्कूटी का लाभ मिलें।

दिव्यांगों का आरक्षण 4 प्रतिशत से बढ़ाकर 10 फीसदी किया जाए ताकि लाखों शिक्षित बेरोजगार दिव्यांग लोगों की शक्ति को देश हित में काम में लिया जा सकें और रोस्टर प्रणाली लागू की जायें साथ ही राज्य में सरकारी सेवाओं में विशेष योग्यजन भर्ती अभियान चलाकर भर्ती की जावें तथा रोजगार के सुअवसर प्रदान करने की व्यवस्था की जावें, राज्य सरकार दिव्यांगों को स्वरोजगार के लिए बस स्टैंड, कोर्ट कचहरी विभिन्न कार्यालयों व सार्वजनिक स्थानों पर दुकानें बनाकर आवंटित की जाए, मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना के अंतर्गत दिया जाने वाला ऋण ब्याज मुक्त किया जावें, दिव्यांगों को बिजली, पानी, कृषि कनेक्शन भूखण्ड आवंटन व भूखण्ड की रजिस्ट्री आदि सभी प्रकार की योजना में रियायत की जावें। दिव्यांगों को बीपीएल योजना में शामिल किया जावें तथा प्रधानमंत्री आवास योजना में प्रथमिकता प्रदान की जावें।

विधायक पटेल ने बी.डी.एम. अस्पताल का निरीक्षण किया

■ व्याप्त गंदगी, बंद मशीनों समेत विभिन्न बिन्दुओं पर दिये जरूरी निर्देश

कोटपूतली, (निसं)। विधायक हंसराज पटेल ने मंगलवार को यहाँ के राजकीय बीडीएम जिला अस्पताल का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। पटेल ने जहाँ अस्पताल परिसर का दौरा कर वहाँ व्याप्त गदंगी को लेकर साफ-सफाई के सम्बंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिये।

वहीं अस्पताल के विभिन्न वार्डो में निरीक्षण कर वहां भर्ती मरीजों व उनके परिजनों से संवाद कर उनकी समस्यायें जानी। पटेल ने कहा कि अस्पताल में बंद पड़ी मशीनों को जल्द से जल्द शुरू किये जाने की कार्यवाही की जायें। वहीं खराब पडी मशीनों को दुरूस्त करवाने को लेकर उसकी सूचना उच्चाधिकारियों को भेजी जायें। इस सम्बंध में कोई भी परेशानी है तो उसके निस्तारण में हर सम्भव सहयोग करेंगें। विधायक पटेल ने पीएमओ डॉ. सुमन यादव को यह भी निर्देशित किया कि ड्यूटी टाईम में अनुपस्थित रहने वाले चिकित्सकों, नर्सिंगकर्मियों व अन्य स्टॉफ सदस्यों की लापरवाही किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जायें।

अस्पताल प्रबंधन मरीजों की भलाई के लिए कार्य करें, उन्हें कोई भी परेशानी नहीं होने दी जायेगी। इस दौरान उन्होंने अस्पताल परिसर में संचालित श्री अन्नपूर्णा रसोई में भोजन कर खाने की गुणवत्ता को जाँचा। इस मौके पर एडीएम योगेश कुमार डागुर व पीएमओ डॉ. सुमन यादव समेत अन्य मौजूद रहे।

मुख्य सचिव ने जल भराव की समस्या पर अधिकारियों के साथ बैठक की

■ सीवर लाइन एवं घरेलू कनेक्शन से संबंधित कार्य तुरंत पूर्ण करने के निर्देश दिए

किशनगढबास/भिवाडी, (निसं)। कांग्रेस राज में नव गठित खैरथल-तिजारा जिले के अंतर्गत आने वाले प्रदेश के प्रमुख औद्योगिक क्षेत्र भिवाडी में दूषित जल भराव की समस्या के समाधान को लेकर मुख्य सचिव सुधांशु पंत की अध्यक्षता में उच्च स्तरीय अधिकारियों की बैठक की गई।

बैठक में खैरथल तिजारा जिला कलेक्टर हनुमान मल ढाका प्रमुख शासन सचिव उघोग एवं वाणिज्य अजिताभ शर्मा, प्रमुख शासन सचिव नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन विभाग टी रविकांत व सुश्री सलोनी खेमका मुख्य कार्यकारी अधिकारी बीड़ा उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय राजमार्ग 48 पर राजस्थान की सीमा पर स्थित खैरथल तिजारा जिले के राजस्थान के प्रमुख औद्योगिक क्षेत्र भिवाडी में हरियाणा धारुहेडा के नजदीक भिवाडी की पुरानी जल भराव की समस्या के समाधान को लेकर प्रमुख शासन सचिव अजिताभ शर्मा ने कहा भिवाड़ी क्षेत्र में औद्योगिक इकाइयों एवं घरों से निकलने वाले दूषित जल के शोधन हेतु संचालित सीईटीपी एवं एसटीपी को आदर्श रूप से संचालित करने एवं शोधित जल के उचित उपयोग एवं डिस्चार्ज हेतु सतत निगरानी किए जाने की नितांत आवश्यकता है।

भिवाड़ी में जल भराव की समस्या पर मुख्य सचिव सुधांशु पंत ने अधिकारियों की बैठक ली।

प्रमुख शासन सचिव, नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन विभाग टी. रविकान्त ने बताया कि नगर परिषद्, भिवाडी द्वारा वर्तमान में घरेलू दूषित पानी के शोधन हेतु 9.5 एमएलडी क्षमता के 4 एसटीपी संचालित हो रहे है। प्रतिदिन 7 एमएलडी से अधिक दूषित पानी का शोधन किया जा रहा है। अमृत-2 योजना के अन्तर्गत नगर परिषद्, भिवाडी द्वारा 34 एमएलडी क्षमता का नया एसटीपी लगाया जाना प्रक्रियाधीन है।

जिला कलेक्टर खैरथल-तिजारा हनुमान मल ढाका ने बताया कि भिवाडी क्षेत्र में जल भराव का मुख्य कारण शोधित जल का उचित उपयोग नहीं हो पाना है। शोधित जल की निकासी खुली नालियों के द्वारा होने के कारण इसमें कई स्थानों पर घरों एवं फैक्ट्रियों का दूषित जल भी मिला दिया जाता है। इससे जल शोधन की पूरी प्रक्रिया ही निष्प्रभावी हो जाती है।

भिवाडी में जल भराव की समस्या को देखते हुए मुख्य सचिव सुधांशु पंत ने अधिकारियों को निर्देश दिए की भिवाडी क्षेत्र में उपचारित औद्योगिक जल एवं सीवेज को प्राथमिकता से पुन: उपयोग में लेने के पश्चात अतिरिक्त जल को जलाशयों में छोड़ा जाना सुनिश्चित किया जाये। घरेलू शोधित जल का उपयोग बागवानी, कृषि कार्यो, सडकों पर छिडड़ाव एवं भवन निर्माण आदि में सुनिश्चित किया जाये।

अवैध शराब ले जाते एक गिरफ्तार

फुलेरा, (निसं)। स्थानीय क्षेत्र में आबकारी विभाग द्वारा एक ट्रक में मिल्क रस्क (टोस्ट) के कार्टनों की आड़ में एक जने को चंडीगढ़ ब्रांड की अवैध शराब परिवहन करते हुए गिरफ्तार किया है।

आबकारी थानाधिकारी व पेट्रोलिंग ऑफिसर नरेन्द्र सिंह सांजू ने उपरोक्त जानकारी देते हुए बताया कि आबकारी आयुक्त ओम प्रकाश कसेरा के आदेशों की पालना में अतिरिक्त आबकारी आयुक्त राकेश शर्मा, जयपुर ग्रामीण डीईओ अनिल यादव व जयपुर उपायुक्त ईपीएफ ज्ञान प्रकाश मीणा के निर्देशानुसार एवं जयपुर ग्रामीण एईओ, ईपीएफ कैलाश चौधरी सुपरविजन में अन्य राज्य की शराब के विरुद्ध कार्यवाही के दौरान सोमवार देर रात्रि में फुलेरा आबकारी थाना क्षेत्र में नाकाबंदी के दौरान एक 6 चक्का ट्रक में मिल्क रस्क (टोस्ट) के कार्टनों के नीचे छुपाकर चंडीगढ़ ब्रांड की अवैध अंग्रेजी शराब की 405 पेटियां जप्त करते हुए ट्रक चालक अभियुक्त प्रमोद कुमार पुत्र रामनाथ निवासी कबीरपुर पी एस निजामाबाद जिला आजमगढ़ (यूपी) को गिरफ्तार किया गया है। गौरतलब है कि उक्त कार्यवाही में सिपाही सुमेर सिंह, इन्द्र सिंह व बाबू लाल (एईओ कार्यालय) का विशेष सहयोग रहा।

सार-समाचार

महिलाओं को रोजगार देने की मांग

पावटा, (निसं)। घर में रसोई, बच्चों की देखभाल से लेकर दफ्तरों में कामकाज करने वाली अधिकतर महिलाएं आने वाले बजट को लेकर काफी उम्मीदें लगाए हुए हैं। बढती महंगाई में परिवार को चलाने के लिए ग्राम पंचायत पापडी की महिलाओं पूजा शर्मा, सावित्री देवी, सुनीता देवी, मनोहरी देवी, अनिता देवी, रजनी देवी, शारदा देवी, कमला देवी, विमला देवी सहित अन्य महिलाओं ने रोजगार उपलब्ध करवाने की मांग करते हुए कहाँ कि तमाम दावों के बावजूद पुरुषों के मुकाबले महिलाओं के पास अब भी रोजगार के अवसर कम हैं। इसलिए महिलाओं के लिए रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाये जाएं। वैसे तो महिला कोई प्रोफेशनल काम न करने के बावजूद चौबीस घंटे के लिए वर्किंग में रहती है। मगर मौजूदा दौर में केवल गृहिणी के रूप में रहकर परिवार का पालन पोषण करना आसान नहीं है, इसलिए सरकार ऐसी व्यवस्था करें कि 35 से 40 उम्र की गृहणी महिलाओं के लिए भी आसान प्रक्रिया से स्वरोजगार दिलाया जाए। महिलाओं के लिए लघु इकाइयां स्थापित हों, दैनिक कार्यों में निपुण महिलाओं के लिए अधिक से अधिक क्षेत्रों में लघु इकाइयां स्थापित की जाएं ताकि इनमें चार से पांच घंटे काम करके गृहिणी महिलाएं भी परिवार के लिए कुछ न कुछ इनकम जोड सके। इससे महिलाएं आत्मनिर्भर होंगी और लघु उद्योगों को बढावा मिलेगा।

किसान की करंट लगने से मौत

लालसोट, (निसं)। उपखंड के डिडवाना गांव में सोमवार को खेत में बिजली पोल से जुड़े सपोर्ट वायर की चपेट मे आने से कृषि कार्य करते समय करंट लगने से किसान सत्यनारायण शर्मा की मौत हो गई। आसपास के लोगों ने बेसुध पड़े किसान सत्यनारायण शर्मा को डिडवाना सीएचसी में उपचार के लिए दाखिल करवाया जहां चिकित्सकों द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण के बाद किसान को मृत घोषित कर दिया। किसान की मौत की सूचना के बाद लालसोट थाना पुलिस डिडवाना सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर पहुंचकर शव का मेडीकल बोर्ड से पोस्टमार्टम करवाकर किसान का शव परिजनों को सुपुर्द कर दिया। जानकारी के अनुसार डिडवाना के पाटी वाली ढाणी निवासी किसान सत्य नारायण शर्मा अपने खेत पर सिंचाई करने के लिए गए हुए थे जहां कृषि कार्य के दौरान विद्युत लाइन के लिए लगे पोल के सपोर्ट वायर में करंट आने की वजह से किसान तार की चपेट में आ गए। करंट लगने के बाद मौके पर ही बेसुध होकर जमीन पर गिर गए। कुछ समय बाद जब वहां से गुजरने वाले आसपास के लोगों ने किसान को डिडवाना सीएचसी में उपचार के लिए भर्ती करवाया। जैसे ही इसकी सूचना परिजनों को लगी तो परिजनों का चीख पुकार कर बुरा हाल हो गया।

स्काउट प्रतियोगिता रैली संपन्न

श्रीमाधोपुर, (निसं)। राजस्थान राज्य भारतीय स्काउट व गाइड स्थानीय संघ सचिवालय स्टेशन रोड श्रीमाधोपुर पर चल रही प्रतियोगिता रैली प्रशिक्षण एवं जांच शिविर मंगलवार को स्काउट को आम जन तक पहुंचाने के संकल्प के साथ संपन्न हुआ। रैली एवं शिविर संचालक मधुसूदन शर्मा ने बताया कि 6 दिनों तक चले प्रशिक्षण एवं जांच शिविर के साथ ही प्रतियोगिता रैली में ट्रेनिंग काउंसलर्स द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम के अनुसार सभी कार्य संपादित करवाए गए। स्थानीय संघ के सचिव अशोक तिवाडी मऊ ने बताया कि 8 फरवरी से 13 फरवरी तक आयोजित प्रतियोगिता रैली में विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजेता रहे दलों को रैली प्रमाण पत्र एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। कमिश्नर ध्वज राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय मऊ को प्रदान किया गया। समापन के अवसर पर कस्बे के विभिन्न मार्गो से होती हुयी रैली निकाली गई जिसमें पर्यावरण संरक्षण एवं मताधिकार का प्रयोग अवश्य करने हेतु लोगों को जागरूक किया गया। संघ के सचिव अशोक तिवाडी मऊ ने शिविर स्थल से हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया।

हंगामा के बीच 300 करोड़ का बजट पास

अलवर, (निसं)। अलवर नगर निगम की बोर्ड की बैठक में मंगलवार को खूब हंगामा हुआ। इसी बीच में करीब 300 करोड़ रुपए का बजट पास हो गया। बैठक के बीच में मेयर घनश्याम गुर्जर व पूर्व नेता प्रतिपक्ष नरेंद्र मीना के बीच में जमकर बहस हुई। मंच पर ही राज्य सरकार में वन मंत्री व अलवर शहर के विधायक संजय शर्मा भी मौजूद थे। सबसे पहले पूर्व नेता प्रतिपक्ष नरेंद्र मीणा ने वन मंत्री को अपनी ओर ध्यान खींचने को कहा कि तो मंत्री ने जवाब दिया कि आप मेयर घनश्याम गुर्जर को संबोधित करें। मैं यहां एक विधायक के तौर पर मौजूद हूं। तब मीना ने कहा कि मेयर तो नाम के हैं। काम कुछ नहीं कर पाते हैं। इसके बाद दोनों के बीच में तीखी बहस हुई। मेयर बोले- आपके कृत्य को सब जान गए, मीना ने कहा ऐसी साजिश आपसे भी हो सकती है।

ओमप्रकाश गुप्ता एवं रमेश जिन्दल राष्ट्रीय कार्यकारिणी में शामिल

टोंक, (निसं)। अन्तर्राष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अशोक अग्रवाल ने राष्ट्रीय कार्यकारिणी घोषित की है। उन्होने अपनी पहली सूची जारी करते हुए संस्था के वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजस्थान ओमप्रकाश गुप्ता एवं उपाध्यक्ष रमेश जिन्दल को राष्ट्रीय कार्यकारिणी में शामिल किया है। ओमप्रकाश गुप्ता वर्तमान में भाजपा टोंक विधानसभा क्षेत्र के कार्यक्रम एवं अभियान प्रमुख तथा देवली संगठन के प्रभारी एवं अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन टोंक के जिलाध्यक्ष है। वे सामाजिक एवं भाजपा राजनीति में अनेक पदों पर एवं जनप्रतिनिधि रह चुके है। रमेश जिन्दल भाजपा टोंक के पूर्व जिलाध्यक्ष एवं देवली नगरपालिका के पूर्व अध्यक्ष सहित अनेक महत्वपूर्ण पद पर रह चुके है।

23 जोड़े परिणय सूत्र में बंधेंगे

उनियारा/चौरू, (निसं)। जिला माली सैनी समाज संस्था के तत्वाधान में समाज के 30वें सामूहिक विवाह सम्मेलन का आयोजन 14 फरवरी बुधवार को महात्मा ज्योतिबा फुले बहुउद्देशीय भवन होम्योपैथिक कॉलेज के सामने सायपुरा सांगानेर पर होगा। अध्यक्ष रोशन सैनी ने बताया कि सम्मेलन से पूर्व जयपुर शहर में अलग अलग स्थानों पर युवक-युवती परिचय सम्मेलनों का आयोजन किया गया था जिसके पश्चात तय हुए 23 जोड़े सामूहिक विवाह सम्मेलन में विवाह बंधन में बंधेंगे। सभी जोड़ों को संस्था की ओर से नकद राशि के साथ घर गृहस्थी का संपूर्ण सामान फर्नीचर इत्यादि भेंट किया जाएगा। विवाह समारोह में वर वधु को आशीर्वाद प्रदान करने हेतु मुख्यमंत्री सहित अनेक मंत्री, विधायक एवं गणमान्य नागरिकों को आमंत्रण दिए हैं।

सी.एम. ने महावीर जैन की कुशलक्षेम पूछी

जयपुर, (निसं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को मानसरोवर स्थित साकेत अस्पताल पहुंचकर पूर्व विधायक महावीर प्रसाद जैन की कुशलक्षेम पूछी। मुख्यमंत्री ने जैन के स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली और शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की साथ ही मुख्यमंत्री शर्मा ने इसी अस्पताल में वरिष्ठ पत्रकार विमलेश शर्मा की धर्मपत्नी उमा शर्मा के स्वास्थ्य की भी जानकारी ली।

गो-तस्करी रोकथाम को लेकर मालपुरा पुलिस की कार्रवाई

■ एक दर्जन गिरफ्तार, तीन पिकअप व आठ बाइक जब्त

मालपुरा, (निसं)। गोवंश-तस्करी रोकथाम को लेकर जिला पुलिस अधिक्षक के आदेशों पर एएसपी व डीवाईएसपी के निर्देशन में वृत्त क्षेत्र के तीन थानों की पुलिस ने कार्यवाही करते हुये एक दर्जन लोगों को गिरफ्तार कर मौके से तीन पिकअप व आठ बाइक जप्त की है।

पुलिस उपाधिक्षक चक्रवर्ती सिंह राठोड के सुपरविजन में पचेवर, डिग्गी व मालपुरा थाना पुलिस की गठित विशेष टीमों ने मंगलवार को वृत्त क्षेत्र के इस्लामपुरा, प्रतापपुरा, इस्लामनगर में दबिश की कार्यवाही की गई। कार्यवाही के दौरान मौके पर बिना दस्तावेजों के मिली तीन संदिग्ध पिकअप गाडी सहित आठ मोटरसाईकिले जप्ती की कार्यवाही की गई। पुलिस टीमों ने तत्परता दिखाते हुये मौके से बारह लोगों को गिरफ्तार किया। थाना पुलिस द्वारा की गई ताबडतोड कार्यवाही व दबिश से खलबली मच गई। गांवों में तरह-तरह की चर्चाऐं फैल गई। पुलिस को आता देख आरोपी मकानों के कोनो में दुबक पुलिस से बचने का प्रयास किया।लेकिन डीवाईएसपी राठोड ने जाल बिछा तीन थानों की पुलिस के साथ एक के बाद एक दबिश देते हुए यह सफलता हासिल की। इसी क्रम में डिग्गी थानाधिकारी अय्युब खान के नेतृत्व में पुलिस टीम ने अवैध शराब के साथ प्रधान पुत्र रामप्रसाद मीणा निवासी डुंगरीकलां को गिरफ्तार कर कब्जे से अवैध देशी शराब के 55 पव्वे जप्त कर मामला दर्ज किया।

राजकोट टेस्ट में एक अच्छी पिच का इस्तेमाल होगा। राजकोट की पिच पर गेंद ज्यादा स्पिन नहीं होगी। कुलदीप यादव ने कहा कि राजकोट की पिच पर 700-800 रन नहीं बनेंगे लेकिन वो रैंक टर्नर से तो अच्छी ही होगी। - कुलदीप यादव

भारतीय स्पिन गेंदबाज, राजकोट पिच के बारे में बताते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

मोहम्मद नवाज

पाकिस्तान के गेंदबाज मोहम्मद नवाज 2022 के टी20 वर्ल्ड कप में खेली गई विराट कोहली की धमाकेदार पारी को अभी तक नहीं भूल पा रहे हैं। विराट कोहली ने 53 गेंद में 82 रन बनाकर पाकिस्तान से जीती हुई बाजी को छीन लिया था। पाकिस्तान के स्टार गेंदबाज मोहम्मद नवाज का कहना है कि उस पारी के बारे में याद दिलाकर आप हमें दुखी करना चाहते हैं। मोहम्मद नवाज ने विराट कोहली को बेस्ट प्लेयर भी करार दिया है। नवाज ने मोहम्मद नवाज ने क्रिकबज से बात करते हुए कहा, उस हार को याद दिलाकर आप मुझे दुखी कर रहे हैं। वह काफी बड़ा मैच था।

क्या आप जानते हैं ?... ऑस्ट्रेलिया के खब्बू स्पिनर फ्लीटवुड स्मिथ ने इंग्लैंड के विरुद्ध 1938 में 37 ओवर में 298 रन पर एक विकेट लिया था। ये आज तक एक टेस्ट पारी में किसी भी गेंदबाज द्वारा दिए गए सबसे ज्यादा रन हैं।

टीम इंडिया की प्लेइंग इलेवन में शामिल होने के 6 दावेदार

तीन खिलाड़ियों को ही मिलेगा मौका, भारत और इंग्लैंड के बीच तीसरा टैस्ट मैच राजकोट में 15 फरवरी से

नयी दिल्ली, 13 फरवरी। भारतीय टीम की प्लेइंग इलेवन अगले टेस्ट में क्या होगी। ये सवाल न केवल कप्तान रोहित शर्मा और हेड कोच राहुल द्रविड़ के दिमाग में कौंध रहा होगा, बल्कि फैंस भी ये जानना चाहते हैं कि वो 11 खिलाड़ी कौन से होंगे, जो अगला मुकाबला खेलेंगे। वैसे तो कुछ टीमें टेस्ट के एक दिन पहले ही अपनी प्लेइंग इलेवन बता देती हैं, लेकिन भारतीय टीम की ओर से अब तक ऐसा नहीं किया गया है। इसलिए माना जाना चाहिए कि गुरुवार को सुबह जब रोहित शर्मा टॉस के लिए उतरेंगे, तभी इस पर आखिरी फैसला होगा। इस बीच कुल 6 खिलाड़ी ऐसे हैं जो अगले मुकाबले के लिए अपनी अपनी दावेदारी पेश कर रहे हैं, लेकिन संभावना है कि 3 को ही मौका मिल पाएगा।

बात सबसे पहले उस खिलाड़ी की करते हैं, जो श्रेयस अय्यर की जगह लेगा। श्रेयस अय्यर ने पहले दो मैच खेले थे, लेकिन अब बाकी मुकाबलों से वे बाहर हो गए हैं। सरफराज खान को पहले ही टीम में जगह मिली गई थी, इसके बाद अब देवदत्त पडिक्कल को भी टीम में शामिल किया गया है। वैसे तो रजत पाटीदार ने पिछले ही मैच में अपना डेब्यू किया था। लेकिन अब श्रेयस अय्यर और केएल राहुल के न होने से इन दोनों में से किसी एक को और डेब्यू का मौका मिल सकता है।

सरफराज खान की बात तो क्या ही की जाए, क्योंकि वे तो डोमेस्टिक क्रिकेट में रनों का अंबार खड़ा कर चुके हैं। वहीं पिछले कुछ वक्त में देवदत्त ने भी कमाल की बल्लेबाजी की है। वैसे अगर देखा जाए तो सरफराज काफी वक्त से टीम के साथ घूम रहे हैं और हालात को अच्छे से जानते हैं, इसलिए उन्हें मौका मिलने की संभावना ज्यादा नजर आ रही है। ऐसे में हो सकता है कि देवदत्त पडिक्कल को अभी टेस्ट डेब्यू के लिए कुछ दिन का इंतजार करना पड़े।

अब बात करते हैं केएस भरत और ध्रुव जुरैल के बारे में। रिषभ पंत की गैरमौजूदगी में भरत को मौके दिए गए। ये अच्छा वक्त था, जब भरत बेहतर प्रदर्शन कर अपनी टीम में जगह पक्की कर लेते। लेकिन वे अभी तक शतक तो दूर, अर्धशतक तक लगाने में कामयाब नहीं हो पाए हैं। ऐसे में अब हो सकता है कि कप्तान और कोच ध्रुव जुरैल को मौका देने के बारे में सोचें। लेकिन इतना तो पक्का है कि ध्रुव और भरत में से किसी एक को ही मौका मिलेगा। इसका फैसला माना जा रहा है कि आखिरी वक्त में किया जाएगा। इसके बाद कुलदीप यादव और अक्षर पटेल में से भी किसी एक को ही मौका दिया जाएगा।

बशर्ते कि कहीं कप्तान एक साथ चार स्पिनर्स को उतारने का फैसला न कर लें। रविचंद्रन अश्विन तो खेलेंगे ही। अगर रवींद्र जडेजा पूरी तरह से फिट हुए तो वे भी खेलेंगे, ये उनका होमग्राउंड भी होगा। इसके अलावा तीसरे स्पिनर के रूप में कुलदीप और अक्षर में से एक का सेलेक्शन करना होगा। अगर जडेजा फिट नहीं हुए तो फिर अक्षर और कुलदीप दोनों को मौका मिल सकता है। हालांकि इसकी संभावना कम ही नजर आ रही है। इस बीच देखना होगा कि 15 फरवरी को सुबह नौ बजे कप्तान टॉस के वक्त किस प्लेइंग इलेवन का ऐलान करते हैं।

उम्रदराज टेस्ट क्रिकेटर डी.के. गायकवाड़ का निधन

वडोदरा, 13 फरवरी। भारत के उम्रदराज टेस्ट क्रिकेटर दत्ताजीराव कृष्णराव गायकवाड़ का मंगलवार को गुजरात के वडोदरा में उनके आवास पर निधन हो गया। वह 95 वर्ष के थे। गायकवाड़ के परिवार में उनके बेटे अंशुमन गायकवाड़ भारत क्रिकेट टीम के सदस्य और बाद में कोच के रुप में अपनी सेवायें दे चुके हैं। बड़ौदा के शाही परिवार से ताल्लुक रखने वाले गायकवाड़ ने तत्कालीन बड़ौदा राज्य के महारानी चिमनाबाई हाई स्कूल में पढ़ ाई की थी। गायकवाड़ के नेतृत्व में बड़ौदा की टीम ने 1957-58 में सर्विसेज को पारी और 51 रनो से हरा कर रणजी ट्रॉफी पर कब्जा किया था। ाायकवाड़ 1948 में भारत के पूर्व क्रिकेट कप्तान सीके नायडू द्वारा शुरू किए गए पहले अंडर -14 और अंडर -16 क्रिकेट टूर्नामेंट का हिस्सा थे। उन्होने सीके नायडू के भाई सीएस नायडू से लेग स्पिन और गुगली गेंदबाजी के गुर सीखे थे। गायकवाड़ ने 1948 में बॉम्बे यूनिवर्सिटी (एकीकृत प्रांत के हिस्से के रूप में) के लिए रणजी में पदार्पण करने के बाद 1952 और 1961 के बीच 11 टेस्ट मैच खेले। बाद में 2000 तक बड़ौदा रणजी टीम को भी कोचिंग दी। गायकवाड़ ने संयुक्त सचिव के रूप में भी काम किया था। अक्टूबर 2020 में डी के गायकवाड़ के 92वें जन्मदिन को चिह्नित करने के लिए डाक विभाग ने एक स्मारक कवर जारी किया था।

राउरकेला में नीदरलैंड से भिड़ेगी भारतीय महिला हॉकी टीम

राउरकेला, 13 फरवरी। भारतीय महिला हॉकी टीम 14 फरवरी को एफ.आई.एच. हॉकी प्रो लीग 2023/24 में अपना छठा मैच नीदरलैंड के साथ खेलेगी। भारतीय टीम के लिये एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2023/24 का अब तक सफर बेहद कठिन रहा है जहां उसे अपने पांच में से चार मैच में हार का सामना करना पड़ा है।

चीन के खिलाफ अपने पहले मैच में 1-2 से हार झेलने के बाद, भारतीय महिलायें नीदरलैंड्स से 1-3 से और ऑस्ट्रेलिया से 0-3 से हार गई हालांकि भुवनेश्वर में अपने अंतिम मैच में उसे संयुक्त राज्य अमेरिका के खिलाफ 3-1 से जीत मिली। राउरकेला चरण के अपने पहले मैच में, भारत ने खेल की शुरुआत में बढ़ त ले ली, लेकिन चीन ने जोरदार वापसी करते हुए खेल 2-1 से जीत लिया।

भारतीय कप्तान सविता ने कहा हमें वो परिणाम नहीं मिले जो हम चाहते थे, लेकिन मेरा मानना है कि हमारे पास अच्छा प्रदर्शन करने और अपनी तरफ से कुछ अंक हासिल करने के लिए आवश्यक सब कुछ है। मुझे लगता है कि हम टुकड़ों-टुकड़ों में अच्छा खेल रहे हैं, इसलिए यदि हम इसमें और अधिक निरंतरता ला सकें, तो हम निश्चित रूप से और अधिक गेम जीत सकते हैं।

विश्व की नंबर एक टीम नीदरलैंड को भारतीय महिला हॉकी टीम पर बढ़ त हासिल है, नीदरलैंड ने पूरे टूर्नामेंट में अपनी क्षमता की झलक दिखाई है। नतीजे भारत के पक्ष में नहीं रहे हैं, लेकिन जब वे बुधवार को डच टीम से खेलेंगे तो वे इसे पलटने और तालिका में ऊपर जाने की कोशिश करेंगे।

भारतीय कोच जेनेके शोपमैन ने कहा, नीदरलैंड एक गुणवत्ता टीम है लेकिन हमारे पास प्रतिभा या क्षमता की कमी नहीं है। हम अपनी हॉकी की तीव्रता को उच्च रखते हुए धैर्य रखेंगे और हमारे पास जो भी स्कोरिंग अवसर होंगे उन्हें भुनाने का प्रयास करेंगे। भारतीय महिला हॉकी टीम 14 फरवरी को राउरकेला के बिरसा मुंडा हॉकी स्टेडियम में भारतीय समयानुसार 1930 बजे नीदरलैंड से भिड़ेगी।

रसल-रदरफोर्ड के तूफान से कंगारू पस्त, वेस्टइंडीज 37 रन से जीता

ऑस्ट्रेलिया का क्लीन स्वीप का सपना टूटा

वेस्टइंडीज ने श्रृंखला के तीसरे और आखिरी टी-20 मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया को 37 रनों से हराया

पर्थ, 13 फरवरी। आंद्रे रसल (29 गेंदो पर 71 रन) और शरफ़ेन रदरफ़ोर्ड (67 नाबाद) के बीच छठे विकेट के लिये रिकार्ड 139 रनों की भागीदारी की मदद से वेस्टइंडीज ने श्रृखंला के तीसरे और आखिरी टी-20 मुकाबले में मंगलवार को आस्ट्रेलिया को 37 रनो से हरा दिया।

टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी करने उतरी वेस्टंडीज ने छह विकेट पर 220 रनों का स्कोर खड़ा किया जिसके जवाब में आस्ट्रेलिया पांच विकेट पर 183 रन ही बना सका। रसल और रदरफोर्ड के बीच यह टी20 इतिहास में कैरिबियन जोड़ी के बीच छठे विकेट के लिये की गयी सबसे बड़ी भागीदारी रही जिसके चलते आस्ट्रेलिया का वेस्टइंडीज का टी20 सीरीज में क्लीन स्वीप का सपना टूट गया।

एक समय वेस्टइंडीज के पांच विकेट 79 रन पर गिर चुके थे और मेहमान टीम के 170 रनो के आसपास लक्ष्य खड़ा करने की उम्मीद थी मगर रसल ने क्रीज पर आते ही कंगारु गेंदबाजों की बखिया उधेड़नी शुरु कर दी। उन्हे दूसरे छोर पर रदरफोर्ड का भरपूर साथ मिला। दोनो बल्लेबाजों के आतिशी प्रदर्शन ने मेजबान खेमे में हलचल मचा दी। रसल ने 29 गेंदो की संक्षिप्त मगर तूफानी पारी के दौरान सात छक्के और चार चौके लगाये वही रदरफोर्ड ने 40 गेंद खेल कर पांच चौके और पांच गगनचुंबी छक्के जड़े।

आस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर (81) ने अपनी टीम को शानदार शुरुआत दी मगर दूसरे छोर पर अपेक्षित सहयोग की कमी के कारण मेजबान टीम के लिये लक्ष्य लंबा होता गया जिसका खामियाजा अंततः उसे हार से चुकाना पड़ा। हालांकि आखिरी के ओवरों में टिम डेविड (41 नाबाद) ने चार छक्कों के साथ तूफानी बल्लेबाजी का मुजाहिरा किया मगर यह टीम को विजय की दहलीज पर ले जाने के लिये नाकाफी था।

सीआईएसएफ और वायुसेना का मुकाबला बराबर

नयी दिल्ली, 13 फरवरी। प्लेयर ऑफ द मैच गोल कीपर तरनजीत सिंह के शानदार खेल की बदौलत सीआईएसएफ प्रोटेक्टर ने इंडियन एयरफोर्स को 2-2 की बराबरी पर रोक कर डीएसए प्रीमियर लीग के रोमांचक मैच में अंक बांट लिए। आज यहां विनोद नगर स्पोट्र्स कॉम्प्लेक्स पर खेले गए मुकाबले में सीआईएसएफ के लिए वासू कनोजिया और मनिंदर नेगी ने गोल किये जबकि एयरफोर्स के लिए अशोक और जीनिश विनय ने गोल दागे।

सार्वजनिक सूचना **कार्यालय नगर निगम, ग्रेटर, जयपुर**

क्र.- एफ-6( ) उपा.राज.-द्वि.(सा.प्र.)/ननिज/2024/567 दिनांक-12.02.2024

मूल भूखण्ड संख्या 133 मुरलीपुरा, जयपुर का संयुक्त गृह निर्माण सहकारी समिति लि. झोटवाडा, जयपुर द्वारा श्री गोरखानाथ सिह पुत्र श्री निठाली सिंह के नाम से भूमि का आवंटन किया गया था। दिनांक 20.12.2010 को जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर द्वारा भूखण्ड संख्या नया 133, आर्य नगर, मुरलीपुरा, जयपुर क्षेत्रफल 157.01 वर्गगज श्री गोरखनाथ सिंह पुत्र श्री निठाली सिंह के नाम से पट्टा जारी किया गया। दिनांक 15.01.2020 को श्री गोरख नाथ सिंह पुत्र श्री निठाली सिंह द्वारा भूखण्ड संख्या 133 (पुराना प्लाट नं. 133) का दक्षिणी हिस्सा प्लाट कुल क्षेत्रफल 78.50 वर्गगज श्री पप्पू लाल कुमावत पुत्र श्री भंवर लाल कुमावत को बेचान किया गया। दिनांक 15.01.2020 को श्री पप्पू लाल कुमावत पुत्र श्री भंवर लाल कुमावत द्वारा भूखण्ड संख्या 133 का दक्षिणी हिस्सा, आर्य नगर योजना, मुरलीपुरा, सीकर रोड जयपुर कुल क्षेत्रफल 78.50 वर्गगज श्रीमती अनीता शर्मा पत्नी श्री मुरारी लाल को बेचान किया गया। आवेदिका द्वारा प्रस्तुत पट्टे की प्रति, रजिस्टर्ड विक्रय पत्र, अण्डरटेकिंग एवं अन्य दस्तावेजों के आधार पर उक्तभूखण्ड का नगर निगम ग्रेटर, जयपुर द्वारा श्रीमती अनीता शर्मा पत्नी श्री मुरारी लाल शर्मा के पक्ष में क्षेत्रफल 78.50 वर्गगज का उपविभाजन जारी किया जाना है। इस उपविभाजन किये जाने बाबत किसी भी व्यक्ति संस्था, फर्म, कम्पनी को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो 07 दिवस में अद्योहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय (उपायुक्त, राजस्व - द्वितीय) में प्रस्तुत करें, अन्यथा निर्धारित अवधि की समाप्ति के बाद नियमानुसार उपविभाजन जारी किये जाने की कार्यवाही सम्पादित कर ली जावेगी। ली जावेगी।

उपायुक्त (राजस्व- द्वितीय), नगर निगम ग्रेटर, जयपुर

राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर

जवाहर लाल नेहरू मार्ग, जयपुर - 302004

दूरमाष :- 0141-2711070, संस्थापन-द्वितीय-2256502

E-mail: drestablishment2@gmail.com

विज्ञप्ति संख्या - 01 / 2024

सार्वजनिक सूचना मृतक के आश्रित की अनुकम्पात्मक-नियुक्ति

राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर के जैन अध्ययन केन्द्र में पूर्व में कार्यरत श्री बजरंग लाल, सहायक कर्मचारी तथा पी.जी. स्कूल ऑफ कॉमर्स के श्री राजेन्द्र कुमार, सफाई कर्मचारी की मृत्यु के उपरान्त उनके आश्रितों को राज्य सरकार के अनुकम्पात्मक नियुक्ति नियम 1996 के तहत् उनक नाम के आगे प्रस्तावित प्रदत्त पद पर नियुक्ति दिये जाने की कार्यवाही की जानी है, जिसका विवरण निम्नानुसार है:-

क्र. सं.	मृतक कर्मचारी का नाम	मृतक के आश्रित का नाम व सम्बन्ध	मृतक कार्मिक की मृत्यु दिनांक	आश्रितो को प्रस्तावित पद	निवास
1.	स्व. श्री बजरंग लाल	श्री कुलदीप गुर्जर (पुत्र)	22.12.2023	लिपिक ग्रेड-2	ई-2/15, सरकारी आवास, युनिवसिटी केम्पस जवाहर नगर, जयपुर
2.	स्व. श्री राजेन्द्र कुमार	श्री सूरज कुमार (पुत्र)	26.12.2023	सफाई कर्मचारी	बी-19, इन्द्रा नगर झालाना डूंगरी, जयपुर

नोटः- इस सार्वजनिक सूचना के प्रकाशन के 07 दिवस में यदि किसी को कोई आपत्ति हो, तो कुलसचिव कार्यालय कमरा नं. 203, सरदार पटेल भवन, राजस्थान विश्वविद्यालय, जे.एल.एन. मार्ग, जयपुर को सूचित करें। आपत्ति प्राप्त नहीं होने की स्थिति अनुकम्पात्मक नियुक्ति दिये जाने की कार्यवाही अमल में लाई जावेंगी।

रामसुख जाटोलिया
कुलसचिव

भारतीय कुश्ती महासंघ से हटा निलंबन

यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग ने लिया फैसला

नयी दिल्ली, 13 फरवरी। यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग ने भारतीय कुश्ती महासंघ पर लगा निलंबन तत्काल प्रभाव से हटा लिया है। यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग ने पिछले साल अगस्त में भारतीय कुश्ती महासंघ को निलंबित कर दिया था, क्योंकि डब्ल्यू.एफ.आई तय समय पर चुनाव कराने में विफल रहा था। अनुशासनात्मक चैंबर ने फैसला किया था कि उनके पास निलंबन लगाने के पर्याप्त आधार थे, क्योंकि महासंघ में कम से कम 6 महीने से यही स्थिति बनी रही।

यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग ने निलंबन के अलावा समीक्षा के लिए 9 फरवरी को बैठक कीऔर सभी तत्वों और सूचनाओं पर विचार करते हुए निलंबन हटाने का फैसला किया। डब्ल्यू.एफ.आई को अपने एथलीट कमिशन के चुनाव दोबारा कराने होंगे। इस कमिशन के लिए उम्मीदवार एक्टिव एथलीट होंगे। वहीं चार या इससे ज्यादा साल पहले रिटायरमेंट लेने वाले एथलीट इसमें चुनाव नहीं लड़ सकेंगे। ये चुनाव ट्रायल या किसी सीनियर नेशनल चैंपियनशिप के दौरान होंगे। लेकिन ये चुनाव 1 जुलाई, 2024 से पहले होंगे।

भारतीय कुश्ती महासंघ को तुरंत यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग को लिखित गारंटी देनी होगी कि पहलवानों को सभी डब्ल्यू.एफ.आई आयोजनों, ओलंपिक खेलों, नेशनल और इंटरनेशनल टूर्नामेंट में बिना किसी भेदभाव के खेलने परविचार किया जाएगा। वहीं उन तीन पहलवानों को भी शामिल किया जाएगा, जिन्होंने डब्ल्यू.एफ.आई के पूर्व चीफ के गलत कार्यों का विरोध किया था। पहलवानों के संपर्क में है और आने वाले दिनों में उनसे संपर्क करेगा। इससे यह साफ हो गया है कि भारतीय पहलवान अगले इवेंट में अपने देश के झंडे के नीचे खेल सकते हैं।

वीजा संबंधी समस्या : रेहान को राजकोट एयरपोर्ट पर रोका

राजकोट, 13 फरवरी। भारत के दौरे पर आयी इंग्लैंड क्रिकेट टीम के फिरकी गेंदबाज रेहान अहमद को वीजा संबंधी दस्तावेज न होने के कारण हवाई अड्डे पर रोका गया। क्रिकइंफो के अनुसार अबू धाबी से मिड सीरीज़ ब्रेक से लौटने पर रेहान को राजकोट एयरपोर्ट पर ही रोक लिया गया क्योंकि उनके पास सिंगल एंट्री वीज़ा ही था। हालांकि स्थानीय अधिकारियों ने इस समस्या का तात्कालिक समाधान निकाल लिया। इंग्लैंड अब यह उम्मीद कर रहा है कि आने वाले 24 घंटों में इस समस्या का स्थाई समाधान मिल जाएगा। सोमवार शाम तक इंग्लैंड दल के सभी सदस्य राजकोट के टीम होटल पहुंच चुके थे।

ईसीबी ने इस मामले पर बयान जारी करते हुए कहा है कि भारत लौटने पर यह जानकारी दी गई कि रेहान के वीज़ा में काग़ज़ी कार्रवाई संबंधी समस्या थी, राजकोट की लोकल अथॉरिटी ने काफ़ी सहायता की जिसके चलते रेहान को अस्थाई वीज़ा मिल गया। उम्मीद है कि जल्द ही आने वाले दिनों में वीज़ा संबंधी इस समस्या का निवारण हो जाएगा। रेहान सही वीज़ा आने तक इंग्लैंड के दल के साथ तीसरे टेस्ट की तैयारी जारी रखेंगे। दौरे की शुरुआत में शोएब बशीर को भी वीज़ा संबंधी समस्या का सामना करना पड़ा था, जिसके चलते वह पहले टेस्ट मैच से बाहर भी हो गए थे।

कार्यालय उपायुक्त सिविल लाईन जोन, नगर निगम जयपुर हैरिटेज

क्रमांक :- एफ-56 ( ) सि0ला0जो0/ननिज/2024/7441 दिनांक :- 07/02/2024

प्रारूप-5

नियम-6 (2)

अनापत्ति आमंत्रण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नीचे लिखे गये व्यक्ति द्वारा जोन कार्यालय में संधारित योजना में उपविभाजन/नाम हस्तान्तरण/फ्री होल्ड पट्टे हेतु आवेदन किया गया है। इस उपविभाजन/नाम हस्तान्तरण/फ्री होल्ड पट्टे बाबत् कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन तिथि से 07 दिवस के भीतर किसी भी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अद्योहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष दस्तावेजों के साथ अपनें आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा। नियत समय के भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी व्यक्ति/संस्था/हितधारी को कोई आक्षेप नहीं है और मामलें का तद्नुसार निपटारा किया जायेगा।

क्र. सं.	आवेदक का नाम	पिता/पति का नाम	आवेदन स्थल का पता	आवेदित क्षेत्रफल
1.	श्री गोविन्द लाल लाठ	स्व. श्री सत्य नारायण लाठ	के ई-11, कबीर मार्ग, बनीपार्क, जयपुर	88.88 व0ग0

राज.संवाद/सी/23/12953 — उपायुक्त, सिविल लाईन जोन, नगर निगम जयपुर हैरिटेज

न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले दिन बैकफुट पर अफ्रीका

नयी दिल्ली, 13 फरवरी। न्यूजीलैंड और साउथ अफ्रीका के बीच दो टेस्ट मैचों की सीरीज का दूसरा मुकाबला हैमिल्टन में खेला जा रहा है। मैच के पहले दिन मंगलवार को साउथ अफ्रीका ने दिन का खेल खत्म होने तक छह विकेट के नुकसान 220 रन बना लिए हैं। मेहमान टीम साउथ अफ्रीका से रुआन डे स्वार्ट 55 और शॉन वॉन बर्ग 34 रन बनाकर नाबाद लौटे। स्वार्ट ने टेस्ट करियर का पहला अर्धशतक लगाया। कीवी टीम से रचिन रवींद्र ने सबसे ज्यादा 3 विकेट लिए। टॉस जीतकर पहले बैटिंग करने उतरी साउथ अफ्रीका की खराब शुरुआत रही। विकेटकीपर-बैटर क्लाइड फोर्च्यून बिना खाता खोले ही आउट हो गए। इसके बाद टीम को दूसरा झटका कप्तान नील ब्रांड के रूप में लगा। ब्रांड 25 रन बनाकर आउट हुए। रेनार्ड वान टोंडर 32 रन बनाकर आउट हुए। जुबैर हमजा ने 20 और डेविड बेडिंघम ने 39 रन बनाए। कीगन पीटरसन 2 रन बनाकर पवेलियन लौटे। न्यूजीलैंड की ओर से रचिन रवींद्र 3 विकेट ले चुके हैं।

अनिल कुंबले का बड़ा कीर्तिमान तोड़ेंगे आर. अश्विन

नयी दिल्ली, 13 फरवरी। आर अश्विन इस वक्त दुनिया के सबसे धाकड़ और घातक स्पिनर्स में से एक हैं। खास तौर पर जब भारत में टेस्ट मुकाबले होते हैं तो रविचंद्रन अश्विन की गेंद को खेलना काफी मुश्किल होता है। इस वक्त जब भारत और इंग्लैंड के बीच टेस्ट सीरीज खेली जा रही है तो अश्विन कमाल की गेंदबाजी कर रहे हैं। अब तक जो दो टेस्ट हुए हैं, उसमें अश्विन ने काफी विकेट चटकाए हैं। इस बीच अश्विन टेस्ट क्रिकेट में 499 विकेट ले चुके हैं, यानी उन्हें 500 विकेट पूरे करने के लिए केवल एक ही सफलता और चाहिए। इस कीर्तिमान के लिए तो एक ही विकेट की जरूरत है, लेकिन इसके बाद उन्हें अगर और भी सफलताएं मिलीं तो अश्विन कीर्तिमान रच सकते हैं। वे अनिल कुंबले को पीछे करने की तैयारी में हैं। दरअसल भारत में सबसे ज्यादा टेस्ट विकेट लेने का कीर्तिमान इस वक्त अनिल कुंबले के नाम है। कुंबले ने अपने करियर के दौरान 350 विकेट भारत में लिए हैं। इसके बाद नंबर आता है रविचंद्रन अश्विन का। अश्विन ने अब तक 346 विकेट अपने नाम कर लिए हैं। यानी 350 विकेट पूरे करने के लिए अश्विन को केवल 4 विकेट की दरकार है और कुंबले को पीछे करने के लिए उन्हें 5 और विकेट चाहिए होंगे। अगर पिच से अश्विन को जरा सी भी मदद मिली तो 20 में से 5 विकेट चटकाना अश्विन के लिए कोई मुश्किल काम नहीं होगा। कम से कम पिछले दो टेस्ट में उन्होंने जिस तरह का प्रदर्शन किया है, उसे देखते हुए तो कतई दिक्कत नहीं होने वाली। आर अश्विन ने हैदराबाद में खेले गए पहले टेस्ट में इंग्लैंड के खिलाफ पहली पारी में तीन और दूसरी में भी तीन सफलताएं अपने नाम की थी। इसके बाद जब वे दूसरे मुकाबले के लिए विशाखापट्टनम पहुंचे तो पहली पारी में कोई विकेट नहीं मिला, लेकिन दूसरी में उन्होंने तीन शिकार किए। यानी दो टेस्ट मैचों में उन्होंने 9 विकेट चटकाए हैं। अब देखना होगा कि तीसरे टेस्ट में वे कितने और खिलाड़ियों को आउट करते हैं। 97 टेस्ट खेलकर 499 विकेट लेने वाले अश्विन ने वनडे में भी 156 विकेट चटकाए हैं। वहीं 65 टी20 इंटरनेशनल मैचों में वे 72 विकेट अपने नाम कर चुके हैं। करीब 37 साल के हो चुके अश्विन अभी कम से कम दो तीन साल और भी क्रिकेट खेल सकते हैं। खास तौर पर जब भारत में टेस्ट होता है तो फिर अश्विन की बराबरी का कोई गेंदबाज नहीं होता।

जयपुर विकास प्राधिकरण

इन्दिरा सर्किल, जवाहर लाल नेहरु मार्ग, जयपुर-302004

क्रमांक : जविप्रा/उपा./जोन-12/2024/डी-533 दिनांक : 13.02.2024

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि निजी विकासकर्ता द्वारा सृजित निजी खातेदारी की निम्न आवासीय योजनाओं का अनुमोदन जविप्रा द्वारा किया गया हैं :-

क्र.सं.	विकासकर्ता	योजना का नाम	पट्टे वितरण की दिनांक
1	निजी खातेदारी	भूमिजा अर्पण	14.02.2024
2	निजी खातेदारी	रियासत कृष्णम् रेजीडेन्सी	
3	निजी खातेदारी	कन्हैया कुंज	15.02.2024
4	निजी खातेदारी	किंग्स रेजीडेन्सी ए ब्लॉक	
5	निजी खातेदारी	किंग्स रेजीडेन्सी बी ब्लॉक	19.02.2024
6	निजी खातेदारी	पार्वती निलय	
7	निजी खातेदारी	यदुराज कैम्पस	20.02.2024
8	निजी खातेदारी	यदुराज समसारा	21.02.2024
9	निजी खातेदारी	यदुराज एनक्लेव फेज-III	

अतः उपरोक्त निजी खातेदारी की योजनाओं में मानचित्र अनुमोदन उपरान्त नियमानुसार प्रीमियम राशि जमा हो चुकी है। उपरोक्त वर्णित दिनांक को इन योजनाओं के भूखण्डधारियों को नियमानुसार अन्य देय राशि जमा कराकर पट्टा जारी करने की कार्यवाही की जावेगी।

राज.संवाद/सी/23/13024 — **उपायुक्त जोन-12**

आई.ए.एस. अफसरों...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

डिस्कॉम्स, राजस्थान, जयपुर एवं प्रबंध निदेशक, जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड, जयपुर, वे. सरवन कुमार को शासन सचिव, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, राजस्थान, जयपुर, उर्मिला राजोरिया को संभागीय आयुक्त, कोटा, सुधीर कुमार शर्मा को शासन सचिव, सामान्य प्रशासन, मंत्रिमंडल सचिवालय, सम्पदा, स्टेट मोटर गैरेज एवं पदेन चीफ ऑफ प्रोटोकॉल, राजस्थान, जयपुर, डॉ. प्रतिभा सिंह को संभागीय आयुक्त, पाली, सुषमा अरोड़ा को प्रबंध निदेशक, राजस्थान राज्य औद्योगिक विकास एवं विनियोजन निगम (रीको) एवं आयुक्त, दिल्ली-मुंबई औद्योगिक कोरिडोर, जयपुर, वंदना सिंघवी को संभागीय आयुक्त, बीकानेर, कुमार पाल गौतम को आयुक्त, कौशल, रोजगार एवं उद्यमिता, राजस्थान जयपुर, इन्द्रजीत सिंह को आयुक्त, राजस्थान आवासन मंडल, जयपुर, राजेन्द्र सिंह शेखावत को शाहपुरा जिला कलेक्टर, अनुप्रेरणा सिंह कुन्तल को गृह विभाग में विशिष्ट शासन सचिव, शक्ति सिंह राठौड़ को जिला कलक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट, सांचोर, प्रज्ञा केवलरमानी को आयुक्त, टीएडी, उदयपुर, भगवती प्रसाद कलाल को निदेशक, खान एवं भूविज्ञान विभाग, राजस्थान, उदयपुर, ओम प्रकाश कसेरा को प्रबंध निदेशक, जोधपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड, जोधपुर, टीकमचंद बोहरा को संयुक्त शासन सचिव, वित्त (व्यय-1) विभाग, जयपुर, नथमल डिडेल को प्रबंध निदेशक, राजस्थान राज्य विद्युत प्रसारण निगम लिमिटेड, जयपुर, नम्रता वृष्णि को जिला कलक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट, बीकानेर, अंशदीप को आयुक्त, आबकारी विभाग एवं पदे मद्य निषेध निदेशक, राजस्थान, उदयपुर, अरूण कुमार पुरोहित को जिला कलक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट, नागौर, अरूण गर्ग को अतिरिक्त मिशन निदेशक, नेशनल हैल्थ मिशन, राजस्थान, जयपुर, अल्पा चौधरी को निदेशक, मत्स्य विभाग, राजस्थान, जयपुर, वासुदेव मालावत को आयुक्त, देवस्थान विभाग, उदयपुर, निशांत जैन को जिला कलक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट, बाड़मेर, लोक बंधु को जिला कलक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट, श्रीगंगानगर, पूजा कुमारी को जिला कलक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट, जालोर, डॉ. घनश्याम को आयुक्त, विभागीय जांच, राजस्थान, जयपुर, हेम पुष्पा शर्मा को सचिव, जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर डॉ. अमित यादव को जिला कलक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट, भरतपुर के पद पर लगाया है।

वहीं राजेश्वर सिंह को अध्यक्ष, राजस्थान कर बोर्ड, अजमेर, आलोक को अध्यक्ष, राजस्थान ऊर्जा विकास एवं आई.टी. सर्विसेज लिमिटेड, जयपुर, प्रमुख आवासीय आयुक्त, नई दिल्ली, शिखर अग्रवाल को नागरिक उड्डयन विभाग में एसीएस व राजस्थान प्रदूषण नियंत्रण मंडल का अध्यक्ष, श्रेया गुहा को राजस्थन रोड़वेज की सीएमडी, आलोक गुप्ता को राजस्थान अक्षय ऊर्जा निगम लिमिटेड का अध्यक्ष, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के प्रमुख शासन सचिव, हेमंत कुमार गेरा को महानिदेशक, हरीशचन्द्र माथुर राजस्थान राज्य लोक प्रशासन संस्थान एवं पदेन प्रमुख शासन सचिव, प्रशिक्षण, राजस्थान, जयपुर, विकास सीतारामजी भाले को प्रबंध निदेशक राजस्थान सहकारिता डेयरी फेडरेशन लिमिटेड, जयपुर, वे. सरवण कुमार को शासन सचिव, शांतिम एवं अहिंसा विभाग, राजस्थान, जयपुर, रश्मि गुप्ता को आयुक्त, नागरिक सुरक्षा विभाग, राजस्थान, जयपुर, इन्द्रजीत सिंह को आयुक्त, सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग एवं प्रबंध निदेशक, राजकॉम्प इन्फो सर्विसेज लिमिटेड, जयपुर, नथमल डिडेल को प्रबंध निदेशक, राजस्थान अक्षय ऊर्जा निगम लिमिटेड, जयपुर के पद पर अतिरिक्त कार्यभार सौंपा है।

पवार चुनाव ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उपयोग करने की अनुमति दी थी। अजित पवार गुट ने भी कुछ समय पूर्व, सुप्रीम कोर्ट में एक "कैविएट" अर्जी दायर की थी, यह सुनिश्चित करने के लिए कि, शरद पवार की किसी भी याचिका पर, उनके विरूद्ध कोई प्रतिकूल आदेश पारित नहीं किया जाए। सुप्रीम कोर्ट ने पहले, अजित पवार के नेतृत्व वाले बागी विधायकों के विरूद्ध अयोग्यता की मांग करने वाली, शरद पवार गुट की याचिका पर अंतिम आदेश पारित करने के लिए, महाराष्ट्र विधानसभा सभापति, राहुल नार्वेकर को पन्द्रह फरवरी तक का समय दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने विधानसभा सभापति को अयोग्यता याचिका पर तेजी से निर्णय लेने का आदेश दिया था।

असंतुष्ट कांग्रेस ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

राजनीति के जानकार, अनुभवी लोगों ने कहा कि कमलनाथ के बेटे नकुलनाथ के भाजपा में शामिल होने की प्रबल संभावना है।

यद्यपि, विपक्षी दलों ने गठबंधन बनाने के प्रयास पहले शुरु कर दिए थे परन्तु भाजपा के प्रयासों ने हाल के सप्ताहों में तेजी से गति पकड़ी है। पुराना एन.डी.ए. लगभग ध्वस्त हो गया था। केन्द्रीय मंत्रिमंडल में भाजपा के अलावा अपना दल की अनुप्रिया पटेल एवं रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इण्डिया के रामदास अठावले ही हैं। विगत कुछ सप्ताहों में भाजपा द्वारा अपने पुराने सहयोगियों, जिसमें शिरोमणि अकाली दल, टी.डी.पी. तथा अन्नाद्रमुक शामिल हैं, को वापस गठबंधन में लाने के लिए तेजी से काम किया जा रहा है।

जनता दल (यू) भाजपा के साथ गठबंधन कर चुकी है। राष्ट्रीय लोक दल के जयंत चौधरी ने भी अपने इरादे स्पष्ट कर दिए हैं। हरियाणा में, जनता जननायक पार्टी, पहले से ही गठबंधन सहयोगी है, जबकि शिरोमणि अकाली दल के साथ समझौता भी अंतिम चरण में बताया जा रहा हैं। तेलुगु देसम पार्टी के चंद्रबाबू नायडू ने हाल ही में भाजपा प्रमुख जे.पी. नड्डा और गृह मंत्री अमित शाह के साथ बैठक की, यद्यपि, भाजपा-टी.डी.पी. गठबंधन से वाय.एस.आर. कांग्रेस नेता और आंध्र प्रदेश के वर्तमान मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी के नाराज़ होने की संभावना है।

मु.मंत्री ने महाराजा सूरज मल की प्रतिमा का अनावरण किया

- **मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने कहा, महाराजा सूरज मल प्रशासनिक क्षमता, दूरदर्शिता व युद्ध कौशल की वजह से नई पीढ़ी के प्रेरणास्रोत हैं।**

जयपुर, 13 फरवरी (का.सं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के सभी अंचलों में युवाओं को उच्च शिक्षा और रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने एवं किसानों को राहत पहुंचाने के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री शर्मा मंगलवार को भरतपुर के महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय परिसर में महाराजा सूरजमल की जयंती के अवसर पर उनकी प्रतिमा के अनावरण एवं लोकार्पण के समय युवाओं से संवाद कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। शर्मा ने कहा कि, महाराजा सूरजमल के पराक्रम की गाथा को सदैव याद किया जाता है। उनकी प्रशासकीय क्षमता, दूरदर्शिता एवं अद्वितीय युद्ध कौशल की कला नई पीढ़ी के लिए प्रेरणास्रोत है। गत वर्षों में पेपरलीक की घटनाओं से प्रदेश के युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ हुआ, इन मामलों में दोषी एक-एक व्यक्ति को सजा दिलाई जाएगी, अब तक 25 व्यक्तियों की गिरफ्तारी भी हो चुकी है। आश्वस्त किया कि, राज्य सरकार महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय में सुविधाओं के विस्तार के हर सम्भव प्रयास करेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि खेल क्षेत्र में युवाओं को मौका देने के लिए गांव से लेकर कस्बे तक खेल सुविधाओं का विस्तार किया जाएगा। राज्य सरकार ने ओलम्पिक में भाग लेने के लिए प्रदेश के प्रतिभाशाली युवाओं को ट्रेनिग, किट, कोच सहित सभी विश्वस्तरीय सुविधायें उपलब्ध कराने के लिए मिशन ओलम्पिक-2028 की घोषणा की है। इसके लिए जयपुर में सेंटर आफ एक्सलैंस फॉर स्पोर्ट्स भी स्थापित किया जाएगा। शर्मा ने कहा कि एकीकृत ईआरसीपी परियोजना को हर हाल में पांच साल में पूरा किया जाएगा।

'इण्डिया ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

संयुक्त किसान मोर्चा (गैर राजनीतिक) व किसान मजदूर मोर्चा के आव्हान पर हजारों किसानों ने अपनी मांगों को लेकर मंगलवार को दिल्ली कूच किया। उनकी मांगों में फसलों पर एम.एस.पी. की विधिक गारंटी देना भी शामिल है।

कांग्रेस प्रमुख खड़गे ने "एक्स" पर डाली गई एक पोस्ट में कहा कि "नुकीले तार, ड्रोन्स के मार्फत आंसू गैस छोड़ना, कीलें बिछाना और बंदूकें तानना, सब का प्रबंध कर लिया गया है। तानाशाह मोदी सरकार किसानों की आवाज़ दबाने की कोशिश कर रही है।" हिंदी में लिखी गई अपनी पोस्ट में उन्होंने कहा कि "याद कीजिए- "आंदोलनजीवी" और "परजीवी" कहकर किसानों को किस तरह से बदनाम किया गया था और 750 किसान मारे गए थे।"

पोस्ट में कहा गया है कि "पिछले 10 साल में मोदी सरकार ने तीन वादे तोड़े- वर्ष 2022 तक किसानों की आय को दोगुना करना, स्वामीनाथन रिपोर्ट की सिफारिशें लागू करना और एम.एस.पी. का कानूनी दर्जा प्रदान करना।

किसान आंदोलन को पूर्ण समर्थन देते हुए खड़गे ने कहा कि कांग्रेस किसानों के न्याय को लेकर आवाज उठाएगी। हम नहीं डरेंगे, नहीं झुकेंगे।

ए.आई.सी.सी. महासचिव जयराम रमेश ने बताया कि भारत जोड़ो न्याय यात्रा के एक उद्देश्य के अन्तर्गत राहुल गांधी ने आज अम्बिकापुर मण्डी में किसानों से बातचीत की।

राहुल गांधी, खड़गे, पायलट ...

- **इस बार संभवतया प्रियंका गांधी रायबरेली से चुनाव लड़ सकती हैं, पर, फाइनल निर्णय चुनाव के पहले ही लिया जायेगा, प्रियंका गांधी की जीत का पूरा गुणा-भाग करके।**

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लिए सुनिश्चित नहीं हैं। अगर वे हार जाती हैं तो उन्हें 10, जनपथ छोड़ना पड़ सकता है।

गांधी परिवार का सदस्य दिल्ली में आवास के लिए राजनीति कर रहा है, यह कांग्रेस के पतन की हद है।

जब नेतृत्व ही इस राह पर चल रहा है तो ऐसे नेताओं की संख्या बढ़ गई है जो राज्यसभा सीट के लिए हाथ पैर मार रहे हैं कोई भी वरिष्ठ नेता लोकसभा चुनाव नहीं लड़ना चाहता है।

पता चला है कि उनके पास हिमाचल प्रदेश से राज्यसभा में जाने का विकल्प था पर उन्होंने राजस्थान चुना। राजस्थान से कांग्रेस को एक राज्यसभा सीट मिलनी है, जिसके कई दावेदार हैं। सोनिया के आने से सभी की दावेदारी धरी रह गई है।

भंवर जितेन्द्र सिंह यह सीट पाने के लिए पूरा जोर लगा रहे थे। अशोक गहलोत अपने विश्वस्त दिनेश कोडनिया को यह सीट देना चाहते थे।

प्रियंका गांधी अब रायबरेली से लोकसभा टिकट के लिए प्रयास करेगी, लेकिन इस बारे में निर्णय सिर्फ यह परखने के बाद ही लिया जाएगा कि उनके वहां से जीतने की संबावना है या नहीं। यह संभावना भी है कि हो सकता है अगले लोकसभा चुनाव में शायद उत्तर प्रदेश से एक भी कांग्रेस सांस न हो। वहां एकमात्र सोनिया के ही जीतने की संभावना थी। लेकिन यह गांधी परिवार वह नहीं है जो पूर्व कांग्रेस पर काबिज था।

यही वजह है कि पार्टी छोड़ने वाले की संख्या बढ़ती ही जा रही है और पार्टी का जनाधार और चुनाव जीतने की क्षमता दिन प्रतिदिन कम हो रही है।

'सुई से हथौड़ा तक हमारे पास पत्थर...

- **दो केन्द्रीय मंत्रियों, जिनमें कृषि राज्यमंत्री अर्जुन मुण्डा भी शामिल हैं, ने किसान यूनियनों से बातचीत का दौर चला रखा है तथा इलैक्ट्रिसिटी एक्ट 2020 को वापस लेने व लखीमपुर खीरी में आंदोलन में मारे गये किसानों का मुआवजा देने पर कुछ सहमति बनी है।**

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लगाना शामिल है। मुख्य दिल्ली-चंडीगढ़ सड़क स्थित सिंघू बॉर्डर को दोनों तरफ से अवरूद्ध कर दिया गया है। दिल्ली में भी पुलिसकर्मी आंसू गैस के गोले छोड़ने का अभ्यास कर रहे हैं। एक वायरल वीडियो में पुलिसकर्मियों को नॉर्थ दिल्ली के एक खुले इलाके में आंसू गैस के गोले दागते हुए दिखाया गया है, जिसमें यहां के निवासी परेशान हैं। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने आंदोलन रोधी उपाय करने को लेकर प्रधानमंत्री मोदी पर प्रहार करते हुए करते हुए कहा कि "किसानों के रास्तों पर कीलें बिछाना क्या "अमृतकाल" है या "अन्यायकाल?"

प्रियंका ने "एक्स" पर डाली गई एक पोस्ट में किसानों से किए वादे पूरा ना करने को लेकर सत्तारूढ़ भाजपा पर प्रहार करते हुए कहा "प्रधानमंत्री जी! देश के किसानों के साथ ऐसा बर्ताव क्यों?" आप वादे पूरा क्यों नहीं करते हैं। दिल्ली की ओर कूच कर रहे किसानों ने मीडिया को बताया कि वे घेरा डालकर बैठे रहने वाली एक और स्थिति के लिए तैयार होकर आ रहे हैं।

पंजाब के गुरदासपुर निवासी एवं वर्ष 2020 के आंदोलन का भी हिस्सा रह चुके एक किसान ने बताया कि "पत्थरों को तोड़ने वाले औज़ारों सहित सुई से लेकर हथौड़े तक, हमारे पास हमारी जरूरत की हर चीज़ है। हम छह महीनों का राशन साथ लेकर अपने घरों से निकले हैं। हमारे पास पर्याप्त मात्रा में डीज़ल है, यहां तक कि हरियाणा के हमारे भाईयों के लिए भी। हम पिछली बार भी 13 महीनों तक डटे रहे थे। हम से हमारी मांगे पूरी करने का वादा किया गया था, लेकिन सरकार ने अपना वादा नहीं निभाया। इस बार हम अपने मांगे मान लिए जाने के बाद ही रवाना होंगे।

सत्तारूढ़ भाजपा चुनाव से कुछ सप्ताह पहले अपनी अपनी छवि पर पड़ रहे इस विपरीत प्रभव से चिंतित है और किसान संगठनों से एक वार्ता कर चुकी है। दो कन्द्रीय मंत्री, कृषि राज्य मंत्री अर्जुन मुंडा सोमवार शाम किसान नेताओं से मिले। कुछ प्रगति हुई और इलैक्ट्रिसिटी एक्ट 2020 को रद्द करने और लखीमपूर खीरी में मारे गए किसानों को हर्जाना देने पर समझौता करने का प्रयास हुआ लेकिन एम.एस.पी. गारंटी कर्ज में राहत की और स्वामीनाथन आयोग की रिपोर्ट लागू करने जैसी प्रमुख चिंताओं का समाधान नहीं हुआ। इसका अर्थ है कि "दिल्ली चलो" आंदोलन निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार ही होगा।

मुंडा ने कहा, कुछ लोग समस्या पैदा करना चाहते है, मुंडा ने किसानों से धैर्य रखने व सरकार पर भरोसा रखने को कहा। एक किसान नेता ने कहा, वार्ता बेनतीजा रही। हम दिल्ली के लिए मार्च शुरु करेंगे। पर सरकार के प्रस्ताव पर भी विचार करेंगे। टिकैत ने भी किसानों के मार्च का समर्थन किया है।

यू.ए.ई. के राष्ट्रपति ने एयरपोर्ट....

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के स्वागत सत्कार से अभिभूत होकर प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल प्लेटफॉर्म "एक्स" पर लिखा, "अबू धाबी हवाई अड्डे पर मेरे स्वागत के लिए समय निकालने के लिए मेरे भाई मोहम्मद बिन जायद के प्रति अत्यंत आभारी हूं।"

प्रधानमंत्री ने यू.ए.ई. के राष्ट्रपति के साथ द्विपक्षीय बैठक में अपने उद्घाटन वक्तव्य में कहा, "मेरा और मेरे साथ आये भारतीय दल का भव्य स्वागत करने के लिए मैं आपका आभारी हूं। जैसा कि आपने कहा, मैं जब भी यहां आया हूं, मैंने हमेशा महसूस किया है कि मैं अपने घर और परिवार में आया हूं।" उन्होंने कहा कि, हम पिछले 7 महीने में पांच बार मिले हैं। आज भारत और यू.ए.ई. के बीच हर क्षेत्र में परस्पर साझेदारी है।

मोदी अबू धाबी में पहले हिंदू मंदिर बोचासनवासी अक्षर पुरुषोत्तम स्वामीनारायण संस्था मंदिर का उद्घाटन करेंगे। उन्होंने कहा, यू.ए.ई. में यह मंदिर भारत के लिए आपके स्नेह का उदाहरण है।

इस अहम बैठक के बाद प्रधानमंत्री मोदी "अहलान मोदी" कार्यक्रम में शामिल होने के लिए जायद स्टेडियम पहुंचे, जहाँ उन्होंने लगभग 65 हजार भारतीय प्रवासियों को संबोधित किया। गौरतलब है कि, इस कार्यक्रम में यू.ए.ई. के विभिन्न क्षेत्रों और भारत के विभिन्न राज्यों के लोग एकत्रित हुए। अपने संबोधन में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि, आज आपने अबू धाबी में इतिहास रच दिया है। उन्होंने कहा, इस ऐतिहासिक स्टेडियम में, "हर दिल की धड़कन में यह भावना गूंजती है- भारत-यू.ए.ई. दोस्ती जिंदाबाद।"

तेजस्वी के...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ने बिना शर्त अपनी कथित टिप्पणी को वापस के लिए "विशेष रूप से" एक शपथ पत्र दाखिल कर दिया है।

कोचिंग छात्र...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

किया तो पुलिस अफसर घटनास्थल पर पहुंचे थे। जवाहर नगर थाना पुलिस के सब इंस्पेक्टर लक्ष्मण मेहरा के अनुसार 18 वर्षीय छात्र शुभकुमार चौधरी महावीर नगर प्रथम स्थित कृष्ण रैज़िडैंसी में रहता था, जिसने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादकः- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालयः-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालयः-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालयः-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालयः-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालयः एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908